मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.1	28.1
जमशेदपुर	34.1	24.2
डालटनगंज	37.8	21.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद, एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 10 मई 2024 बैशाख शुक्ल पक्ष 3 प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 31 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बड़ा यू टर्न संदेशखाली रेप केस में आया नया मोड़, एक पीड़िता ने वापस लिया केस, कहा

हमें भाजपावालों ने पैसे दिये थे

एजेंसी।कोलकाता

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली की तीन महिलाओं में से एक ने टीएमसी नेता के खिलाफ रेप का केस वापस ले लिया है. इस मामले ने बंगाल की राजनीति में उबाल ला दिया था. उत्तर 24 परगना जिले के शाहजहां शेख पर आरोप था कि उसने कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया है और उनकी जमीनों पर भी कब्जा किया है. इस मामले पर भाजपा ने टीएमसी को जमकर घेरा था. यही नहीं चुनाव में भी यह मुद्दा बना हुआ है. ऐसे में एक महिला का यूटर्न चौंकानेवाला है. महिला ने कहा कि मेरा यौन उत्पीड़न नहीं हुआ था. महिला ने कहा कि मुझे भाजपा के लोगों मुझे पैसे दिये थे. उन्होंने सादे कागज पर साइन कराए और पुलिस में शिकायत कर दी थी. शिकायत वापस लेनेवाली महिला ने संदेशखाली पुलिस थाने में एक केस भी दर्ज कराया है. इस एफआईआर में उसने आरोप लगाया है कि उसे भाजपा की तरफ से धमकियां मिल रही हैं और सामाजिक बहिष्कार की स्थिति है क्योंकि वह अपनी शिकायत वापस ले रही है. महिला ने आरोप लगाया कि भाजपा महिला मोर्चा की एक स्थानीय नेता और अन्य कुछ लोग

फाइल फोटो

उसके घर आए थे. महिला ने कहा, उन लोगों ने मेरे साइन लिए और कहा कि आपको पीएम आवास योजना का लाभ मिलेगा. इसके बाद वो मुझे पुलिस थाने ले गए और यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया. महिला ने शिकायत को गलत बताते हुए केस वापस ले लिया. उसने कहा, मेरे साथ टीएमसी के दफ्तर में कोई यौन उत्पीड़न नहीं हुआ था. मुझे पार्टी के दफ्तर में देर रात जाने के लिए भी बाध्य नहीं किया गया. वहीं इस मामले पर राज्य की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री शशि पांजा ने कहा कि जो महिलाएं शिकायत वापस ले रही हैं, उन्हें अंजाम भुगतने की धमकी भाजपा वाले दे रहे हैं.

फिर आया नया वीडियो, किया गया दावा

इस बीच, संदेशखाली पर एक और वीडियो जारी हुआ है. इस कथित वीडियो में दावा किया गया है कि भाजपा के एक स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे कागज पर हस्ताक्षर कराये और बाद में टीएमसी नेताओं के खिलाफ रेप एवं यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने में उसका इस्तेमाल किया गया. हालांकि, शुभम संदेश स्वतंत्र रूप से इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता. ताजा वीडियो में एक महिला को यह कहते हुए सुना जा सकता है, सादे कागज पर दस्तखत करा कर हमें धोखा दिया गया है. बाद में हमें पता चला कि हमारे नाम पर बलात्कार की शिकायत दर्ज करायी गयी है. यह बिल्कुल झूठ है. एक अन्य महिला ने एक अन्य वीडियो में इसी तरह का बयान दिया है. इसमें यह दावा किया गया है कि वह भाजपा नेता पियाली दास की साजिश की शिकार हुई है. एक तीसरी महिला ने भी पियाली दास पर यही आरोप लगाया और कहा, उसने हमारी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है और हमें बहुत पीड़ा दी है.

शुभेंदु के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत

उधर, टीएमसी ने संदेशखाली मामले को लेकर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है. टीएमसी ने गुरुवार को अपनी शिकायत में कहा कि संदेशखाली में महिलाओं से रेप के आरोप मनगढ़ंत थे. पार्टी ने बताया कि उनकी शिकायत एक स्टिंग वीडियो पर आधारित है. इसमें संदेशखाली में भाजपा मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल ने दावा किया है कि शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी नेताओं के खिलाफ रेप के झूठे आरोपों की साजिश रची थी. बता दें कि टीएमसी ने 4 मई को सोशल मीडिया पर एक स्टिंग वीडियो जारी किया था. इसमें गंगाधर ने दावा किया था कि भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के कहने पर शाहजहां शेख सहित टीएमसी के 3 नेताओं पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगवाए गए थे. गंगाधर कायल ने स्टिंग वीडियो में बताया कि शुभेंदु ने कहा था कि टीएमसी के मजबूत नेताओं को तब तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, जब तक कि उन्हें बलात्कार के झूठे आरोप में नहीं फंसाया जाएगा. उन्होंने संदेशखाली की महिलाओं को उकसाने के लिए कहा था. जिन महिलाओं के साथ बलात्कार नहीं हुआ, उन्हें पीड़ित के रूप में पेश किया गया.

संदेशखाली का संदेश

सुरजीत सिंह

त्वरित टिप्पणी

दंगे होते नहीं. दंगे कराये जाते हैं. ऐसा पढ़ा था. सुना था. अब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली का जो नया सच सामने आया है, उससे यही संदेश मिल रहा है. यही पता चल रह है कि जो दिखाया जा रहा है, जो बताया जा रहा है, वही सच हो, यह जरूरी नहीं. सच कुछ और भी हो सकता है. जिस सच को कभी धर्म के नाम पर, कभी जाति के नाम पर, तो कभी महिला-पुरुष के नाम पर सलीके से छिपाया गया हो. वह कभी न कभी सामने आता ही है.

संदेशखाली. पश्चिम बंगाल का एक जिला. पिछले एक माह से चर्चा में है. तीन महिलाओं ने टीएमसी के बाहुबली नेता शाहजहां शेख पर दुष्कर्म करने और जमीन हड़पने का आरोप लगाया था. भाजपा ने इस मुद्दे को देश भर में प्रचारित किया. धर्म के नाम पर हंगामा खड़ा किया. मीडिया ने भी खूब दिखाया. नतीजे कोर्ट तक से स्थानीय प्रशासन के खिलाफ आदेश आए. बंगाल की टीएमसी सरकार कहती रही, साजिश है, लेकिन किसी ने नहीं सुना. अभी मामले की जांच सीबीआई कर रही है.

अब यह बात सामने आयी है कि तीन में से एक महिला ने प्राथमिकी को वापस ले लिया है. इतना ही नहीं महिलाओं ने यह भी कहा है कि भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के कहने पर उन लोगों ने दुष्कर्म का केस किया था. स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता मम्पी दास और पियाली दास ने सादे कागज पर हस्ताक्षर करवाया था. बाद में उसी हस्ताक्षर का इस्तेमाल करके दुष्कर्म का केस किया गया. इतना ही नहीं भाजपा नेता महिलाओं को लेकर दिल्ली तक गए. अब टीएमसी के नेता भाजपा पर हमलावर हैं. हालांकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है.

सच क्या है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा. संभव है महिलाएं पहले झूठ बोल रही थीं. संभव है किसी प्रभाव में आकर बयान बदल रही हों. लेकिन यह सवाल है ही कि हर घटना में राजनीति करना, धर्म के आधार पर माहौल बनाना, जजमेंटल बन जाना, समाज में जहर घोलना, कितना जायज है. होना तो यह चाहिए कि पहले थोड़ा इंतजार कर लें, चीजें स्पष्ट होने दें. फिर अपनी धारणा बनायें. नेताओं की बात पर तो बिल्कुल ही ध्यान ना दें. उन्हें सिर्फ वोट से मतलब है, चाहे समाज को कोई भी कीमत चुकानी पड़े.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

'बाबरी ताला' का आरोप 'सरासर झूठ': प्रियंका

रायबरेली (उप्र)। कांग्रेस के सत्ता में आने पर अयोध्या के राम मंदिर में 'बाबरी ताला' लगा दिये जाने के पीएम मोदी के आरोप को 'सरासर झूठ' करार देते हुए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी कई बार कह चुकी है कि वह अदालत के फैसले का सम्मान करती है.

भारत में हिंदू आबादी घटी, मुस्लिम बढ़े

नयी दिल्ली। भारत में 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी में 7.82% की कमी आई है, जबकि मुसलमानों की आबादी में 43.15% की वृद्धि हुई है, जिससे पता चलता है कि देश में विविधता को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल है. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के हालिया कार्य दस्तावेज में यह बात कही गई है.

हरियाणा में सरकार के लिए कांग्रेस रेस

चंडीगढ़। कांग्रेस ने हरियाणा में तीन निर्दलीय विधायकों के भाजपानीत सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद पैदा हुई स्थिति के मद्देनजर गुरुवार को राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है. नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि अल्पमत वाली सरकार को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए.

चुनाव प्रचार करना मौलिक अधिकार नहीं

नयी दिल्ली। ईडी ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत के मुद्दे पर गुरुवार को हलफनामे के जरिए सुप्रीम कोर्ट में विरोध दर्ज कराया और कहा कि चुनाव में प्रचार करने का अधिकार न तो मौलिक अधिकार है और न ही संवैधानिक.

मोदी-राहुल को खुली बहस का मिला न्योता

नयी दिल्ली। देश की जानी-मानी हस्तियों ने पीएम नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ओपन डिबेट का न्योता दिया है. सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन बी लोकुर, दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस अजीत पी शाह और द हिंदू के पूर्व एडिटर एन राम की ओर से दोनों नेताओं को खुली बहस के लिए न्यौता भेजा गया है. इसमें कहा गया कि हमारा मानना है कि एक सार्वजनिक बहस से हमारे राजनीतिक नेताओं को सीधे सुनने से नागरिकों को अत्यधिक लाभ होगा. हमारा मानना है कि मोदी-राहुल की खुली बहस से हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने में मदद मिलेगी.

ईडी के सामने पेश होने से पहले जमीन कारोबारी ने की आत्महत्या

- लालपुर के नवीन मित्रा लेन के सिल्वर डेल फ्लैट में रहते थे कारोबारी कृष्णकांत
- अपनी जमीन पर मकान बनवा रहे थे इसलिए सामने के फ्लैट में रह रहे थे

दुखद वारदात

सौरभ सिंह।रांची

राजधानी रांची के लालपुर थाना क्षेत्र के नवीन मित्रा लेन स्थित सिल्वर डेल अपार्टमेंट में रहनेवाले जमीन कारोबारी कृष्णकांत (55) ने अपने फ्लैट में फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली. गुरुवार सुबह फंदे पर झूलता देख परिजनों में चीख-पुकार मच गयी. आनन-फानन में उन्हें फंदे से उतार कर परिजन आर्किड अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

घटना की सूचना मिलने पर लालपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल की. मृतक कृष्णकांत से जुड़े लोगों का कहना है कि वे पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रहे थे. जमीन घोटाला मामले को लेकर ईडी ने उन्हें नोटिस भेजा था, जिससे वे दबाव में रह रहे थे.हालांकि आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है. वैसे उनके करीबियों का मानना है कि जमीन घोटाले में नाम आने और ईडी की नोटिस के कारण वे काफी परेशान थे.

गुरुवार को ही ईडी के समक्ष होना था उपस्थित : सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जमीन घोटाला मामले में कृष्णकांत को ईडी ने मंगलवार को नोटिस जारी करते हुए गुरुवार को एजेंसी के दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया था. गुरुवार के दिन के 11 बजे कृष्णकांत को ईडी दफ्तर पहुंचना था. लेकिन इससे पहले ही कृष्णकांत ने अपने फ्लैट में फंदे से झूल कर जीवन लीला समाप्त कर ली.

कृष्णकांत को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

पिता को फंदे पर झूलता देख बेटी चीख पड़ी

कृष्णकांत के पारिवारिक मित्रों के अनुसार, गुरुवार की सुबह नौ बजे उनके परिजनों ने उन्हें पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस जाने के लिए तैयार होने को कहा. इसके बाद वे तैयार होने अपने कमरे में चले गए. काफी देर तक जब वह कमरे से नहीं निकले, तब उनकी बेटी उन्हें बुलाने कमरे में गई, तो देखा कि पिता फंदे से झूल रहे हैं. पिता को फंदे पर झूलता देख वह चीखने लगी. कृष्णकांत को फंदे उतार कर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन मौत हो चुकी थी.

नवीन मित्रा लेन में अपनी जमीन पर बनवा रहे थे घर

कृष्णकांत के करीबी हतप्रभ हैं. उनका कहना है कि कृष्णकांत मजबूत व्यक्ति थे. ईडी का बुलावा आने से वो परेशान जरूर थे, लेकिन खुदकुशी कर लेंगे, ऐसा नहीं सोचा था. कृष्णकांत की नवीन मित्रा लेन में अपनी जमीन है. उसी पर वो मकान बनवा रहे थे. चूंकि घर का निर्माण कार्य चल रहा था, इसलिए वे परिवार के साथ सामने के सिल्वर डेल अपार्टमेंट में शिफ्ट कर गये थे.

झारखंड में दो साल में ईडी की बड़ी कार्रवाई

पूर्व सीएम, दो आईएएस समेत 36 गिरफ्तार, 66.57 करोड़ बरामद

रांची। झारखंड में पिछले दो साल से ईडी ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है. इसकी शुरुआत 6 मई 2022 को हुई थी, जब ईडी ने मनरेगा घोटाले को लेकर आईएएस पूजा सिंघल समेत कई लोगों के ठिकाने पर रेड की थी. इसके बाद ईडी ने अवैध खनन मामला, कोल लिंकेज घोटाला, जमीन घोटाला और टेंडर कमीशन घोटाले को लेकर दो सौ से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की. इस दौरान ईडी ने 66.57 करोड़ रुपए नगद बरामद किये और पूर्व सीएम हेमंत सोरेन समेत कुल 36 लोगों को गिरफ्तार किया.

किस मामले में कौन गिरफ्तार

- **मनरेगा घोटाला :** सीए सुमन कुमार, आईएएस पूजा सिंघल.
- **कोल लिंकज घोटाला :** इजहार अंसारी.
- **1000 करोड़ के अवैध खनन घोटाला :** पंकज मिश्रा, बच्चू यादव, पशुपति यादव, सुनील यादव, कृष्णा कुमार साहा, भगवान भगत, ट्वींकल भगत.
- **जमीन घोटाला :** हेमंत सोरेन, छवि रंजन, अमित अग्रवाल, प्रेम प्रकाश, प्रदीप बागची, सीआई भानु प्रताप, अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान, मोहम्मद सद्दाम, दिलीप घोष, राजेश राय, भरत प्रसाद, अंतू तिर्की, प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह, इरशाद.
- **टेंडर कमीशन घोटाला :** बीरेंद्र राम, आलोक रंजन, हरीश यादव, नीरज मित्तल, राम प्रकाश भाटिया, ताराचंद, संजीव लाल, जहांगीर आलम.

आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल की पत्नी से ईडी ने आठ घंटे पूछताछ की

मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव की पत्नी रीता से ईडी ने गुरुवार को आठ घंटे पूछताछ की. इस दौरान ईडी ने जहांगीर के ठिकाने से बरामद 35 करोड़ रुपए के बारे में रीता से पूछा. रीता ने कहा, उन्हें नहीं पता है कि रुपए कहां से आए. रीता के बैंक खातों की जानकारी ली गयी. उनसे यह भी पूछा गया कि उनके व उनके पति के नाम पर कितनी संपत्ति है. उधर, संजीव लाल और जहांगीर से ईडी ने दूसरे दिन भी लंबी पूछताछ की. दोनों से रुपयों के स्रोत के बारे में पूछताछ की. दोनों से पूछा गया कि कहां-कहां से रुपए आए. कमीशन कहां-कहां बंटता था. दोनों ने स्वीकारा है कि उन्हें किन लोगों ने किस एवज में रुपए दिए थे. जहांगीर ने बताया कि वह स्कूटी से भी कई लोगों के पास रुपए लेने गया था. पूछताछ में मिले इनपुट पर ईडी जल्द ही बड़ी कार्रवाई करेगी. कमीशन में हिस्सा कहां-कहां जाता था, इसकी भी जानकारी ईडी को मिल चुकी है.

चुनावी समर 2024

राहुल गांधी बोले-मोदी के हाथ से फिसला चुनाव
सरकार बनते ही 30 लाख नौकरियां

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार सत्ता में आती है तो पहले 80 दिनों में 30 लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, देश के युवाओं! 4 जून को इंडिया की सरकार बनने जा रही है और हमारी गारंटी है कि 15 अगस्त तक हम 30 लाख रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती का काम शुरू कर देंगे. नरेंद्र मोदी के झूठे प्रचार से भटकना मत, अपने मुद्दों पर डटे रहना. इंडिया की सुनो, नफ़रत नहीं, नौकरी चुनो. राहुल ने कहा, देश की शक्ति और देश के युवाओं, नरेंद्र मोदी के हाथ से चुनाव निकल रहा है.

अमित शाह बोले- कांग्रेस की गारंटी चाइनीज
ये चुनाव राहुल बनाम मोदी है

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने के चौथे चरण से पहले एक बार फिर राहुल गांधी पर हमला बोला है. गुरुवार को तेलंगाना में एक जनसभा में उन्होंने हुए कहा कि यह चुनाव गांधी वर्सेज मोदी है, चुनाव वोट फॉर जिहाद के अगेंस्ट, वोट फॉर विकास का है. यह चुनाव राहुल गांधी की चाइनीज गारंटी के खिलाफ, मोदी जी की भारतीय गारंटी का है. तीन चरण के चुनाव के बाद हम 200 के करीब पहुंच गए हैं. उन्होंने तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी पर हमला बोलते हुए कहा, सुन लो रेवंत रेड्डी इस बार तेलंगाना में हम 10 से ज्यादा सीट जीतने वाले हैं और तेलंगाना में डबल डिजिट मोदी जी को 400 पार कराने वाला है.

तेजस्वी यादव बोले- पीएम मोदी करें रोड शो
हम तो पटना में जॉब शो करेंगे

पटना। पीएम मोदी रविवार को पटना में रोड शो करेंगे. इसी बीच तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी रोड शो करें या एयर शो. हम तो जॉब शो करेंगे. पीएम मोदी ने 10 साल तक लोगों को ठगने का काम किया है, और अभी भी ठग रहे हैं. मोदी न रोजगार पर बोल रहे,न काम की बात कर रहे यानी मुद्दे की कोई बात नहीं कर रहे हैं. उनका एकमात्र एजेंडा है कि संविधान व लोकतंत्र को देश से कैसे खत्म कर दें, और कैसे तानाशाही को कायम कर दें. रोड शो तो हम करेंगे. क्योंकि जब हमारी सरकार बनेगी तो हम एक करोड़ नौकरी देंगे, पहले भी 17 महीने में 5 लाख नौकरी दी.मोदी से हाथ जोड़ कर विनती है कि वो दवाई, कमाई और पढ़ाई की बात करें, फालतू न बोलें.

संविधान बदलने की जरूरत क्या है

बैजनाथ मिश्र

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

हमारा संविधान जनता और व्यवस्था के बीच एक एकरारनामा है. यह एक सामाजिक दस्तावेज भी है और चरित्रात्मक मूल संविधान में हमारी सांस्कृतिक विरासत की भी एक झलक मिलती है. राष्ट्र कोई निर्गुण इकाई नहीं है. राष्ट्र के लिए चार तत्व आवश्यक होते हैं. पहला तत्व है जमीन. बिना भूमि के राष्ट्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती.

दूसरा तत्व है प्रजा. जमीन हो और प्रजा न हो तब भी राष्ट्र निर्माण असंभव है. जैसे हमारे भूमंडल के दोनों ध्रुवों पर जमीन तो है, लेकिन वहां लोग नहीं रहते. इसलिए वहां कोई राष्ट्र नहीं है. इसी प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यहूदियों के लिए कोई अलग जमीन नहीं थी. बाद में उन्हें जमीन मिली और इजरायल नामक राष्ट्र बना. तीसरा तत्व है व्यवस्था यानी संसाधनों और प्रजा के लिए कायदा-कानून, नियम-परिनियम इत्यादि. चौथा तत्व है संस्कृति. यह संस्कृति ही राष्ट्र की आत्मा होती है. इस संस्कृति को आप रीति-रिवाज, आचरण, व्यवहार भी कह सकते हैं. इसके बिना राष्ट्र निष्प्राण हो जाता है. इसलिए हम भारत के लोगों ने इस भारत भूमि के लिए एक संविधान अंगीकार किया और चित्रों के माध्यम से अपनी संस्कृति का भी उल्लेख किया. यह बात अलग है कि वह चित्रात्मक संविधान अनुपलब्ध है या दुर्लभ है. ऐसा क्यों हुआ, किसने किया, इसके लिए मानसिक श्रम की आवश्यकता नहीं है. जाहिर है यह सब किया कराया उन्हीं महानुभावों का है जो संविधान बनाने वाली टीम में थे और जिनके हाथों में सत्ता का सूत्र संचालन भी सौंप दिया गया. यहीं से शुरू होता है संविधान की अवहेलना का दौर. फिर अभिव्यक्ति की आजादी को सीमित करने के लिए संविधान में पहला संशोधन उन्हीं महाशय ने किया जो महानता की टोपी धारण करते थे. तब से लेकर आज तक संविधान में लगभग सवा सौ संशोधन हो चुके हैं.

सबसे खास बात यह है कि संविधान की उद्देशिका में सेक्युलर और समाजवाद तक सब ठूंस दिया गया, जब लोकतंत्र हवा में टांग दिया गया था. यह संशोधन संविधान की मूल आत्मा के खिलाफ था, क्योंकि किसी भी सेक्युलर राष्ट्र में माइनॉरिटी के लिए अलग से व्यवस्था नहीं की जा सकती है, वह भी संविधान के जरिए. संविधान सभा में इस मुद्दे पर बहस के दौरान बाबा साहब अंबेडकर ने इसका विरोध किया था और इसलिए संविधान में अल्पसंख्यकों को कुछ विशेष सहूलियतें तो दी गई, लेकिन कहीं भी सेक्युलर शब्द का उल्लेख नहीं किया गया. उल्लेखनीय यह भी है कि नेहरू से लेकर मोदी तक जिन्होंने भी संविधान में संशोधन किया, किसी ने भी जनता से नहीं पूछा. न इसकी जरूरत समझी गई, न जरूरत थी, क्योंकि हमने लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अंगीकार किया है. इसमें होता वही है जो बहुमत चाहता है. दूसरे शब्दों में कहें तो इस प्रणाली में बहुमत की तानाशाही की गुंजाइश या आशंका सदैव बनी रहती है. इस बहुमत के क्रूर बन जाने की संभावना सदैव बनी रहती है. इसलिए बहुमत की सरकारें सुप्रीम कोर्ट के फैसले भी संसद के जरिए बदलती रही हैं या उसे निष्प्रभावी बनाती रही हैं. यानी संविधान में शक्तियों के पृथक्करण की व्यवस्था के बावजूद संसद अपनी सर्वोच्चता साबित करती रही है.

हम गणतंत्र दिवस मनाते जरूर हैं और खुद को रिपब्लिक ऑफ इंडिया कहते भी हैं, लेकिन व्यावहारिक अर्थों में हम हैं एक लोकतांत्रिक देश और आदर्श लोकतंत्र में भी असहमति के लिए स्थान तो है, लेकिन उसे स्वीकार करने की बाध्यता नहीं है जबकि रिपब्लिक में नागरिक का हित सर्वोच्च होता है.

-शेष पेज 11 पर

बिखरा शेयर बाजार, सात लाख करोड़ रुपये स्वाहा

एजेंसी।मुंबई

- चुनाव के संकेत, विदेशी निवेशकों का मोहभंग
- एक्सपर्ट बोले-मोदी की वापसी पर असमंजस

लोकसभा चुनाव के शुरुआती तीन चरण की वोटिंग के बाद शेयर बाजार में दांव लगाने वाले निवेशक अलर्ट मोड में नजर आ रहे हैं. यही वजह है कि शेयर बाजार दबाव में है और गुरुवार को सेंसेक्स-निफ्टी में लगातार गिरावट देखी गई. बीएसई सेंसेक्स 1,130 अंक टूट कर दिन के निचले स्तर 72,334.18 पर पहुंच गया. वहीं, निफ्टी ने भी 370 अंक की गिरावट देखी और 19 अप्रैल के बाद पहली बार इंट्रा-डे में 22,000 अंक से नीचे फिसल गया. क्लोजिंग प्राइस की बात करें, तो सेंसेक्स 1062.22 अंक या 1.45% की गिरावट के साथ 72,404.17 पर बंद हुआ. निफ्टी बाजार में गिरावट की बड़ी वजह लोकसभा चुनाव 2024 के तीन चरण बीत चुके हैं, लेकिन निवेशकों में अनिश्चितता है. इस आपाधापी में निवेशकों के सात लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गये. चुनाव से पहले जिस तरह का उत्साह था, उसमें गिरावट देखी जा रही है. तमाम एक्सपर्ट मान रहे थे कि केंद्र में मोदी सरकार की धमाकेदार वापसी होगी, लेकिन अब थोड़ी असमंजस की स्थिति नजर आ रही है.

सत्ता का महासंग्राम लोकसभा चुनाव 2024

अगले छह दिनों के अंदर पीएम, रक्षा मंत्री, गृहमंत्री व छग के सीएम का होगा दौरा

स्टार प्रचारकों के जरिए भाजपा दिखाएगी अपनी ताकत, 14 को पीएम की गिरिडीह में जनसभा

रवि भारती। रांची

भाजपा अपने स्टार प्रचारकों के जरिए ताकत दिखाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर झारखंड आएंगे. पीएम 11 मई को चतरा लोकसभा में पार्टी उम्मीदवार कालीचरण सिंह के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे. इससे पहले पीएम मोदी पलामू में भाजपा उम्मीदवार वीडी राम के पक्ष में जनसभा कर जनता और कार्यकर्ताओं में जोश भर चुके हैं. अब 14 मई को एनडीए के घटक दल आजसू के उम्मीदवार चंद्रप्रकाश चौधरी के समर्थन में गिरिडीह में जनसभा को संबोधित करेंगे.

छत्तीसगढ़ के सीएम भी जनसभा कर भरेंगे जोश : भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय भी 10 मई को झारखंड आयेंगे. इस दिन वे खूंटी, लोहरदगा और सिंहभूम लोकसभा में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करेंगे. साय पश्चिम सिंहभूम जिले के मनोहरपुर स्थित मणिपुर मैदान में दिन के 10:30 बजे से आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे. इसके बाद खूंटी लोकसभा के गताडीह बगीचा, प्रखंड मैदान कुरडेग में 12:30 बजे से आयोजित जनसभा और दोपहर दो बजे गुमला जिले के चैनपुर के छतरपुर बगीचा मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे.

आज अमित शाह व राजनाथ सिंह झारखंड में

10 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह झारखंड दौरे पर रहेंगे. शाह शुक्रवार को खूंटी में भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी राज्य में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे. इसके बाद गोड्डा से भाजपा उम्मीदवार निशिकांत दुबे के नामांकन में मौजूद रहेंगे. बाद में वे रोड शो करें. वहीं नौ मई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चैंबर द्वारा आयोजित कार्यक्रम और महिला सम्मेलन में शिरकत की.

पांच उम्मीदवार करेंगे नामांकन

अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर झामुमो और भाजपा के पांच उम्मीदवार नामांकन दाखिल करेंगे. इनमें गोड्डा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. निशिकांत दुबे, दुमका सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन और झामुमो प्रत्याशी नलिन सोरेन, राजमहल सीट से भाजपा के ताला मरांडी और झामुमो प्रत्याशी विजय हांसदा 10 मई को अक्षय तृतीया के दिन नामांकन करेंगे. नामांकन के लिए उक्त सभी प्रत्याशियों ने जोरदार तैयारी कर रखी है.

पांचवे-छठे चरण में 'इंडिया' गठबंधन के स्टार प्रचारकों का लगेगा जमावड़ा

20 मई के बाद राहुल गांधी, खरगे, प्रियंका और तेजस्वी यादव करेंगे चुनावी सभाएं

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में चौथे चरण का चुनाव प्रचार 11 मई को समाप्त हो जाएगा. इस चरण के लिए खुद राहुल गांधी चार में से दो लोकसभा क्षेत्र में चुनावी सभा कर चुके हैं. अब कांग्रेस के किसी और स्टार प्रचारक के झारखंड आने का कोई कार्यक्रम नहीं है. तेजस्वी यादव आठ मई को पलामू और गढ़वा में दो चुनावी सभा कर चुके हैं. तेजस्वी यादव इस चरण के लिए तीन और चुनावी सभाएं 10 मई को करेंगे. वहीं, 13 मई को चार सीटों पर मतदान संपन्न होने के बाद पांचवें चरण में तीन सीटों चतरा, कोडरमा और हजारीबाग और छठे चरण की चार सीटों गिरिडीह, धनबाद, रांची और जमशेदपुर के चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन के स्टार प्रचारक अपनी पूरी ताकत झोकेंगे.

कोडरमा में यादव वोटरों को लुभाएंगे तेजस्वी यादव : इंडिया गठबंधन ने तेजस्वी यादव को कोडरमा सीट की जिम्मेदारी सौंपी है. 13 मई के बाद तेजस्वी यादव एक या दो दिन में तीन से चार चुनावी सभाओं को संबोधित कर सकते हैं. कोडरमा में यादव, मुस्लिम एवं ओबीसी मतदाताओं की संख्या को देखते हुए वहां पर तेजस्वी की मांग हुई है, जिसकी अनुमति राजद नेतृत्व ने दे दी है. 13 के बाद तेजस्वी के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करके झारखंड राजद को भेज दिया जाएगा.

यशस्विनी-अनुपमा के लिए सभा करेंगे प्रियंका

कांग्रेस और राजद से मिली जानकारी के अनुसार, पांचवें और छठे चरण के चुनाव में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह और धनबाद में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे. 13 मई को खड़गे हजारीबाग में जेपी पटेल के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे. वहीं, 20 मई के बाद प्रियंका गांधी पार्टी की दो महिला प्रत्याशी धनबाद से अनुपमा सिंह और रांची से यशस्विनी सहाय के लिए चुनावी सभा को संबोधित करेंगी.

20 के बाद कल्पना झोकेंगी ताकत

20 मई को गांडेय में विधानसभा उपचुनाव संपन्न हो जाएगा. इसके पूर्व 18 मई को चुनाव प्रचार भी समाप्त हो जाएगा. यहां से कल्पना सोरेन झामुमो की प्रत्याशी हैं. इसलिए, गांडेय उपचुनाव संपन्न होने के बाद कल्पना सोरेन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के साथ शेष बची सात लोकसभा सीटों गिरिडीह, धनबाद, रांची, जमशेदपुर, राजमहल, दुमका और गोड्डा अपनी पूरी ताकत झोकेंगी. इनके कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में झामुमो जुट गयी है.

ब्रीफ खबरें

90 पुलिसकर्मी चुनाव डयूटी के लिए प्रतिनियुक्त

रांची। लोकसभा चुनाव को लेकर अलग-अलग जिलों में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जा रही है. एसीबी में पदस्थापित 90 पुलिसकर्मियों को सिमडेगा जिला बल में प्रतिनियुक्त किया गया है. एसीबी मुख्यालय ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश में कहा गया है कि लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को सिमडेगा जिला में पड़ने वाले बूथ पर स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न करने के लिए एसीबी रांची से 146 सिपाहियों की प्रतिनियुक्ति की गयी थी. हालांकि पूर्व के आदेश को संशोधित करते हुए एसीबी ने 90 पुलिसकर्मियों को सिमडेगा जिला बल में प्रतिनियुक्त किया है.

7 से 10 बजे तक कक्षाएं चलाने की मिले अनुमति

रांची। निजी विद्यालय प्रबंधन की ओर से बदलते मौसम को देखते हुए प्री नर्सरी से आठवीं कक्षा तक स्कूल खोलने की मांग की है. पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे व लाल किशोर नाथ शाहदेव ने प्रभारी शिक्षा सचिव मनोज कुमार से गुरुवार को प्रोजेक्ट बिल्डिंग में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. कहा गया कि छोटे बच्चों के लिए सुबह सात से 10 बजे तक कक्षाएं चलाने की अनुमति दी जाए. आलोक दुबे और लाल किशोर शाहदेव ने शिक्षा सचिव से कहा कि अचानक रात्रि में स्कूल बंद करने की अधिसूचना जारी किये जाने से गर्मी छुट्टियों के लिए बच्चों को होमवर्क भी नहीं दिया जा सका है.

भाजपा तुष्टिकरण की राजनीति करती है : राजद

रांची। राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने पीएम के आर्थिक सलाहकार द्वारा हिंदू-मुस्लिम के जनसंख्या रिपोर्ट पेश करने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि बीजेपी फर्जी रिपोर्ट पेश कर देश में तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है. लोकसभा आम चुनाव के दरम्यान बीजेपी मुसलमानों का हिंदुओं से ज्यादा जनसंख्या में वृद्धि दिखाने का काम करना अत्यंत निंदनीय है. बीजेपी, आरएसएस वीएचपी जैसे संगठन देश में धार्मिक ध्रुवीकरण कर हिंदू मुस्लिम कर आपसी भाईचारे बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं.

झारखंड की तीन सीटों पर चुनाव, राजमहल, गोड्डा व दुमका में एक जून को मतदान

लोस चुनाव : 53 लाख मतदाता करेंगे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

संवाददाता। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में राजमहल, गोड्डा और दुमका में एक जून को मतदान होगा. इन तीनों लोकसभा क्षेत्रों के अंदर छह जिले और 18 विधानसभा आते हैं. इनमें दुमका इन तीनों में सबसे बड़ा 5263 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल का है. जनसंख्या के मामले में गोड्डा काफी आगे है. गोड्डा की जनसंख्या 31 लाख 67 हजार है, जिसमें 20 लाख 25 हजार मतदाता हैं. इनमें पुरुष 10 लाख 88 हजार व महिला मतदाता नौ लाख 76 हजार है.

वहीं दुमका की आबादी 24 लाख 89 हजार है. इनमें 15 लाख 89 हजार मतदाता हैं. यहां पुरुष मतदाताओं की संख्या सात लाख 98 हजार और महिला मतदाता सात लाख 91 हजार हैं. राजमहल लोकसभा में 27 लाख 55 हजार की जनसंख्या है. यहां पुरूष मतदाता आठ लाख 50 हजार और महिला मतदाता आठ लाख 52 हजार हैं. इन तीन लोकसभा में कुल 84 लाख 11 हजार की आबादी है. यहां के कुल 53 लाख 16 हजार मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे.

सबसे अधिक मतदाता
20,25,176
गोड्डा लोकसभा में

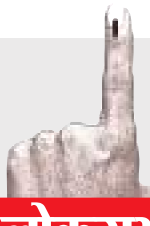

सबसे कम मतदाता
15,89,435
दुमका लोकसभा में

▪ राजमहल लोकसभा में 17,02,257 वोटर करेंगे वोटिंग

किस लोकसभा में कितने मतदाता

राजमहल लोकसभा

विधानसभा	पुरुष	महिला	कुल	वृद्धि (% में)
राजमहल	1,80,777	1,70,221	3,51,001	19.6
बोरियो	1,41,632	1,41,243	2,82,879	15.24
बरहेट	1,11,467	1,15,720	2,27,188	19.09
लिट्टीपाड़ा	1,06,793	1,11,162	2,17,956	10.65
पाकुड़	1,90,872	1,92,423	3,83,295	21.78
महेशपुर	1,18,496	1,21,441	2,39,938	13.08
कुल	8,50,037	8,52,210	17,02,257	17.11

दुमका लोकसभा

विधानसभा	पुरुष	महिला	कुल मतदाता	वृद्धि (% में)
शिकारीपाड़ा	1,11,345	1,17,925	2,29,270	13.91
नाला	1,24,316	1,19,455	2,43,771	12.73
जामताड़ा	1,61,229	1,55,546	3,16,778	19.00
दुमका	1,27,843	1,30,948	2,58,794	6.12
जामा	1,10,917	1,14,280	2,25,197	10.23
सारठ	1,62,636	1,52,989	3,15,625	19.37
कुल	7,98,286	7,91,143	15,89,435	13.83

गोड्डा लोकसभा

विधानसभा	पुरुष	महिला	कुल मतदाता	वृद्धि (% में)
जरमुंडी	1,37,413	1,28,361	2,65,777	20.95
मधुपुर	1,90,650	1,76,780	3,67,430	21.60
देवघर	2,26,708	2,07,670	4,34,388	21.78
पोड़ैयाहाट	1,60,140	1,53,864	3,14,005	16.38
गोड्डा	1,61,270	1,49,808	3,11,078	11.52
महगामा	1,72,703	1,59,795	3,32,498	15.65
कुल	10,48,884	9,76,278	20,25,176	18.10

ईडी ने 10 समन जारी किया था, हेमंत ने की थी अवहेलना

ईडी के कंप्लेन केस पर सिविल कोर्ट में 18 मई को होगी सुनवाई

विधि संवाददाता। रांची

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी द्वारा दर्ज शिकायतवाद (कंप्लेन केस) पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम की कोर्ट में अब 18 मई को सुनवाई होगी. अब तक की सुनवाई में कोर्ट ने प्रथम दृष्टया यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया है. दरअसल, जमीन घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को 10 समन जारी किया था. लेकिन हेमंत सोरेन सिर्फ दो समन पर पेश हुए थे. आठ समन पर वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे, जिसे समन की अवहेलना माना गया है. इस मामले में हेमंत सोरेन हाईकोर्ट का रूख कर चुके हैं.

पूर्व सीएम की याचिका पर हाईकोर्ट की दूसरी बेंच में होगी सुनवाई : ईडी द्वारा दर्ज शिकायतवाद पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम द्वारा लिए गए संज्ञान और समन जारी करने के आदेश के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा दाखिल याचिका पर अब हाईकोर्ट की दूसरी बेंच में सुनवाई होगी. गुरुवार को यह मामला हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश कुमार की बेंच में सूचीबद्ध था, लेकिन उन्होंने इस केस की सुनवाइ से इनकार करते हुए मामला दूसरी बेंच में भेजने का निर्देश दिया है.

हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 13 को सुनवाई

रांची/दिल्ली। जेल में बंद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) पर सुप्रीम कोर्ट में 13 मई को सुनवाई होगी. दअरसल हेमंत सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक, उनका मामला सुनवाई के लिए 13 मई को सूचीबद्ध हुआ है. हेमंत सोरेन ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से शीर्ष अदालत में एसएलपी दाखिल की है. सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया गया था.

आठवीं बोर्ड के पांच लाख विद्यार्थियों का रिजल्ट अटका

संवाददाता। रांची

राज्य में नौवीं की कक्षाएं आरंभ हो गई. किंतु आठवीं बोर्ड का रिजल्ट अब तक नहीं जारी हुआ है. आठवीं बोर्ड की परीक्षा 16 मार्च को हुई थी. स्कूलों को छह अप्रैल तक आंतरिक मूल्यांकन का प्राप्तांक अपलोड करने को कहा गया था. जैक द्वारा ली गयी इस परीक्षा में पांच लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे. गौरतलब है कि सरकारी स्कूलों में दो मई से नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है. लेकिन, रिजल्ट जारी नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र नहीं मिल रहा है. इस कारण वे दूसरे विद्यालयों में नामांकन नहीं ले पा रहे हैं. राज्य के सरकारी विद्यालयों में जहां अब तक आठवीं बोर्ड का रिजल्ट जारी नहीं हुआ है, वहीं सीबीएसई स्कूलों में अप्रैल के प्रथम सप्ताह में नौवीं की कक्षाएं शुरू हो गयी थीं. विद्यालयों में साप्ताहिक टेस्ट लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है.

आंतरिक मूल्यांकन का अंक नहीं भेजा

आठवीं बोर्ड के विद्यार्थियों के आंतरिक मूल्यांकन के अंक का निर्धारण विद्यालय स्तर से किया जाना है. स्कूलों को प्राप्तांक जैक के पोर्टल पर अपलोड करना होता है. झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने स्कूलों को छह अप्रैल तक प्राप्तांक अपलोड करने का निर्देश दिया गया था. लेकिन राज्य के करीब 350 स्कूलों द्वारा अब तक आंतरिक मूल्यांकन अंक उपलब्ध नहीं कराया गया है.

बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से कहा-

झारखंड कोई तालिबानी देश नहीं है

▪ सीएम हो, मंत्री हो या संतरी, गैरकानूनी काम मत करिए

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से कहा है कि झारखंड कोई तालिबानी देश नहीं है. ये भी देश के कानून और कोर्ट-कचहरी से चलता है. देश की एजेंसियों का काम ही देश के किसी भी कोने में जाना और तहखाने में छिपाये गये काला धन को बरामद कर बेईमानों को जेल भेजना है. चाहे वो मुख्यमंत्री हो, मंत्री हो या संतरी हो. ये सब गैर कानूनी काम मत करिये, वरना आपलोगों का भी वही हाल होगा, जो एक्सीडेंटल राजकुमार हेमंत का हुआ है.

मुख्य सचिव के सवाल पर तंज- गरीबों को लूटिये और लुटवाइये

मुख्य सचिव के सवाल पर झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने तंज कसा है. कहा है कि इस तरह से कभी भी भ्रष्टाचार पर

अंकुश नहीं लग पायेगा. कहा है कि ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के सचिवालय स्थित चैंबर की तलाशी लेने के बाद मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने डीजीपी अजय कुमार सिंह से सवाल पूछा है. मुख्य सचिव ने पूछा है कि सचिवालय की सुरक्षा पुलिस के जिम्मे है, तो फिर ईडी की टीम कैसे अंदर पहुंच गयी. मरांडी ने आगे कहा, 'बढ़िया है. कुछ बेईमान अफसरों, दलालों के साथ मिलकर गरीबों को लूटिये और लुटवाइये. प्रोजेक्ट बिल्डिंग में एक फ्लोर नोट का भंडार छिपाने के लिये नोटखाना बना दीजिये. और फिर देश की एजेंसियां विधिवत सर्च वारंट के साथ वहां जाकर, छापामारी कर पाप का खजाना और उसके सबूत जुटाने जाए, तो राज्य की पुलिस से जांच करने से रोकवाइये, बाधा डालिये.

पूर्व डीजीपी डीके पांडेय की पत्नी को राहत

हाईकोर्ट की डबल बेंच ने राज्य सरकार की अपील खारिज की

लीगल रिपोर्टर। रांची

झारखंड के पूर्व डीजीपी डीके पांडेय की पत्नी पूनम पांडेय को उनके नाम पर खरीदी गयी भूमि मामले में झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट की डबल बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी है. न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय के कोर्ट में पूर्व डीजीपी डीके पांडेय की ओर से हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता आरएस मजुमदार और रोहन मजुमदार ने बहस की.

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद पूर्व डीजीपी की पत्नी के पक्ष में फैसला

दरअसल झारखंड हाईकोर्ट की एकल पीठ ने पूर्व डीजीपी डीके पांडेय की पत्नी के नाम पर खरीदी गयी भूमि की जमाबंदी रद्द कर करने की प्रक्रिया शुरू करने के आदेश को रद्द कर दिया था. इसके खिलाफ राज्य सरकार ने अपील दाखिल की थी. लेकिन हाईकोर्ट की डबल बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी. बता दें की झारखंड के पूर्व डीजीपी डीके पांडेय की पत्नी पूनम पांडेय ने कांके के चामा मौजा में जमीन खरीदी है, जिसकी जमाबंदी उनके नाम पर चल रही थी.

अलर्ट जारी मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कई इलाकों में आज भी बारिश की संभावना

बदला मौसम का मिजाज, बारिश से मौसम हुआ सुहाना

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है. गुरुवार को राजधानी रांची सहित कई जिलों में झमाझम बारिश हुई. बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया. राजधानी में कई इलाकों में ओलावृष्टि भी हुई है. मौसम विभाग के अनुसार 10 मई को भी बारिश होगी. 11 और 12 मई को कुछ स्थीनों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी. इसके साथ ही आंधी चलने के साथ वज्रपात होने की आशंका भी है. इसका प्रभाव राज्य के कई जिलों में देखने को मिलेगा. इसे लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया गया है. मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य में अगले तीन से चार दिनों तकअधिकतम तापमान में बदलाव की उम्मीद नहीं है.

आज-कल आंधी, वज्रपात व बारिश की आशंका : मौसम विभाग के अनुसार, 10 मई को राज्य के दक्षिण और मध्यम भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात की आशंका है. इस दौरान हवा की गति 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है. इसका असर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी व रामगढ़ जिले में देखने को मिलेगा. राज्य के शेष जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से हवा चलने की संभावना है. राज्य में 11 मई को कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ वज्रपात और आंधी चलने की आशंका है. इस दौरान हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है. वहीं, राज्य में कहीं-कहीं 12 मई को भी गर्जन और वज्रपात की संभावना है.

15 मई तक आंधी, वज्रपात और बारिश की संभावना
50 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी हवा

13 और 14 मई को भी हो सकती है बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, 13 व 14 मई को राज्य के दक्षिणी और मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की उम्मीद है. इसका असर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़ जिले में देखने को मिलेगा. वहीं, 15 मई को राज्य के दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है.

अब दवा दुकानदार भी कर सकेंगे उपचार

रवि भारती। रांची

▪ करना होगा फर्स्ट एड स्पेशलिस्ट और पब्लिक हेल्थ का कोर्स
▪ झारखंड स्टेट ओपेन यूनिवर्सिटी ने शुरू किया है ये पाठ्यक्रम

अब राज्यभर के दवा दुकानदार भी लोगों का प्राथमिक उपचार कर सकेंगे. लेकिन इसके लिए उन्हें फर्स्ट एड स्पेशलिस्ट और पब्लिक हेल्थ कोर्स करना होगा. इस कोर्स में नामांकन की प्रक्रिया 15 मई तक चलेगी. ये दोनों कोर्स मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संचालित हैं. फर्स्ट एड स्पेशलिस्ट और पब्लिक हेल्थ का कोर्स एक साल का है. कोर्स करने के बाद क्लीनिक खोलने के लिए भी अधिकृत हो सकते हैं या फार्मासिस्ट का भी एक विकल्प हो सकता है. यह जानकारी एलबीएसएम कॉलेज में स्थापित केंद्र की ओर से दी गई है.

बाजार की मांग के अनुरूप भी कोर्स : झारखंड स्टेट ओपेन यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आनेवाले एलबीएसएम कॉलेज में कई सर्टिफिकेट कोर्स बाजार की मांग के अनुरूप भी शुरू किये गये हैं. इन कोर्सों का डिजाइन भी बाजार की मांग के अनुरूप किया गया है. इसके पीछे तर्क दिया गया है कि कोर्स पूरा करने के बाद युवा इसके सहारे जीविकोपार्जन कर सकेंगे. सभी कोर्स नये सत्र से शुरू किये जायेंगे. इस सत्र में नामांकन की प्रक्रिया जारी है.

बिजनेस पाठ्यक्रम के तहत भी पांच कोर्स : बिजनेस पाठ्यक्रम के तहत पांच पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू की गयी है. इसमें मैनेजमेंट, एमबीए, पीजीडीएम, फाइनांशियल मैनेजमेंट शामिल है. इसके अलावा कंप्यूटर एप्लीकेशन, रिटेल मार्केटिंग प्रोजेक्ट, मैनेजमेंट मार्केटिंग, मैनेजमेंट नेचुरोपैथी, बैंकिंग एंड इंश्योरेंस के कोर्स भी संचालित हैं. वहीं फर्स्ट एड स्पेशलिस्ट और पब्लिक हेल्थ कोर्स में भी नामांकन प्रक्रिया जारी है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 10 मई 2024 बैशाख शुक्ल पक्ष 3 प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 31 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के तरीके पर पत्नी कल्पना सोरेन ने उठाए सवाल, कहा-

रात के अंधेरे में हेमंत को किया गिरफ्तार, राजभवन भी षड्यंत्र में शामिल

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर उनकी पत्नी कल्पना सोरेन मुर्मू ने सवाल खड़ा किया है. उन्होंने गिरफ्तारी के तरीके पर भी सवाल किया है. उन्होंने इसको लेकर ईडी और राजभवन को घेरा है. कहा कि 31 जनवरी 2024 का दिन लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज हुआ है. उन्होंने कहा कि षड्यंत्र के तहत किसी मुख्यमंत्री को राजभवन से रात के अंधेरे में गिरफ्तार किया गया और राजभवन के पीछे के दरवाजे से ले जाया गया.

उन्होंने राजभवन को इस साजिश में लपेटते हुए कहा कि कहीं न कहीं इस षड्यंत्र में राजभवन भी शामिल था. यह बातें उन्होंने इकोनॉमिक्स टाइम्स को दिए गए एक इंटरव्यू में कही. पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को तार-तार करने वाली तानाशाही ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा. उन्होंने कहा है कि यदि ईडी या फिर कोई भी जांच एजेंसी, हमारे घर में सामने से घुसती है, तो उसे सामने से ही निकलना भी चाहिए, न कि चोर दरवाजे से.

मयूरभंज में अंजनी सोरेन के नामांकन में शामिल हुईं कल्पना, चुनावी सभा में बोलीं

बीजेडी सरकार को सिर्फ खनिज संपदाओं से मतलब

रांची। शिबू सोरेन की बड़ी बेटी अंजनी सोरेन ने गुरुवार को ओडिशा के मयूरभंज लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया. इनके नामांकन में झारखंड के पूर्व सीएम की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और कांग्रेस के मंत्री बन्ना गुप्ता आदि शामिल हुए. नामांकन के बाद कल्पना ने एक चुनावी सभा को संबोधित किया. उन्होंने अपना भाषण हिंदी और उड़िया भाषा में दिया. उन्होंने कहा कि मयूरभंज वृहद झारखंड का हिस्सा रहा है. झारखंड के साथ-साथ ओडिशा भी खनिज संपदा से परिपूर्ण राज्य है. अब चाहे ओडिशा सरकार हो या केंद्र सरकार, इन्हें केवल खनिज संपदाओं से मतलब है.

आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों से इन्हें कोई मतलब नहीं है. यहां पर बहुत मेहनती लोग हैं, किसान हैं, मगर आपके यहां पीने के पानी और सिंचाई के पानी की घोर किल्लत है. सिंचाई की असुविधा होती है.

आदिवासियों को खैरात में कभी कुछ नहीं मिलता

कल्पना सोरेन ने कहा कि आदिवासियों को खैरात में कभी कुछ नहीं मिलता है. हमारे झारखंड में अंग्रेजों को भगाने के लिए जंगल में रहने वाले भगवान तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, फुलो-झानो ने क्रांति छेड़ा था. उनकी राह पर ही चलते हुए दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने महाजनी प्रथा के खिलाफ बिगूल फूंका.

सिंह मेंशन से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू के खिलाफ उठी आवाज

संवाददाता। धनबाद

सिद्धार्थ गौतम खुद को बता रहे भाजपा समर्थक, लेकिन ढुल्लू का खुल कर कर रहे विरोध

धनबाद के चर्चित घराने सिंह मेंशन से भी भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के विरोध का ऐलान हो चुका है. भाजपा से झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह के छोटे भाई सिद्धार्थ गौतम ढुल्लू महतो का पुरजोर विरोध कर रहे हैं. हालांकि, वह खुद को भाजपा का समर्थक कहते हैं. वहीं, संजीव सिंह की पत्नी और सिद्धार्थ की भाभी रागिनी सिंह भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में खड़ी हैं. ढुल्लू महतो के धनबाद व झरिया विधानसभा में होने वाले चुनावी कार्यक्रमों में वह साथ-साथ दिख रही है. वहीं सिद्धार्थ गौतम लगातार ढुल्लू के विरुद्ध कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के समर्थन में बैठकें कर रहे हैं. बुधवार को चासनाला साउथ कॉलोनी में आयोजित एक बैठक में सिद्धार्थ ने कहा कि वह आज भी भाजपा का समर्थन करते हैं, लेकिन धनबाद के भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो का विरोध करते हैं. ऐसे में सिंह मेंशन के भीतर ही भाजपा दो भागों में बंट गई है. एक तरफ जहां भाजपा कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के समर्थन में लोगों से वोट मांग रही है, वहीं उनके देवर सिद्धार्थ गौतम ने ढुल्लू महतो को हराने के लिए अपनी कमर कस ली है.

ब्रीफ खबरें

सामान्य प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

रांची। लोकसभा चुनाव को लेकर रांची ससंदीय क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक डीएस रमेश ने खिजरी विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. इस क्रम में उन्होंने ओरमांझी प्रखंड की चकला, बारीडीह व पांचा स्थित बूथों का जायजा लिया. मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार, अंचलाधिकारी नितिन शिवम गुप्ता एवं सभी बीएलओ उपस्थित थे. सामान्य प्रेक्षक ने मतदान कार्य में जुटे अधिकारियों व कर्मियों को निर्वाचन आयोग से जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

शूटर राहुल दुबे को एक माह में मिल गयी बेल

रांची। अमन साहू गैंग के कुख्यात अपराधी व शूटर राहुल दुबे को रांची सिविल कोर्ट ने जमानत दे दी है. राहुल दुबे को रांची से पिछले महीने गिरफ्तार किया था. उस पर रामगढ़, रांची और हजारीबाग में एक दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं. राहुल को ओरमांझी में भारत माला प्रोजेक्ट के साइट पर गोलीबारी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. उसकी जमानत याचिका पर रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायुक्त की कोर्ट में सुनवाई हुई. आरोपी की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने बहस की.

बाबूलाल के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

जमशेदपुर। मौसम खराब होने के कारण गुरुवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के हेलीकॉप्टर की सोनारी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई. मरांडी खरसावां में जनसभा कर दुमका जा रहे थे, तभी मौसम खराब होने की वजह से उनके हेलीकॉप्टर को सोनारी में उतरना पड़ा. हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना पाकर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल सिंह, धनबाद के प्रभारी अभय सिंह, हरेंद्र पांडे, बलवीर मंडल, अमर सिंह, अभय चौबे सहित अन्य नेता एयरपोर्ट पहुंचे.

झारखंड चैंबर की गोष्ठी में केंद्रीय वित्त मंत्री ने राज्य के विकास पर दिया जोर

झारखंड से पलायन को रोकना बड़ी चुनौती: निर्मला सीतारमण

विशेष संवाददाता। रांची

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि झारखंड से हो रहे पलायन को रोकना बड़ी चुनौती है. यह राज्य पलायन, अराजकता, भ्रष्टाचार का दंश झेल रहा है. वे गुरुवार को झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित 'बेहतर इस्टर्न इंडिया के लिए झारखंड का विकास' विषयक गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं. सीतारमण ने कहा कि कुछ लोग आरोप लगाते हैं कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करती है. लेकिन आंकड़े कुछ और ही हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड के लोग बेहद प्रतिभाशाली और साधारण हैं. उन्हें सिर्फ बेहतर नेतृत्वकर्ता के साथ एक मौका की जरूरत है. इसलिए इस बार देश की हित व भलाई को ध्यान में रखकर वोट करें. सीतारमण ने यह भी कहा कि बेहतर झारखंड के लिए बेहतर लोगों को चुनकर सदन में भेजें. कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और चैंबर के सदस्य भी मौजूद रहे.

केंद्रीय वित्त मंत्री की प्रमुख बातें

- बेहतर झारखंड के लिए बेहतर लोगों को चुनकर सदन में भेजें
- झारखंड के विकास के लिए एक बेहतर नेतृत्वकर्ता की जरूरत
- खनिजों पर निर्भर होना बंद करें, बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दें
- आंकड़ों के जरीए बताया कि कैसे केंद्र ने झारखंड की मदद की है

देश में अपराध के मामले में झारखंड नंबर वन पर

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि एनसीआरबी का आंकड़ा कहता है कि आज झारखंड क्राइम के मामले में पूरे देश में नंबर वन पर है. इसे हमें बदलने की जरूरत है. उन्होंने आगे कहा कि संताल परगना से हो रहा पलायन चिंता का विषय है. पहले झारखंड ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में था. लोग हैरान थे कि दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों के बीच झारखंड ने कैसे अपना स्थान बना लिया. लेकिन आज झारखंड कहां है, किसी को नहीं पता है. अगर कानून व्यवस्था में सुधार होता है, तो राज्य में निवेश बढ़ेगा. सीतारमण ने कहा कि उद्योग लगाये जाने से पूर्वी भारत देश के विकास का इंजन बन सकता है.

केंद्र से झारखंड को मिली मदद को भी गिनाया : सीतारमण ने विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राज्य के साथ सौतेला व्यवहार किये जाने के आरोप को निराधार बताया. केंद्र सरकार ने झारखंड के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में रिकॉर्ड 7,200 करोड़ से अधिक बजट का प्रावधान किया है. जबकि, यूपीए सरकार ने इसके लिए सिर्फ 495 करोड़ का प्रावधान रखा था. मोदी सरकार ने झारखंड के लिए तीन वंदे भारत ट्रेन चलायी है. राज्य के 57 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के तहत सूचीबद्ध किया गया है,

वित्त मंत्री सीतारमण से मिले विष्णु अग्रवाल, झामुमो हमलावर

रांची। झारखंड चैंबर की गोष्ठी में शामिल होने आईं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से व्यवसायी विष्णु अग्रवाल की मुलाकात की तस्वीर वायरल हो रही है. इस तस्वीर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी दिख रहे हैं. इसे लेकर झामुमो, भाजपा पर हमलावर रुख अपनाए हुए है. गौरतलब है कि व्यवसायी विष्णु अग्रवाल को ईडी ने जमीन घोटाला मामले गिरफ्तार किया था. जिस आरोप में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में है, उसी मामले में विष्णु अग्रवाल जमानत पर बाहर हैं. पूछा जा रहा है कि सेना की जमीन का सौदा करने के आरोपी विष्णु अग्रवाल से भाजपा नेताओं के साथ क्या संबंध है?

भ्रष्टाचार रोकने के लिए कानून व्यवस्था दुरुस्त हो : केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि पलायन, अराजकता और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कानून व्यवस्था का दुरुस्त होना जरूरी है. साथ ही यहां के लोगों को सिर्फ खनिज संसाधनों पर भी पूरी तरह निर्भर होना बंद करना पड़ेगा. इसकी जगह अन्य दूसरे संसाधनों को भी विकसित करना होगा. उन्होंने कहा कि झारखंड में बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी ध्यान देने की जरूरत है. बिजली पानी तो हमारी जरूरत है ही, लेकिन बेहतर अस्पताल पर भी ध्यान देने की जरूरत है.

जून से राज्य में मुफ्त बिजली की योजना होगी लागू: चंपाई

संवाददाता। आदित्यपुर

चुनावी सभा

- राजनगर में झामुमो प्रत्याशी के पक्ष में सीएम ने की जनसभा
- जोबा मांझी के लिए मांगे वोट, कहा- भाजपा बहरूपिया पार्टी

जिले के राजनगर में झामुमो के चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन जमकर गरजे. उन्होंने कहा कि जून से राज्य में मुफ्त बिजली की योजना लागू हो रही है. केंद्र की भाजपा सरकार ने 10 सालों के शासन काल में लोगों को ठगने का काम किया है. 15 लाख खाते में भेजने की जुमलेबाजी, दो करोड़ नौकरियां समेत कई झूठे वादे कर राज्य के लोगों को छला गया है. सीएम ने कहा कि भाजपा बहरूपिया पार्टी है.

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन गुरुवार को सरायकेला जिले के राजनगर में इंडिया गठबंधन के झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी जोबा मांझी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे. मुख्यमंत्री के साथ मंच पर प्रत्याशी जोबा मांझी, मंत्री बन्ना गुप्ता, दीपक बिरुवा, विधायक सुखराम उरांव, जिप अध्यक्ष सोनाराम बोदरा मुख्य रूप से मौजूद थे. कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे मुख्यमंत्री का पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया. वोट अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा.

सारंडा जंगल पूंजीपतियों को बेच देगी मोदी सरकार : चंपाई सोरेन ने कहा कि बहुरूपिया पार्टी अच्छे दिन जैसे लुभावने वादे कर आदिवासियों को ठगते आई है. अब आरक्षण कानून को खत्म कर पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा देने की योजना है. मोदी सरकार आने वाले दिनों में सारंडा जंगल को पूंजीपतियों के हाथों बेच डालेगी. आदिवासी-मूलवासियों की परंपराओं को तहस-नहस कर कोल्हान के गौरवशाली इतिहास को मिटा देगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने 100 यूनिट मुफ्त बिजली योजना को बढ़ा कर 125 यूनिट तक किया है, जिसका लाभ वर्तमान में झारखंड के 30 लाख से भी अधिक उपभोक्ताओं को मिल रहा है. मंच से चंपई सोरेन ने घोषणा की की जून महीने से राज्य में मुफ्त बिजली देने के योजना की शुरुआत की जाएगी.

सड़क हादसे में दो की मौत पांच लोगों की हालत गंभीर

चतरा। बिहार के औरंगाबाद जिले में बुधवार की देर रात भीषण सड़क दुर्घटना में चतरा जिले के दो लोगों की मौत हो गयी. जानकारी के मुताबिक, बारुण थाना क्षेत्र के सिंदुरिया मोड़ के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये. मृतकों की पहचान चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र स्थित भागेवार जेजोलो गांव सुभाष मंडल (38) व बबलू मंडल (45) के रूप में हुई है. वहीं घायलों में बौला भुइयां के बेटे संदीप (16), पत्नी रेखा देवी (38), फकर भुइयां के बेटे टुनटुन मंडल (35) व सुरेंद्र मंडल की पत्नी फूलवंती देवी शामिल हैं. वहीं, घायल बृजमोहन सिंह गया जिले के अतरी थाना क्षेत्र के सरोतर गांव का निवासी हैं. बताया जा रहा है कि सभी लोग स्कॉर्पियो में सवार होकर एक मरीज को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे. इस बीच स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गयी और दस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी.

नक्सलियों ने किया चुनाव बहिष्कार का आह्वान

मनोहरपुर व छोटानागरा थाना क्षेत्र के कई जगहों पर नक्सलियों ने चिपकाया पोस्टर

संवाददाता। किरीबुरु/चक्रधरपुर

भाकपा माओवादी नक्सली संगठन ने कई जगहों पर पोस्टरबाजी की है. इसमें मनोहरपुर थाना क्षेत्र के बरंगा, उरकिया, मणिपुर, कमारबेड़ा, मेदासाईं आदि गांवों में पोस्टर व बैनर लगा कर चुनाव का बहिष्कार किया गया है. नक्सलियों ने बरंगा उच्च विद्यालय की चहारदीवारी पर पोस्टर लगाए हैं. मालूम हो कि स्कूल में 54 एसटी के 11, 12, 13 बूथ हैं. इसके अलावा मणिपुर ग्रिड व कमारबेड़ा गांव में सड़क किनारे कई जगह पोस्टर लगाए गए हैं.

वहीं सारंडा के दिकूपोंगा स्थित यूपीएस दिकूपोंगा के स्कूल की दीवार पर पेंट से लिख

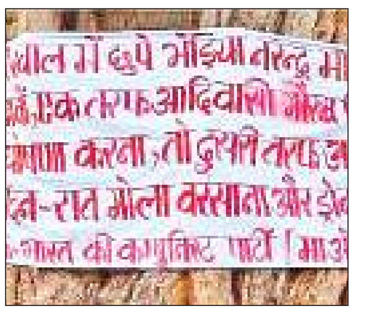

कर चुनाव बहिष्कार किया गया है. दूसरी ओर नक्सलियों ने छोटानागरा थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांव में चुनाव बहिष्कार से संबंधित

पोस्टर लगाये हैं. पोस्टर में लोकसभा चुनाव के बहिष्कार के साथ ही लिखा है कि वैकल्पिक जनता की नव जनवादी सत्ता निर्माण करने के पद पर आगे बढ़ें. इसके अलावा नक्सलियों ने पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी कई बातें लिखी है. गुरुवार की सुबह-सुबह जब लोग अपने घरों से निकले, तो देखा कि इलाके में जगह-जगह नक्सलियों के पोस्टर और बैनर लगे हैं. इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टर-बैनर को जब्त कर लिया.

भाजपा उम्मीदवारों की हत्या की दी है धमकी : नक्सलियों ने मनोहरपुर में पोस्टर लगाकर भाजपा के खिलाफ प्रचार किया है और किसान-मजदूर विरोधी कानूनों पर नाराजगी जतायी है. पोस्टर में भाजपा उम्मीदवारों की हत्या करने की भी बात लिखी है.

ग्राउंड रिपोर्ट 35 साल में आठ बार भाजपा के सांसद रहे, पर सुविधाओं से महरूम रहा गांव

खूंटी के नवीडीह गांव की नहीं बदली सूरत व सीरत

प्रवीण कुमार। रांची

खूंटी के एक गांव की सूरत और सीरत आज तक नहीं बदल पाई है. पिछले 35 साल से आठ बार यहां से भाजपा के सांसद चुने गए, मगर खूंटी के नवाडीह गांव के लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं से महरूम हैं. चार बार चुने गये भाजपा विधायक और भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री के पद पर रहे जनप्रतिनिधि भी मुंडा दिशुम के गांव के विकास का शिल्पकार सबित नही हुए. मुंडा दिशुम में आज भी जल, जंगल, जमीन का मुद्दा अहम है. इसे लेकर ग्रामीण कहते हैं कि जो चुनाव लड़ रहे हैं, वह कभी भी ग्रामीणों के साथ इन मुद्दे पर खड़ा नहीं हुए हैं.

तिलमा पंचायत में आज तक नहीं बनी पक्की सड़क

नावाडीह गांव की दूरी खूंटी जिला मुख्यालय से करीब 22 किलोमीटर है. तिलम पंचायत में नवाडीह खूंटकट्टी गांव पड़ता है, जहां करीब 75 खूंटकटीदार मुंडा परिवार रहते हैं. एक दो घरों को छोड़ बाकी सभी कच्चे मकान हैं. प्रधानमंत्री आवास योजना, इंदिरा आवास और अबुआ आवास की झलक गांव में नहीं दिखती. ग्रामीण कहते हैं हमलोग भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा का आंख बंद कर के सपोर्ट करते थे. लेकिन 20 साल से विधायक रहने के बाद भी गांव का विकास नहीं किया गया. अर्जुन मुंडा को भी वोट देकर 2019 में जिताया, लेकिन उन्होंने भी गांव के विकास का ख्याल नहीं रखा.

क्या कहते हैं ग्रामीण

- **जल-नल योजना में की खानपूर्तिः हातु मुंडा :** समुयेल मुंडा (हातु मुंडा) कहते हैं कि गांव में पीने की पानी की समस्या है. नल-जल योजना से गांव में बनी जल मीनार बनी है, लेकिन ठेकेदार नें मानमाने तरीके से काम किया है. घरों तक पाइप तो बिछा दिया, लेकिन नल नहीं लगाया. दिन में एक बार पानी चलता जाता है, लेकिन नल नहीं होने के कारण सब बेकार हो जाता है.
- **आधी से अधिक जमीन गायब हो गयीः परता :** परता मुंडा कहते हैं कि हमारी खुदकटी जमीन ऑनलाइन में देखने पर आधी ही दिखती है. सरकार ने जमीन के दस्तावेज को ऑनलाइन कर रखा है, जिसमें हमारी आधी से अधिक जमीन गायब है. गांव में जमीन की को लेकर कई समस्याएं है. हमारी रसीद नहीं कट रही है. हमारी जमीन कहां गई, इसकी चिंता किसी जनप्रतिनिधि को नहीं है.
- **गर्भवती महिलाओं को अस्पताल जाने में होती है परेशानी :** ग्रामीण कहते हैं कि गांव को पक्की सड़क से नहीं जोड़ा गाया है. आजादी के 76 साल बाद करीब दो किलोमीटर तक सड़क कभी बना ही नहीं. गर्भवती महिलाओं और रोगियों को अस्पताल ले जाने में परेशानी होती है.

अक्षय तृतीया आज, सोना खरीदना शुभ

संवाददता। आदित्यपुर

अक्षय तृतीया को अक्ती या आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है. इस साल यह 10 मई को मनाई जाएगी. यह हिंदू वसंत का वार्षिक त्योहार है, जो हिंदू धर्म में सबसे शुभ दिनों में से एक है. अक्षय तृतीया का हिंदू धर्म में इसका बहुत अधिक धार्मिक महत्व है. 'अक्षय' शब्द का अर्थ शाश्वत यानी हमेशा रहनेवाला होता है. प्रचलित मान्यताओं के अनुसार. इस दिन शुभ कार्य करने से जीवन भर समृद्धि मिलती है.

अक्षय तृतीया पर सोना, चांदी और आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि इन कीमती धातुओं की खरीदारी जीवन में सफलता, सौभाग्य और समृद्धि लाती है. अक्षय तृतीया को देखते हुए आदित्यपुर शेरे पंजाब चौक दिन्दली रोड स्थित मुकेश ज्वेलर्स एंड संस में

आदित्यपुर में एक करोड़ के ज्वेलरी कारोबार का अनुमान

अक्षय तृतीया के मौके पर ग्राहकों के खरीदारी को लेकर तैयारी की गई है. दुकान के प्रोपराइटर मुकेश कुमार ने बताया कि सोने व चांदी के आभूषण में मेकिंग चार्ज में भारी छूट ग्राहकों को दी जा रही है. उन्हें आज से ही एडवांस बुकिंग भी मिल रही है. उन्होंने बताया कि सोने व चांदी के आभूषण में शुद्धता की पूरी गारंटी है. उन्होंने बताया कि इस अक्षय तृतीया पर तकरीबन 25 से 30 लाख के गहने जेवर बिकने का अनुमान है. वहीं आदित्यपुर के अन्य ज्वेलरी दुकानों ने भी अक्षय तृतीया पर विशेष छूट देकर ग्राहकों को लुभाने की कोशिश की जा रही है. इस दिन आदित्यपुर में एक करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है.

ब्रीफ खबरें

उर्मी में कमरे में मिला लापता युवक का शव

गुमला । गुमला थाना क्षेत्र के उर्मी गांव निवासी लापता सुनीत गुप्ता 43 वर्ष, का शव बुधवार की देर रात गांव के ही समीप एक अधूरे बाउंड्री के अंदर बने कमरे से बरामद किया गया. घटना की सूचना पुलिस को दी गई. पुलिस रात में ही शव को देखा लेकिन अपने कब्जे में नहीं लिया. शव को सुबह सदर अस्पताल लेकर आने के लिए परिजनों को निर्देश दिया. सुबह में परिजन शव को लेकर गुमला सदर अस्पताल पहुंचे. जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. मृतक का शव चित लिटा था. मुंह से झाग निकला था. शव को देख प्रत्यक्षदर्शी कई तरह की बातें बोल रहे थे.

नक्सलियों के लिए पोस्टर चिपकाने वाला गिरफ्तार

मेदिनीनगर । पलामू पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों के लिए पोस्टर लगानेवाले अभिषेक नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि माओवादियों के लिए पोस्टर लगाने वाला गुआसराय गांव निवासी अभिषेक पांडू थाना क्षेत्र में आया हुआ है. सूचना के बाद छापेमारी में उसे गिरफ्तार किया गया. पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने अभिषेक के गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार युवक ने पैसों के लालच में माओवादियों के पोस्टर लगाए थे.

भौराहा पहाड़ से लड़की का कंकाल बरामद

छतरपुर/पलामू। छतरपुर थाना क्षेत्र के पिडराही पंचायत के टुई सूर्य मंदिर के समीप भौराहा पहाड़ पर से छतरपुर पुलिस ने एक लड़की का कंकाल बरामद किया है. इस संबंध में छतरपुर थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि ग्रामीणों ने सुबह में सूचना दी कि भौराहा पहाड़ पर चिलबिल के पेड़ से एक नरकंकाल लटका हुआ है. सूचना के बाद थाना प्रभारी एसआई इंद्रजीत राणा व एसआई रेवा शंकर राणा घटनास्थल पर पहुचे तो देखा कि गर्दन में दुपट्टा लगा है. मृतक के सिर पर लंबा बाल, गला में ताबीज है.

जंगल से दिव्यांग युवक का शव बरामद

गुमला । बिशुनपुर थाना की पुलिस ने बेंदी तेतरटोली जंगल से दिव्यांग सिकंदर लोहरा 35 वर्ष का शव बरामद किया है. प्रथम दृष्टया में सिकंदर को लाठी डंडे से वार किया गया प्रतीत होता है. हत्या के साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को जंगल में फेंकने की संभावना व्यक्त की जा रही है. जानकारी के अनुसार दिव्यांग सिकंदर बानारी स्थित एक होटल में काम कर रहा था. जहां से वह बुधवार को सरहुल मनाने के लिए अपने रिश्तेदार के घर जाने के नाम से निकाला था. गुरुवार की सुबह सातो नवाटोली के ग्रामीणों ने जंगल में शव होने की सूचना बिशुनपुर पुलिस को दी.

डॉ. मेहता ने किया भाजपा कार्यालय का उद्घाटन

मेदिनीनगर । लोकसभा चुनाव को लेकर पांकी प्रखंड के लोहरसी मंडल में गुरुवार की दोपहर पांकी विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशिभूषण मेहता ने भाजपा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया. विधायक डॉ. मेहता ने पूजा अर्चना के बाद फीता काटा. कार्यालय उद्घाटन के बाद विधायक ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर विशेष बैठक की. बैठक में पार्टी प्रत्याशी की जीत के लिए रणनीति पर चर्चा की गई. बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष अरूण सिंह, सतिश कुमार, विनोद कमेश यादव, विजय ठाकुर आदि मौजूद थे.

किस्को प्रखंड के ग्राम कोचाबरनाग निवासी आईआरबी के जवान विकास भगत शहीद

विकास एक कर्तव्यनिष्ठ जवान थे: डॉ रामेश्वर उरांव

संवाददाता। लोहरदगा

गिरिडीह जिले में आईआरबी जवानों से भरी बस पलट कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी. जिसमें लोहरदगा जिले के किस्को प्रखंड के ग्राम कोचाबरनाग निवासी आईआरबी जवान विकास भगत शहीद हो गए थे. जिसकी सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव उनके पैतृक आवास कोचाबरनाग गांव पहुंचकर परिजनों से मिले. मंत्री ने शोक संवेदना व्यक्त कर परिवारजनों को ढांढस बंधाया. मौके पर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि जवान देश की लड़ाई में अगुआ होते हैं. विकास जैसे वीर योद्धा के बलिदान का पूरा देश सलाम करता है. उन्होंने कहा कि यह घटना काफी दुर्भाग्यपूर्ण एवं दुःखद है. मंत्री ने कहा कि विकास एक कर्तव्यनिष्ठ जवान थे. अपने दायित्व निर्वहन के लिए व चुनाव ड्यूटी के लिए गढ़वा जा रहे थे. इस क्रम में ऐसी दुःखद घटना हो गई. इस दुःख की घड़ी में हम सब शोकाकुल परिवार के साथ हैं. मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने इस शोकाकुल परिवार वालों को हर संभव सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाए जाने का भरोसा दिया. इस दौरान विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, बीस सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी, विशाल डुंगडुंग, रौनक इकबाल, असलम अंसारी, तबरेज आलम, प्रेमचंद भगत,फुलमनी भगत, सुषाष उरांव, प्रकाश भग, मनीष भगत, ऊषा देवी, रेखा कुमारी, प्रकाश तुरी समेत अन्य लोग मौजूद थे.

लुदगो में सीआईएसएफ जवान का अंतिम संस्कार

गुमला । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में चुनाव ड्यूटी में तैनात सीआईएसएफ जवान रमेश उरांव का शव गुरुवार को पैतृक गांव घाघरा प्रखंड का लुदगो पहुंचा. जानकारी के अनुसार बीमार पड़ने के कारण उसकी मौत हो गई थी. जवान के मौत की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसर गया. शव पहुंचते ही गांव गमगीन हो गया. गांव के कोयल नदी तट पर मृत रमेश उरांव के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया. सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि विगत पांच मई को यूपी के फिरोजाबाद में जवान रमेश उरांव का चुनाव ड्यूटी में लगे थे. इस क्रम में उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गयी. इसके बाद उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी स्थिति ठीक हो गई. सात मई को फिर से आगरा अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद दिल्ली रेफर किया गया. दिल्ली के अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इधर शव के गांव पहुंचने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था.

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी गरिमा सिंह ने कहा

चुनाव की सारी तैयारियां पूरी

संवाददाता। लातेहार

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी गरिमा सिंह ने कहा कि आगामी 20 मई को होने वाले लोकसभा के चुनावों की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. जो कुछ शेष है वह चुनाव से पहले पूरा कर लिया जायेगा. उपायुक्त गुरुवार को समाहरणालय के सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रही थीं. उपायुक्त ने बताया कि जिले के दस मतदान केंद्रों में सिर्फ महिला मतदान कर्मी होंगे. मतदान को लेकर प्रशिक्षण का कार्य पूरा कर लिया है. हालांकि उन्होंने कहा कि प्रत्याशी अधिक होने के कारण इस बार दो इवीएम लगाये जायेंगे. इसके लिए कर्मियों को अतिरिक्त प्रशिक्षण दिया जायेगा. उन्होंने बताया कि जिले में ऐसे 28 मतदाता हैं जो होम वोटिंग करेंगे. अगले दो दिन में इसे शुरू कर दिया जायेगा. उपायुक्त ने बताया कि सुरक्षा कारणों से 22 मतदान केंद्रों को रिलोकेट किया गया है. जबकि 65 मतदान केंद्रों में मतदान कर्मियों को एयर लिफ्ट कराया जायेगा. प्रेस वार्ता में उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह, आईटीडीए निदेशक ए गंगराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास, डीएलओ राजेश कुमार, उप निवार्चन पदाधिकारी मेरी मड़की व डीपीआरओ डा चंदन आदि मौजूद थे. मतदान केंद्रों को व्यविस्थत कर लिया गया है. उपायुक्त ने आगे कहा कि मतदान केंद्रों में पानी व ओआरएस की व्यवस्था रहेगी. दिव्यांग व सीनियर सीटिजन मतदाताओं को केंद्र तक लाने के लिए जिले में 450 वाहनों की व्यवस्था की गयी है. इसके अलावा मतदान केंद्रों में व्हील चेयर भी रहेंगी. जिला प्रशासन इस बार पोस्टल बैलेट पूरा फोकस कर रहा है. पिछले चुनाव में जिले में तकरीबन 65 प्रतिशत मतदान हुआ था. इसे इस चुनाव में 80 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है. मतदान को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गयी है. अगले सप्ताह से सुरक्षा जवानों का आना प्रारंभ हो जायेगा. दस मतदान केंद्रों में सिर्फ महिलायें होंगी.

उपायुक्त ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

लातेहार । आसन्न लोकसभा चुनाव को ले कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह ने गुरुवार को बालूमाथ, बरियातू व हेरहंज प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. उन्होने पोलिंग पार्टी तथा सीआरपीएफ के जवानों के रुकने के लिए कलस्टरों एवं मतदान केंद्रों पर न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जानकारी ली. कलस्टरों पर आवश्यकता के अनुरुप मूलभूत व्यवस्थाएं बहाल करने का निर्देश दिया. दिव्यांग मतदाताओं की निर्वाचन प्रक्रिया में शत प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्रों पर दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैंप, व्हील चेयर व परिवहन सुविधा समेत कई व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया.

डीसी ने किया सामग्री कोषांग का निरीक्षण

मेदिनीनगर । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने पुराने समाहरणालय परिसर स्थित जिला भू-अर्जन कार्यालय में संचालित सामग्री कोषांग का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने मतदानकर्मियों के लिये तैयार पैकेटों की जानकारी ली. इसके अलावे चुनाव कार्य में प्रयोग होनेवाली सामग्री की जानकारी लेते हुए सामग्री सूची लेकर एक-एक सामग्रियों का मिलान किया. उन्होंने चुनाव में पीठासीन पदाधिकारी की अनुदेश पुस्तिका, ईवीएम की अनुदेश पुस्तिका, विभिन्न प्रकार के प्रपत्र, स्टेच्यूररी एवं नन स्टेच्यूररी पैकेट के लिफाफे, पेन, पिन, अमिट स्याही, मेटल सील, विभिन्न प्रकार के पोस्टर समेत अन्य महत्वपूर्ण सामग्रियों का मिलान किया. उन्होंने विधान सभावार निर्मित पैकेट व प्रभेदक चिन्ह की भी जांच की. मतदान सामग्री कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन को सामग्री की पैकेटिंग करते समय चुनाव के आयोग के मापदंड के अनुसार निर्धारित सामग्री की जांच करने एवं उपलब्ध कराने के प्रति चौकस रहने का निर्देश दिया.

चतरा से चुनाव में 22 प्रत्याशी हैं मैदान में

लातेहार। चतरा संसदीय क्षेत्र से अब 22 प्रत्याशी मैदान में हैं. बता दें कि कुल 31 उम्मीदवारों ने अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया था. स्क्रूटनी के बाद आठ प्रत्याशियों का नामांकन रद्द हो गया था. जबकि एक ने नाम वापस ले लिया. इस प्रकार अब 22 उम्मीदवार लोकसभा चुनाव लड़ेंगे. इनमें काली चरण सिंह (भाजपा), कृष्णानन्द त्रिपाठी (कांग्रेस), नागमणि (बसपा) अर्जुन कुमार (सीपीआई) कर्मलाल उरांव पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक), कामदेव डिहो राण (राष्ट्रीय जन उत्कर्ष पार्टी), दर्शन गंझु (झारखंड पार्टी), दुलेश्वर साव (भारतीय जवान किसान पार्टी), विमल लकड़ा (आंबेडरकराईट पार्टी ऑफ इंडिया), महेश बांडो (बहुजन मुक्ति पार्टी), लव कुमार पंडित (भागीदारी पार्टी), संजय कुमार स्नेही (लोकहित अधिकार पार्टी) व सुमित कुमार यादव (समता पार्टी) के अलावा निर्दलीय प्रत्याशियों में अर्जुन प्रजापति, मो0 अबुजर खां, डॉ अभिषेक कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह के नाम शामिल हैं.

आपका प्रत्याशी आपके द्वारा कार्यक्रम आज

मेदिनीनगर । 10 मई को संध्या 6 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक पलामू चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित आपका प्रत्याशी आपके द्वारा कार्यक्रम हर चुनाव की भांति इस चुनाव में भी जय भवानी संघ चौक के समीप किया जा रहा है. जिसमें भाजपा प्रत्याशी वीडी राम अपनी बातों को रखेंगे.

न्यूज अपडेट

श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति की हुई बैठक

लातेहार। श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति, लातेहार की एक बैठक संरक्षक अभिनंदन प्रसाद की अध्यक्षता में मंदिर परिसर में आयोजित की गयी. बैठक में कई निर्णय लिये गये. समिति ने सर्वसम्मति से मंदिर के पुजारी राजेश्वर पाठक उर्फ राजेश पाठक को सेवामुक्त करते हुए रामेश्वर पांडेय (करवनडीहा, रोहतास) को नये वैतनिक पुजारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया. इसके अलावा बैठक में मंदिर के उपरी तल्ले में स्थित कमरों का सुदृढ़ीकरण एवं सुंदरीकरण करने का निर्णय लिया गया. इसके तहत कमरों का फिर से रंगरोगन, पलंग व अन्य फर्नीचर का क्रय एवं हॉल में बिजली वायरिंग करने का निर्णय लिया गया.

गारू में वज्रपात से आठ मवेशियों की हुई मौत

गारू(लातेहार)। प्रखंड के करवाई पंचायत के दलदलिया गांव में गुरुवार को हुई तेज बारिश व वज्रपात में आठ मवेशियों की मौत हो गई. वज्रपात में दलदलिया ग्राम के अर्जुन सिंह का दो बैल, एक गाय व एक बछड़ा, रामेश्वर सिंह की एक गाय, सोहराई राम का एक बैल, अनुप नायक की एक बछिया और फूलदेव राम का एक बैल मारे गये. जानकारी के अनुसार सभी पशु बरसात से बचने के लिए एक बांस के बखार के पास खड़े थे. इसी दौरान अचानक हुई वज्रपात में सभी पशुओं की मौके पर ही जान चली गई. अर्जुन सिंह ने बताया की वह अत्यंत गरीब है. मवेशियों के सहारे खेती बारी कर परिवार का भरण पोषण करता था.

एक बार फिर मोदी सरकार को लाना है: संजय

महुआडांड़ (लातेहार) । प्रखंड के गडबुढनी पंचायत के ग्राम चुटिया में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पथसभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. बतौर मुख्य अतिथि मनिका विधान सभा के कोर कमेटी सदस्य संजय जयसवाल और बतौर मुख्य वक्ता मंडल उपाध्यक्ष मोहन यादव और संतोष यादव ने शिरकत किया. संजय जयसवाल ने कहा कि देश के सभी वर्ग और समाज के अंतिम व्यक्ति तक के लिए मोदी सरकार ने अपने दस साल कार्यकाल में काम किया है.

महागठबंधन के नेताओं का जनसंपर्क अभियान

चंदवा (लातेहार)। महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी को विजयी बनाने को लेकर झामुमो के केंद्रीय सदस्य दीपू कुमार सिन्हा, शीतमोहन मुंडा, मनोज चौधरी और कांग्रेस नेता संजय दुबे ने जनससंपर्क अभियान चलाया. सभी ने प्रखंड के बनहरदी पंचायत के दर्जनों गांवों में जनसंपर्क कर त्रिपाठी को हाथ छाप पर वोट कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की. दीपू सिन्हा ने भाजपा सरकार की नाकामियों को गिनाया. कहा कि इस सरकार के आने से देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है.

पीएम ने देश को बुलंदियों तक पहुंचाया : राजधनी

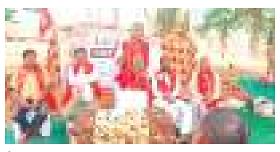

मनिका (लातेहार)। भारतीय जनता पार्टी, मनिका मंडल के तत्वावधान में पंचायत स्तर पर पथसभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. भाजपाइयों ने प्रखंड के सिंजो, डोंकी, पल्हैया, रांकी कला, कोपे, दुंदु, नामुदाग, विशुनबांध व जुंगूर मे कार्यक्रम का आयोजन किया. मौके पर बतौर वक्ता वरीय भाजपाई राजधनी प्रसाद यादव, बबन पासवान, विश्वनाथ राय, कौशल किशोर प्रसाद व लव कुमार दुबे मौजूद थे. राजधनी प्रसाद यादव ने विशुनबांध में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इन दस सालों में देश को बुलंदियों तक पहुंचाया है. आज पूरा देश चहुमुंखी विकास कर रहा है. पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है.

पूरी राशि खर्च करने वाले सांसद हैं अर्जुन मुंडा

पालकोट । लोक सभा चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को भाजपा ने पालकोट मंडल के सभी शक्ति केंद्रों में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक की गई. इसमें अपना बूथ सबसे मजबूत का संकल्प के साथ 13 मई को अपने मतदान केंद्रों में सबसे पहले मतदान करने की. साथ ही प्रत्याशी अर्जुन मुंडा को जीत दिलाकर नरेंद्र मोदी को एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनाने की अपील की. मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के विधान सभा प्रभारी मंगल सिंह भोगता ने कहा कि पूरे देश में अकेला सांसद अर्जुन मुंडा हैं, जो अपने पूरे सांसद मद को क्षेत्र में खर्च किये हैं. मंत्री होने के कारण उनकी व्यस्तता अधिक थी.

मनिका में सड़क दुर्घटना में कार क्षतिग्रस्त

लातेहार । रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च पथ-75 पर मनिका थाना क्षेत्र के नामुदाग के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. हालांकि इस दुर्घटना में कार में सवार परिवार बाल-बाल बच गया. जानकारी के अनुसार, बैंक कर्मी विनित कुमार अपने स्थानांतरण के बाद सपरिवार गढ़वा से रांची योगदान देने जा रहे थे. इसी क्रम में नामुदाग के पास उनकी आंख झपक गयी और कार सड़क के किनारे एक पेड़ से टकरा गयी. दुर्घटना में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षति हो गया. कार में उनकी पत्नी और तीन बच्चे भी सवार थे. जल्द ही विनीत ने लातेहार में अपने मित्र रूद्र प्रताप सिंह (बानपुर) व अनंजय कुमार को दुर्घटना की जानकारी दी. सूचना मिलने पर दोनों घटना स्थल पहुंचे और स्थानीय अस्पताल में उनका इलाज कराया. हालांकि सबों को हल्की चोंटे आयी हैं.

मतदानकर्मियों को नहीं हो असुविधा: उपायुक्त

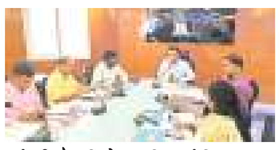

मेदिनीनगर । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने गुरुवार को समाहरणालय सभागार में विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक की. उन्होंने 13 मई को मतदान के दिन की पूर्व की तैयारियों पर विमर्श किया. इस दौरान उन्होंने पी-1,पी-2 के डिस्पैच संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकरी दी. उन्होंने विधानसभा वार डिस्पैच सेंटर पर अलग-अलग टेबल लगाने के साथ ही ऐसी व्यवस्था करने को कहा.

कुछ देर की बारिश ने खोली सिस्टम की पोल

शकील अहमद । भंडरा/लोहरदगा

हुई बारिश

- बारिश के कारण नालों का पानी सड़क पर बहने लगा
- दो से तीन दिन हल्की से लेकर तेज बारिश होती रहेगी

जिले के भंडरा क्षेत्र में बारिश के लिए पूरी तैयारी का दवा किया था. निगम प्रबंधन का कहना था कि बारिश पूर्व नाली-नालों की सफाई की गई है. बरसात के पानी की निकासी की व्यवस्था कर ली गई है. लोगों को समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा. लेकिन गुरुवार को आंधी, तूफान, बारिश ने निगम के दावे को गलत साबित कर दिया. कुछ देर की बारिश ने ही निगम की पोल खोल कर रख दी. नालों का पानी सड़क पर आ गया. इसकी वजह से भंडरा मेन रोड की सड़कों और गलियों में एक-एक फीट का पानी भर आया.

पुराना टेंपू स्टैंड, लोहरदगा बेड़ो, मार्ग रोड, बाजार टांड, प्रेम गली, पूरी तरह जलमग्न हो गए. यह स्थिति पानी गिरने के तीन से चार घंटे बाद तक बनी रही. कई जगहों पर देर रात तक पानी भरा रहा. इधर मौसम विभाग ने भी साफ किया है कि दो से तीन दिनों का रह रहकर हल्की से लेकर तेज बारिश होती रहेगी. यदि लगातार पानी गिरा तो भंडरा की हालत और भी दयनीय हो जाएगी. विभाग व जिला प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा भंडरावासियों का उठाना पड़ रहा है. बारिश से भंडरा के मेन रोड में दर्जनों घरों में पानी घुस आया. बताया जा रहा है कि पहले यहां ऐसा नहीं होता था. विभाग ने जब से नाली के ऊपर कांक्रीटीकरण किया है, स्थिति बदल गई है. ड्रेनेज सिस्टम खराब होने और नाला पैक कर देने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है. शिकायत के बाद भी निगम की टीम नहीं पहुंचने पर मोहल्ले वासियों ने नाली में बने स्लैब को तोड़ते हुए पानी निकासी की जगह बनाई. इसके बाद ही स्थिति सामान्य हुई.बाजार टांड के पूरे इलाके में पानी भर गए. चौक के चारों ओर 100 मीटर तक पानी घुटने तक आ गया. इसके चलते दो पहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई. गिर कर कई बार लोग घायल भी हुए. क्षेत्र की पानी निकासी के लिए सड़क की दोनों ओर बड़ा नाला बनाया गया है. लेकिन निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण नाले का पानी सीधे सड़क में बहने लगता है. इससे पूरे क्षेत्र में पानी भर आता है. बताया जाता है कि मेन रोड से बाजार टांड़ मार्ग से लिंक रोड मिलने वाले तिहारे के पास ड्रेनेज सिस्टम सही नहीं है. इसके कारण पांच साल से पानी निकासी की समस्या बनी हुई है.

पांकी में 55 पशुओं के साथ छह पशु तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता । मेदिनीनगर

पांकी थाना क्षेत्र के आसेहार पंचायत व हुरलौंग पंचायत के ग्रामीणों ने छह पशु तस्कर के साथ 55 मवेशियों को मुक्त कराया. जिसके बाद ग्रामीणों द्वारा पांकी थाना को सूचना दिया गया. मौके पर पांकी पुलिस पहुंचकर सभी मवेशी को इच्छुक किसानों के बीच आधार कार्ड लेकर देखरेख के लिए सौंप दिया. जरूरत पड़ने पर किसानों से उक्त पशु वापस करा लिया जाएगा. बता दें कि पांकी थाना पुलिस के हत्थे कई बार पशु तस्कर चढ़ चुके हैं, लेकिन पशु तस्कर पशुओं को तस्करी करने से बाज नहीं आ रहे है. पशुओं को खदेड़ कर ले जा रहे रमुज मियां, इदरीस मियां के साथ चार अन्य तस्कर को ग्रामीणों ने पांकी पुलिस के हवाले कर दिया है. वहीं पांकी पुलिस ने सभी तस्करों को अपने साथ पांकी थाना ले गई है. रमुज और इदरीस से पूछे जाने पर उनलोगों ने बताया कि कुल 55 मवेशी हैं. जिसमें 36 बैल और 19 भैंस है. तस्करों ने बताया कि दो हफ्ते से बिना कागज के मवेशी ले जा रहे हैं. बताया कि हम सभी आरिफ और महमुज के लिए काम करते हैं. इनलोग बिहार के रहने वाले हैं. हम सभी को एक मवेशी पर दो सौ रुपया मिलता है. वहीं पांकी थाना पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा सूचना मिला था, जिसके आधार पर स्थल पर पहुंच कर मवेशियों तस्करों को पकड़ा.

पुलिस ने जुआ खेलते चार को किया गिरफ्तार

भंडरा/लोहरदगा । पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां के निर्देशानुसार भंडरा थाना पुलिस ने क्षेत्र में जुआ खेलने वाले लोगों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया. एसपी हारिस के निर्देशानुसार यहां पर भंडरा पुलिस द्वारा अपराधियों की धर पकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को जुआ खेलते चार लोगों को रंगे हाथ दबोच लिया. पुलिस ने जुआ अड्डा से नकद 3 हजार 560 रुपये तथा पत्ता एवं चार मोबाइल बरामद करते हुए केस दर्ज किया है.

पीटीआर | बाघ की तस्वीरों को वन्यजीव संस्थान देहरादून में शोध के लिए भेजा गया है

पीटीआर में लगातार दो दिन दिखा बाघ, बढ़ी सुरक्षा

आशीष टैगोर । लातेहार

बढ़ी निगरानी

- पीटीआर के निदेशक आशुतोष ने इसकी पुष्टि की
- बाघ पूरी तरह स्वस्थ व तंदुरूस्त दिखायी पड़ रहा है
- पीटीआर में कम से कम चार बाघ मौजूद हैं

पलामू टाईगर रिजर्व में एक बार फिर बाघ देखे जाने का दावा किया गया है. यह बाघ एक नहीं बल्कि दो दिन पीटीआर में लगाये गये हाई रेजोल्यूशन कैमरे में कैद हुआ है. बाघ को पिछले पांच और छह मई को पीटीआर के दक्षिण इलाके में देखा गया है. पीटीआर के निदेशक कुमार आशुतोष ने इसकी पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि लगातार दो दिन बाघ देखे जाने के बाद पीटीआर में निगरानी बढ़ा दी गयी है. क्षेत्र में हाईअलर्ट जारी किया गया है. वन विभाग की टीम बाघ की गतिविधि पर पूरी तरह नजर बनाये है. दो दिन देखा गया बाघ एक ही है या फिर दोनों दिन अलग-अलग बाघ देखे गये हैं, इसकी तफ्तीश वन विभाग कर रहा है. बाघ की तस्वीरों को वन्यजीव संस्थान देहरादून में शोध के लिए भेजा गया है. कैमरे मे कैद तस्वीरों में बाघ पूरी तरह स्वस्थ व तंदुरूस्त दिखायी पड़ रहा है. वन विभाग के दावों पर यकीन करें तो पीटीआर में कम से कम चार बाघ मौजूद हैं. ये पिछले तीन माह के अंतराल में देखे गये हैं. दो मौकों पर बेतला घूमने आये टूरिस्टों ने बाघ को देखा था और उसकी तस्वीर अपने कैमरे में कैद की थी. पीटीआर में लगातार बाघ देखे जाने की खबर पर बेतला में सैलानियों की संख्या बढ़ गयी है. बेतला गेट के पास के कई होटल दुकानदारों ने बताया कि हाल के तीन चार माह से बेतला में काफी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं. पर्यटकों के आने से स्थानीय बाजारों में रौनक है. बेतला के गाइड भी प्रसन्न नजर आ रहे हैं. हालांकि उन्हें इस बात की चिंता अवश्य है कि मॉनसून के दौरान जुलाई से सितंबर माह तक तीन महीने बेतला नेशनल पार्क बंद कर दिया जायेगा. बता दें कि यह काल वन्य जीवों के प्रजनन का काल होता है और ऐसे में पार्क खुला रहने से वन्य जीवों को व्यवधान उत्पन्न होता है.

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है : बैद्यनाथ राम

संवाददाता। लातेहार

झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम ने कहा कि चतरा लोकसभा क्षेत्र के इंडी गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी की जीत सुनिश्चित है. क्षेत्र की जनता ने उन्हें अपना सांसद चुनने का निर्णय ले लिया है. उन्हें लोकसभा क्षेत्र के हर इलाके में अपार जनसमर्थन मिल रहा है. विधायक राम जिले के हेरहंज प्रखंड में इंडी गठबंधन के घटक दलों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने जीत के लिए गठबंधन के हर नेता व कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा के साथ काम करने की अपील की. उन्होंने बूथ स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने की बात कही. कहा कि केंद्र सरकार की नाकामियों से क्षेत्र की जनता को अवगत कराना है. झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने कहा कि क्षेत्र की जनता अब बदलाव चाहती है. विगत दस वर्षों में क्षेत्र में कोई काम नहीं हुआ. बेरोजगारी व पलायन बढ़ा है. कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के साथ धोखा किया है. पिछले साल तक वे कहते रहे कि देश के युवाओं को नौकरी मिलेगी, लेकिन आज देश में बेरोजगारों की फौज खड़ी है. महंगाई अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गयी है. क्षेत्र की जनता इस बार इसका जवाब देगी. मौके पर जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष अरुण कुमार दुबे, जिला परिषद विनोद उरांव, चंचला देवी, ला सचिव शमशूल मौजूद थे.

▼ ब्रीफ खबरें

हर बूथ पर जीत के लिए मेहनत करें: विद्युत

गुड़ाबांदा । भाजपा सांसद प्रत्याशी सह वर्तमान सांसद विद्युत वरण महतो ने गुरुवार शाम को गुड़ाबांदा प्रखंड का दौरा किया. दौरे के क्रम में सांसद ने भाजपा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन फीता काटकर किया. इस अवसर पर विभिन्न दलों से कई कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए. सांसद ने उन्हें पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया. इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. कहा कि हर बूथ पर जीत के लिए मेहनत करें. साथ ही मोदी सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया. साथ ही कहा कि जनता का भरपूर समर्थन उन्हें मिल रहा है. मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लखन मांडी, दिनेश साव, सुनीता देवदूत सोरेन, मंडल प्रभारी हिमांशु मिश्रा, प्रमुख शुभोजीत मुंडा, अध्यक्ष रविंद्र नाथ गांताल, गौर चंद्र पात्र, सांसद प्रतिनिधि बबरु वाहन घोष मौजूद थे.

ठनका गिरने से चरवाहे की हुई मौत

बहरागोड़ा । बरसोल थाना क्षेत्र के खंडामौदा पंचायत अंतर्गत फुलबाड़िया गांव निवासी मिथुन मुंडा (23) युवक का बैल चराते वक्त ठनका गिरने से मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम आए आंधी तूफान देखते हुए मृतक बैलों को अपने घर ला रहा था. तभी आसमानी ठनका उसके ऊपर आ गिरा और वहीं घायल होकर गिर पड़ा. उसे स्थानीय लोगों ने उठाकर 108 एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया. जहां जांच के उपरांत युवक को मृत घोषित कर दिया. उधर पुलिस मौके पर पहुंचकर अपनी प्रक्रिया के तहत आज पोस्टमार्टम के लिए भेजेगा.

तितलीघाट में पुलिया के नीचे मिला शव

किरीबुरु । छोटानागरा थाना अन्तर्गत तितलीघाट गांव के समीप मुख्य सड़क पर स्थित पुलिया के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का शव संदिग्ध स्थिति में छोटानागरा पुलिस ने बरामद किया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा भेज दिया. ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 45-50 वर्ष के आसपास है. मृतक हाफ पैंट व गंजी पहना हुआ था. वह आसपास गांव का भी नहीं है. वह कहां से यहां आया तथा उसकी मौत कैसे हुई यह पता नहीं चल पाया है. ग्रामीण बुधवार को उक्त व्यक्ति का शव पुलिया के नीचे पड़ा देख इसकी सूचना छोटानागरा पुलिस को दी थी. जिसके बाद कल शाम को पुलिस ने शव घटनास्थल से उठा गुरुवार को चाईबासा भेजा.

गांव-गांव में झामुमो की ही लहर है: सन्नी

चक्रधरपुर । बंदगांव बाजार परिसर में गुरुवार को इंडिया गठबंधन के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन झामुमो नेता सन्नी उरांव ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़ कर किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि सिंहभूम लोकसभा सीट इस बार भारी बहुमत से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जोबा मांझी की जीत दर्ज करेगी. गांव-गांव में झामुमो पार्टी की ही लहर है. उन्होंने कहा इस चुनाव में झामुमो के सहयोगी दल कांग्रेस पार्टी एवं अन्य भी चुनाव कार्य में जुटे हैं. हमलोगों की जीत सुनिश्चित है. इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अंबर राय चौधरी, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह, झामुमो के प्रेम मुंडरी, प्रदीप महतो, राजेंद्र मेलगांडी समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रत्याशी ने गुवा में कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

यह लड़ाई जल, जंगल और जमीन की है : जोबा मांझी

संदीप कुमार प्रसाद । नोवामुंडी

यह लड़ाई जल जंगल जमीन की है. लोकतंत्र की है. यह लड़ाई सामाजिक सांस्कृतिक को बचाने के लिए है. यह जो लड़ाई लोकतंत्र को बचाने के लिए है. हम सभी जानते हैं. यह मौलिक अधिकार के लिए लड़ाई है. यह बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी जोबा मांझी ने बुधवार देर रात को गुवा दौरे में आए अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कहीं. उन्होंने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन की लड़ाई हम सभी को मिलकर लड़ना होगा. यह लड़ाई सिर्फ जोबा मांझी का नहीं है. यह लड़ाई गठबंधन की नहीं है. यह लड़ाई अपने हक की लड़ाई है. अपने पारंपरिक व्यवस्था को बचाना है. आप लोगों से अपील करते हैं कि यह जो चुनाव है, यह जो लड़ाई है, महागठबंधन की लड़ाई है. 2019 में राज्य की सरकार बनी थी. तब के सीएम हेमंत ने राज्यहित के लिए बहुत सारे कार्य-योजना बनाए. इसके तहत योजनाओं को एक-एक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाए. इसका लोगों को फायदा भी हुआ. लेकिन उन्हें ही षड्यंत्र के तहत जेल भेज दिया गया.

इंडिया गठबंधन

- इंडिया गठबंधन की लड़ाई मिलकर लड़ना होगा
- 13 मई को तीर धनुष छाप पर मोहर लगाकर जीत दिलाएं

आज हम अपने मान सम्मान को बचाने के लिए आगामी 13 मई को महागठबंधन को तीर धनुष छाप पर मोहर लगाकर महागठबंधन की प्रत्याशी जोबा मांझी को जीत दिलाएं. यह कार्यक्रम झामुमो नेता तबारक खान एवं वृंदावन गोप के देखरेख में किया गया. कार्यक्रम से पूर्व झामुमो प्रत्याशी जोबा मांझी का स्वागत हिरजीहाटिंग में महिलाओं ने की. उसके बाद यह विशाल रैली पैदल मार्च करते हुए गुवा बाजार पहुंची. जहां झामुमो नेता तबारक एवं उसके समर्थकों ने माला पहनाकर स्वागत किया. उसके बाद झामुमो प्रत्याशी जोबा मांझी ने रामनगर स्थित राम मंदिर के प्रांगण में राम लक्ष्मण एवं सीता तथा बजरंगबली का आशीर्वाद लिया. ताकि इस लोस चुनाव में जीत हासिल कर सकें. इस मौके पर रिमू बहादुर, गोवर्धन चौरसिया, कपिलेश्वर दोंगो सहित विभिन्न गांव के मुंडा मानकी मौजूद थे.

थैलेसीमिया मुक्त जमशेदपुर मिशन पर जुटे कई संगठन

संजीव मेहता । आदित्यपुर

थैलेसीमिया मुक्त जमशेदपुर की दिशा में आगे बढ़ते हुए एक दृढ़ कदम उठाते हुए थैलेसीमिया मुक्त सोसाइटी ऑफ जमशेदपुर ने "मिशनः थैलेसीमिया मुक्त जमशेदपुर" नामक जागरूकता अभियान की शुरुआत बुधवार को थैलीसीमिया दिवस पर की. इस अभियान का उद्देश्य स्कूली बच्चों में थैलेसीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपने-अपने स्कूलों में जागरूकता फैलाने के लिए ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है. इस प्रयास का उद्देश्य युवा जोड़ों को भविष्य में दर्द और असुविधा से बचाने के लिए माता-पिता बनने का फैसला करने से पहले थैलेसीमिया परीक्षण करवाने के लिए प्रोत्साहित करना भी है. अभियान के शुरुआती कार्यक्रम में प्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉ. भरत ने स्कूली बच्चों को कुछ आंकड़ों से अवगत कराया और इस पहल की सराहना की. टीएफएसजे के अध्यक्ष शरत चंद्रन ने सभा को संबोधित किया. इस बात पर प्रकाश डाला कि थैलेसीमिया सोसाइटी ऑफ जमशेदपुर एक स्वैच्छिक संस्था है. जिसकी कोर टीम में बीबीडीए, जमशेदपुर ब्लड बैंक, कॉरपोरेट हाउस, रोटरी, लायंस, मेडिकल प्रोफेशनल्स, स्थानीय स्कूलों के प्रबंधन, प्रशिक्षित स्वयंसेवक आदि शामिल हैं. इस कार्यक्रम में सोसाइटी की उपाध्यक्ष स्मिता पारीख, सचिव इंद्रजीत पॉल आदि मौजूद थे.

आदित्यपुर के ऑटो क्लस्टर में भाजपा का जनसंपर्क अभियान

नरेंद्र मोदी का गवर्नेंस बहुत ही लाजवाब है: सहस्त्र बुद्धि

संजीव मेहता । आदित्यपुर

आदित्यपुर स्थित ऑटो क्लस्टर सभागार में गुरुवार को भाजपा का जनसंपर्क अभियान सह बुद्धिजीवी सम्मेलन हुआ. जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद विनय सहस्त्र बुद्धि शामिल हुए. अपने संबोधन में सहस्त्र बुद्धि ने कहा कि झारखंड जैसे रत्नगर्भा प्रदेश में पिछड़ापन होना मेरे समझ के परे है. उन्होंने कहा कि हमें नई पीढ़ी की अपेक्षा का ध्यान रखकर नीतियां बनानी है. इसी फार्मूले पर नरेंद्र मोदी 2014 से आगे बढ़ रहे हैं. उनका गवर्नेंस लाजवाब है.

प्रधानमंत्री ने ऊंची आकांक्षाओं को बताया है. हम आज असहायों को दया की दृष्टि से नहीं बल्कि दिव्यांग के नाम से जान रहे हैं. यह नरेंद्र मोदी की देन है. केवल बजट बनाने से काम नहीं होता है. उसके लिए नीतियां बनानी होती हैं, जो नरेंद्र मोदी ने नीति आयोग का निर्माण कर बनाया है. आज हम रक्षा क्षेत्र में मिसाइल निर्माण में आत्मनिर्भर बने हैं. हमने ब्रह्मोस मिसाइल फिलीपींस को भेजा है. प्रधानमंत्री के सोच में परिवर्तन है. जिसके वजह से देश आज आगे बढ़ रहा है. अब भारत को विकसित देश बनने से कोई रोक नहीं सकता है. वक्ता के रूप में पूर्व सांसद अजय मारू ने अपने संबोधन में कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति और गारंटी का डंका बज रहा है. प्रधानमंत्री गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले 23 वर्ष से बगैर अवकाश के काम कर रहे हैं. सांसद अजय मारू ने विनय सहस्त्र बुद्धि की जीवनी पर संक्षिप्त में प्रकाश भी डाला. उन्होंने धारा 370 हटाने और राम जन्म मंदिर निर्माण को बड़ी उपलब्धि बताया.

लेकिन अब अगला मिशन यूसीसी को देशभर में लागू कराना है. इस बार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं, तो यह सम्भव होगा. उन्होंने बुद्धिजीवी लोगों से प्रत्येक बूथ पर मत प्रतिशत बढ़ाने की अपील की. पार्टी प्रवक्ता जेबी तुबिद ने कहा कि देश नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बनने जा रही है.

बोले विनय

- हम आज असहायों को दिव्यांग के नाम से जान रहे हैं
- आज हम रक्षा क्षेत्र में मिसाइल निर्माण में आत्मनिर्भर बने
- हमने शक्तिशाली ब्रह्मोस मिसाइल फिलीपींस को भेजा है

पडसा में हुआ भाजपा का पथसभा कार्यक्रम

मझगांव । मझगांव प्रखंड के पडसा गांव में गुरुवार को भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं ने पथ सभा कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा के पक्ष में मतदान करने का अपील किया. भाजपा नेता अनिल बिरुली व लंकेश्वर तामसोय ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया. कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की नई बुलंदियों पर है. पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने अनेक प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाएं चलाकर प्रत्येक लोगों को उनका अधिकार दिलाने का कार्य किया है. राज्य में चार सालों से गठबंधन की सरकार है. लेकिन यहां पर सिर्फ भ्रष्टाचार हावी है. भ्रष्टाचार का जवाब आप अपने मतों से दें. आगामी 13 मई को भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा को अपना मत देकर जिताने का कार्य करें. बीजेपी झारखंड के सभी लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर रही है और एक बार फिर केंद्र में भाजपा की सरकार बन रही है. मौके पर किरानी बारिक, बड़कुवर गागराई मौजूद थे.

परसुडीह में दिव्यांग महिला की मौत

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के परसुडीह थाना अंतर्गत हलुदबनी राव कॉलोनी निवासी रीता प्रमाणिक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई. रीता का शव घर के आंगन में पाया गया. इधर, घटना की सूचना पाकर मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे. मायके पक्ष ने मृतका के पति, देवर और ननद को पकड़ लिया. मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई. जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर एमजीएम अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने ससुराल पक्ष को भी हिरासत में लिया और थाने ले गई. जहां सभी से पूछताछ की जा रही है. इधर, मामले को लेकर मृतका के भाई अविनाश ने बताया कि जिस घर में उनकी दीदी रहती है वह घर उन्होंने ही बनवाकर रहने को दिया था. दीदी बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर गुजारा करती थी. वहीं पति रघुवर सिंह भी आंखों से दिव्यांग हैं. रघुवर का भाई और बहन उक्त घर में कब्जा करना चाहते थे. इसके पूर्व भी रीता के साथ मारपीट कर उसका पैर तोड़ दिया गया था. आज उन्हें लोगों ने फोन पर बताया कि दीदी की हत्या कर दी गई है. जब वे घर पहुंचे तो पाया दी दीदी का शव आंगन में पड़ा हुआ है और सिर पर चोट के निशान भी हैं. इधर, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

जोबा मांझी ने मकरंडा पंचायत में किया जनसंपर्क

चाईबासा । देवेंद्र मांझी के लंबे संघर्ष के बाद वन अधिकार अधिनियम लागू हुआ है. लेकिन भाजपा उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए इस अधिनियम को समाप्त करना चाहती है. यह बातें सिंहभूम से इंडिया महागठबंधन की साझा प्रत्याशी जोबा मांझी ने कही. जोबा मांझी प्रखंड को ओडिशा सीमा से सटे मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत जगन्नाथपुर विस क्षेत्र के मकरंडा पंचायत के नावाडीह टोला, छोटा सागजोड़ी, बड़ा सागजोड़ी अजमबर गुड़िया चौक, जराइकेला पुरनाडीह, पंचपहिया आदि गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही. जोबा ने कहा 2024 का लोकसभा चुनाव अस्तित्व और अधिकार को बचाने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है. कहा कि आदिवासियों को मिले अधिकार को समाप्त करना चाहती है.

काशीदा में डॉ प्रदीप बलमुचू ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

संवाददाता । घाटशिला

पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ प्रदीप कुमार बलमुचू ने गुरुवार को काशीदा स्थित गेस्ट हाउस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. बैठक कर विधानसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा की. मौके पर उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के प्रत्याशी समीर मोहंती को एकजुट विजयी बनाएं. बालमुचू ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता की शिकायत है कि गठबंधन के प्रत्याशी कोई संपर्क नहीं स्थापित करते हैं.

जिससे कार्यकर्ताओं में निराशा है. उन्होंने कहा कि जल्द प्रत्याशी के साथ बैठक कर कार्यकर्ताओं की शिकायत दूर की जाएगी. बालमुचू ने भाजपा प्रत्याशी सह सांसद विद्युत बरण महतो ने 10 वर्षों में एक भी ऐसा कार्य नहीं किया जिससे लोग उन्हें वोट दें. घाटशिला विधानसभा की बात करें तो भारत सरकार का उपक्रम आईसीसी कंपनी एवं कई कॉपर माइंस बंद पड़ा है. इसे चालू करने की दिशा में कोई पहल नहीं किया. इससे यहां के लोग बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं. जानकारी मिली है कि इस कंपनी को भी अडाणी ग्रुप को बेचने की फिराक में है. यदि केंद्र में गठबंधन की सरकार बनती है तो बंद पड़े आईसीसी कंपनी एवं माइंस को खोला जाएगा. बैठक के मुख्य रूप से अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शेख भोलू मौजूद थे.

बहरागोड़ा में किसान जला रहे पराली, फैल रहा प्रदूषण

संवाददाता । बहरागोड़ा

झारखंड राज्य के त्रिवेणी संगम स्थित धान का कटोरा कहे जाने वाले बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में गरमा धान काटने होने के साथ ही किसानों ने पराली जलाना शुरू कर दिया. जिससे आसपास के क्षेत्र में तेजी से प्रदूषण फैल रहा है. वहीं कई दिन पहले झारखंड राज्य का सर्वोच्च तापमान बहरागोड़ा में ही दर्ज की गई थी. उधर पहले किसान अपने फसल खुद काटते थे तो फसल का बहुत थोड़ा हिस्सा खेतों में रह जाता था. जिसे जलाने की जरूरत नहीं होती थी. लेकिन पिछले कुछ सालों से धान की फसल की कटाई हार्वेस्टर मशीनों से की जा रही है. यह मशीन फसल का सिर्फ ऊपरी हिस्सा काटती है. बाकी का हिस्सा जमीन में ही रह जाता है, जो काफी ज्यादा बचता है. इसे नष्ट करने के लिए किसान सूखी पराली पर आग लगा देते हैं. जिसे आसपास के क्षेत्र धुएं तथा राख से भर जा रहा है रहा है. वहीं दूसरी तरफ वैज्ञानिकों की मानें तो पराली के जलने से उत्पन्न तापमान मिट्टी को काफी प्रभावित करता है. साथ ही अपशिष्ट राख से खेत की मिट्टी में पाया जाने वाला राइजोबिया नामक बैक्टीरिया पर भी काफी असर पड़ता है. उधर बैक्टीरिया की कमी होने के कारण नाइट्रोजन चक्र भी संपूर्ण नहीं हो पा रहा है. लेकिन कृषि जागरूकता की कमी तथा जिला प्रशासन के सुस्त रवैये के कारण पराली जलाने का सिलसिला बढ़ता जा रहा है.

डूब रहे भाई-बहन को लोगों ने बाहर निकाला

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मौदा गांव अवस्थित नया तालाब में गुरुवार दोपहर नहाने के क्रम में सगे भाई सोमनाथ कालिंदी (4) एवं बहन सरस्वती कालिंदी (7) डूब गए. वहीं तालाब में नहा रहे स्थानीय लोगों की नजर पड़ने पर दोनों को पानी से बाहर निकाला तथा 108 में कॉल किया. लेकिन एम्बुलेंस के देर लगाते देख स्थानीय लोगों ने दोनों को बाइक से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद भी की स्थिति खतरे से बाहर होने के कारण उसका इलाज स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है. जबकि बहन की स्थिति को नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद ओडिशा स्थित पीआरएम मेडिकल कॉलेज बरिपदा रेफर कर दिया गया. मिली जानकारी के अनुसार दोनों भाई बहन अपने नानी के साथ तालाब नहाने गये थे. वहीं उनके नानी कपड़ा धोते वक्त दोनों भाई बहन गहरे पानी में समा गए. उसी वक्त बगल में नहा रहे दूसरे स्थानीय लोगों की नजर पड़ी और पानी में से बाहर निकाला.

भारतीय जनता पार्टी जो कहती है, उसे पूरा करती है: गीता कोड़ा

संवाददाता । आदित्यपुर

भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी गीता कोड़ा गुरुवार को राजनगर प्रखंड के पाखनाडीह, जोड़ाडीह, रुतडीह, जामबनी, उरगुटु, डांगरडीह, हेंसल, एदल, चालियामा, तुमुंग, सालबनी, सोसोमली, कुनाबेड़ा, गेंगेरुली, खिरी, गोपीनाथपुर, कमलपुर गांव में ग्रामीणों को संबोधित किया. गीता ने कहा कि मोदी जी के जन कल्याणकारी कार्यों में, फ्री का राशन, बेघरों को नया घर, घर-घर में शुद्ध पीने का पानी, किसानों को हर वर्ष 6 हजार रुपया की सहायता राशि, महिला समितियों को स्वरोजगार जैसे गरीबों और सभी वर्गों के लिए सैकड़ों योजना लाकर सभी को लाभ दिया है.

कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो कहती है उसे पूरा करती है. झारखंड अलग राज्य करने का वादा भारतीय जनता पार्टी ने किया था. केंद्र में सरकार बनते ही भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने झारखंड को अलग राज्य बनवाया. झारखंड मुक्ति मोर्चा वालों ने तो अलग राज्य आंदोलन को कांग्रेस पार्टी को बेचा था. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को आदिवासियों की चिंता हमेशा से रही है. आदिवासियों के विकास के लिये मोदी जी ने आदिवासियों के लिये अलग मंत्रालय देश के आजादी के बाद बनवाकर आदिवासियों के विकास की मुख्य धारा में जोड़ा. एक आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनवाया. गीता कोड़ा ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस पार्टी वाले झूठ बोलकर जनता को गुमराह ही किया है. इनलोगों ने 4 लाख लोगों को नौकरी, 2 लाख तक किसानों के केसीसी लोन की माफी, पढ़े लिखे युवाओं को हर माह 6 हजार रुपया देने, पारा शिक्षकों को परमानेंट कर देने जैसी अनेक झूठे वादे कर भोले-भाले जनता से वोट हड़पा था. पर पांच सालों में एक भी वादा नहीं निभाया. गीता कोड़ा ने कहा कि आज पूरे राज्य में भ्रष्टाचार, लूट, घोटाला से जनता त्राहिमाम त्राहिमाम कर रही है.

केंद्र व राज्य सरकार ने छलने का काम किया

चांडिल । आदिवासी कुड़मी समाज के केंद्रीय महासचिव अधिवक्ता सुनील कुमार गुलिआर ने कहा कि कुड़मी समाज को केंद्र व राज्य सरकार दोनों ही छलने का काम किया है. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा इन तीनों राज्यों में चार-चार बार रेल टेका आंदोलन किया गया. दिल्ली के लिए ट्रेन बुक कर आंदोलनकारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर रैलियां, जनसभा, प्रदर्शन आदि किया गया. लेकिन किसी भी सरकार ने अब तक कुड़मी मुद्दा का हल नहीं किया. इसलिए अब तक कुड़मियों को एसटी सूची में सूचीबद्ध नहीं किया जाता व कुड़माली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया जाता तब तक आंदोलन चलता ही रहेगा. उन्होंने कहा कि इस बार का आंदोलन चुनाव पर असर डालकर किया जाएगा. इसलिए आदिवासी कुड़मी समाज की ओर से बंगाल में लोकसभा के लिए छह उम्मीदवार उतारा गया है. वहीं झारखंड व ओडिशा में केंद्र व राज्य सरकार के विरोध में वोट डालने का निर्णय लिया है. इसके लिए तीसरा विकल्प चुना जा रहा है.

हादसा

चांडिल-मुरी रेलखंड के लेटेमदा स्टेशन के पास हुई दुर्घटना

ट्रेन से कटकर दंतैल हाथी की हुई मौत, जुटी भीड़

संवाददाता । चांडिल

चांडिल-मुरी रेलखंड के लेटेमदा स्टेशन के करीब बुधवार की रात ट्रेन से कटकर एक जंगली हाथी की मौत हो गई. ईचाडीह पुराना फाटक के सामने घटी घटना में दंतैल हाथी मरा है. सुबह इसकी जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे और हाथी की श्रद्धांजलि स्वरूप पूजा-अर्चना करने लगे. इसकी जानकारी देते हुए चांडिल वन क्षेत्र पदाधिकारी मैनेजर मिर्धा ने बताया कि मृत हाथी झुंड से अलग घूम रहा था. बीती रात अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मृत्यु हो गई. उन्होंने बताया कि मृत हाथी का पोस्टमार्टम कराया जाएगा. इसके बाद उसका दांत निकालने के बाद विधिवत अंतिम संस्कार किया जाएगा. उन्होंने बताया कि वन विभाग घटना की जांच कर रही है. चांडिल वन क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आकर हाथी के मरने की घटना बढ़ती जा रही है. इसके पूर्व 11 जून 2023 को चांडिल-मुरी रेलखंड पर गुंडा बिहार स्टेशन के निकट ट्रेन से कटकर हाथी के बच्चे की मौत हो गई थी. नवजात हाथी के बच्चे की उम्र करीब ढाई माह की थी. ट्रेन की चपेट में आने के बाद करीब 100 मीटर तक हाथी का बच्चा घसीटता हुआ चला गया था. गुंडा बिहार रेलवे स्टेशन के निकट बच्चा हाथी की ट्रेन से कटकर हुई मृत्यु के पहले चांडिल वन क्षेत्र अंतर्गत ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में कुछ दिनों पहले एक वृद्ध हथनी की मृत्यु हुई थी. उस समय वन विभाग की ओर से बताया गया था कि हथिनी की उम्र अधिक होने के कारण उसकी मृत्यु हुई.

जंगली हाथी

- मृत हाथी झुंड से अलग होकर घूम रहा था
- ईचागढ़ में पहले भी एक वृद्ध हथनी की मृत्यु हो चुकी है

सारंडा की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे हुए हैं अमर सिंह सिद्धू

शैलेश सिंह । किरीबुरु

सारंडा के प्रसिद्ध किसान अमर सिंह सिद्धू, छिड़िया पंचायत की विभिन्न गांवों की महिलाओं, बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में लगे हैं. इसके लिए निःशुल्क मशरूम की खेती का दो दिवसीय प्रशिक्षण अपने स्तर से आगामी 16-17 मई को बिनुआ के ग्राम प्रधान के घर पर दिलाने वाले हैं. अमर सिंह सिद्धू ने बताया कि सारंडा से काफी संख्या में पुरुष व महिलाओं का पलायन रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में निरंतर जारी है. जिस घर के पुरुष रोजगार के लिए बाहर चले गये हैं, उनकी पत्नियां व बेटियां घर पर अकेली रह आर्थिक समस्या से जूझती रहती हैं. खाने के लिये सरकारी चावल तो मिल जाता है लेकिन अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके पास पैसे नहीं होते हैं. इसी के मद्देनजर वह उक्त गांव क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह प्रशिक्षण दिलायेंगे. उनके द्वारा उत्पादित मशरूम को वह स्वयं खरीद बाजार भी उपलब्ध करायेंगे. उन्होंने कहा कि इससे पहले वह पंचायत के दर्जनों किसानों को जमीन की पर लेमन ग्रास, ड्रैगन फ्रूट, बागवानी आदि का खेती कराते आ रहे हैं. लेकिन अब जमीन के अंदर की खेती जैसे अदरक, हल्दी, ओल आदि की खेती प्रारम्भ कराने जा रहे हैं. इसके लिये 19 परिवारों को वह स्वयं के खर्च से बीज उपलब्ध कराये हैं.

ब्रीफ खबरें

मुख्य निर्वाचन पदा. ने किया निरीक्षण

कोडरमा। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कह कि लोकसभा आम चुनाव में मतदान केंद्रों पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं हैं. मतदान केंद्र पर आने में 85 प्लस आयु वर्ग के असमर्थ मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा मुहैया कराई जा रही है. वहीं मतदान केंद्र तक आने में असमर्थ वरिष्ठ एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए ऑटो, टोटो की व्यवस्था कराई गई है. उन्होंने मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं को हर हाल में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है.

कैडेट्स प्रशिक्षण शिविर के लिए हुए रवाना

हजारीबाग। संत कोलंबस कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के लिए रवाना हुए. इस शिविर में कॉलेज के 65 कैडेट्स ने भाग ले रहे हैं, जिनमें 35 लड़के और 29 लड़कियां शामिल हैं. यह शिविर 9 मई से 18 मई तक नवोदय विद्यालय बोंगा में आयोजित किया जा रहा है. इसमें कैडेट्स को हथियार प्रशिक्षण, योगाभ्यास, दौड़ के अतिरिक्त ड्राइंग, पेंटिग और नाच गाने की गतिविधियां करवाई जाएंगी. मौके पर कंपनी कमांडर ले. डॉ. एसके पांडे, अमन, कुशल, चांदनी, हर्ष, आयुषी आदि कैडेट्स उपस्थित थे.

101 वोटरों ने पोस्टल बैलेट से डाला वोट

हजारीबाग। लोकसभा चुनाव मेंचतुर्थ फेज में मतदान की तिथि 13 मई वाले संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के खूंटी लोकसभा, सिंहभूम लोकसभा, पलामू लोकसभा एवं लोहरदगा लोकसभा के वैसे मतदाता, जो विभिन्न निर्वाचन ड्यूटी में हजारीबाग जिले में पदस्थापित हैं, उनका मतदान पोस्टल बैलेट के माध्यम से प्रमंडलीय प्रशिक्षण संस्थान,जबरा हजारीबाग के मतदाता सुविधा केंद्र में कराया जा रहा है. निर्वाचन ड्यूटी पर रहने वाले मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट के माध्यम से मत दिए जाने का प्रावधान है. बृहस्पतिवार को 101 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया.

बाइक पर गिरा पेड़ महिला की हुई मौत

कोडरमा। जिले के जयनगर थाना अंतर्गत कटहाडीह पुल के समीप गुरुवार की सुबह मोटरसाइकिल पर पेड़ के गिर जाने से महिला की मौत हो गयी, वहीं पति गम्भीर रूप से घायल हो गया. मृतका की पहचान दुलारी देवी (48) के रूप में हुई. वहीं महिला का पति टेकलाल राम रजक (52) घायल हो गए, जबकि पुत्र को हल्की चोट लगी है. सभी चंदवारा से जयनगर घर जा रहे थे. कटहाडीह के पास अचानक एक पेड़ बाइक पर बैठी महिला के ऊपर गिर गया. महिला और पति गंभीर रूप से घायल हो गए. सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में ही महिला की मौत हो गई.

बहू से दुष्कर्म करने का आरोपी ससुर गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ के भदानीनगर ओपी क्षेत्र में रिश्तों को तार-तार करने वाला एक बड़ा मामला प्रकाश में आया है. यहां एक पिता ने अपने बेटे की गैरमौजूदगी में अपनी बहू को ही अपनी हवस का शिकार बनाया है. मिली जानकारी के अनुसार महुआ टोला निवासी निजाम अंसारी (52) वर्ष के दोनों बेटे रोजाना की तरह बुधवार की सुबह काम करने स्थानीय फैक्ट्री में गए हुए थे, जबकि निजाम अंसारी खुद उसी फैक्ट्री में नाइट शिफ्ट करके घर लौटा था. इस दौरान बुधवार की दोपहर बड़े बेटे की पत्नी को अकेले पाकर निजाम ने उनके साथ जोर जबरदस्ती करते हुए दुष्कर्म किया.

जल संरक्षण के लिए किया गया जागरूक

विष्णुगढ़। दौलत महतो मेमोरियल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय बनासो में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सात दिवसीय जल संरक्षण जागरूकता अभियान आयोजित किया गया है. इस क्रम में गुरुवार को प्रखंड अंतर्गत बनासो पंचायत के नावाटांड़ गांव के ग्रामीणों को जल की उपयोगिता एवं उसके संरक्षण के बावत जागरूक किया गया. मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार चतुर्वेदी मौजूद थे. गांव वालों से मुखातिब होते हुए उन्होंने जल की महत्ता की चर्चा करते हुए कहा कि जल हीं जीवन है और जल है तभी हर चेतन के लिए कल सुरक्षित है.

जिलाअध्यक्ष विवेकानंद सिंह का आरोप- जसवंत सिन्हा को भाजपा ने सबकुछ दिया, बावजूद वह कर रहे हैं धोखाधड़ी

'भाजपा को छोड़ने वाले कर रहे थे विश्वासघात'

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा सीट पर मतदान को अब 9 दिन बचे हैं. ऐसे में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं. कभी भाजपा के कार्यकर्ता इस्तीफा दे रहे हैं तो कभी कांग्रेस के पुराने नेता अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं, इसके कारण प्रत्याशियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. उन्हें क्षेत्र में जनसंवाद के साथ ही अपने कार्यकर्ताओं को मनाने की दोहरी भूमिका निभानी पड़ रही है. दरअसल, ऐसे में जीत किसकी होगी यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है.

क्या कहती है जनता

इस संबंध में सैकड़ों ग्रामीणों का कहना है कि इस्तीफा देने वाले भाजपा नेता स्वार्थ बस काम कर रहे थे. अब जब जयंत सिन्हा को टिकट नहीं मिला तो वह नाराज हो गए और अब वह भाजपा से ही त्यागपत्र दे रहे हैं. ऐसे में इन नेताओं की भाषा समझना बहुत मुश्किल है. जैसे इनको लगा कि मनीष जायसवाल की जीत होने के बाद हमारी दाल नहीं गलेगी तो इन्होंने तुरंत भाजपा से इस्तीफा दिया और दूसरे पक्ष में अपनी पहचान बनाने में जुट गए.

विश्वास घात करने की थी साजिश : इस संबंध में रामगढ़ निवासी श्याम देव पांडे ने बताया कि भाजपा से कई लोगों इस्तीफा दिया है. ये लोग खुदगर्जी थे, इन्हें जनता से कोई लेना-देना नहीं था. ये अपनी पहचान बना रहे थे और जैसे ही जयंत सिन्हा को टिकट नहीं मिला तो नाराज हो गए. अब उनकी दाल मनीष जायसवाल के पास नहीं गलती. इसलिए विश्वासघात करने में लग गए. भाजपा के कार्यकर्ताओं को इसकी भनक लगी तो भाजपा को ही छोड़ दिया. वे चाहते थे कि भाजपा में रहकर गठबंधन को चुनाव जीता दें, लेकिन यहां तो एक से एक अनुभवी कार्यकर्ता हैं.

कौन है स्टार प्रचारक

इस संबंध में सदर विधानसभा के कटकमसांडी, कटकम दाग, मेरु, सिन्दुर एवं शहर के कई लोगों का कहना है कि भाजपा की तरफ से प्रदीप प्रसाद, जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, स्टार प्रचारक हैं. इनकी एक अलग पहचान है और ये जी-जान से मेहनत कर रहे हैं. वहीं गठबंधन की बात करें तो कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह अपने प्रत्याशी की रीढ का हड्डी माने जा रहे हैं. वह खूब मेहनत कर रहे हैं. लोगों को घर-घर जाकर जयप्रकाश भाई पटेल की उपलब्धियां गिना रहे हैं.

जसवंत सिन्हा के बहकावे में आ रहे हैं उनके समर्थक : जिलाध्यक्ष

वहीं भाजपा के जिलाअध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने भाजपा कार्यालय में गुरुवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि जसवंत सिन्हा को भाजपा ने बहुत कुछ दिया है. उन्हें विधायक बनाया गया, संयुक्त बिहार झारखंड के विपक्ष का नेता, राष्ट्रीय प्रवक्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दो बार लोकसभा सांसद, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री भी बनाया गया. चुनाव हारने के बाद राज्यसभा का सांसद भी बनाया गया. उसके बावजूद वह भाजपा के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं. उन्होंने एक दर्जन अपने पुराने कार्यकर्ताओं को बहकाकर भाजपा से त्यागपत्र दिलवा दिया है, जो इंडिया गठबंधन का सहयोग कर रहे थे. किसी को शक ना हो इसलिए वे पार्टी में बने हुए थे और पीठ में खंजर भोकने का प्रयास कर रहे थे. वे घर में रहकर भाजपा का ही वोट काटने का प्रयास कर रहे थे. इसकी जैसे ही भनक लगी संगठन ने उन्हें उन्हें दूसरे कार्य में लगाया. उन्होंने यह भी कहा कि जसवंत सिन्हा के कूच व्यक्तिगत सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि रामगढ़ जिला प्रभारी प्रकाश मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि चंद्र भौमिक, सांसद रामगढ़ प्रतिनिधि सुमन कुमार सिंह, सांसद मीडिया प्रभारी अनिल सिंह, प्रदेश महिला मोर्चा कार्य समिति प्रियमबदा और जिला उपाध्यक्ष राकेश सहाय, सांसद प्रतिनिधि विपिन सिंह जैसे लोग पार्टी के हितैषी कम व्यक्ति विशेष के ज्यादा थे. ये लोग जसवंत सिन्हा के दबाव में जानबूझकर माहौल खराब करने का काम रहे हैं. भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता कमल के साथ थे और हैं.

कार्यकर्ताओं के इस्तीफे से भाजपा में खलबली

संवाददाता। हजारीबाग

खास बातें
- पूर्व मीडिया प्रभारी ने कहा- सैकड़ों भाजपाई देंगे त्यागपत्र
- यशवंत पर इल्जाम लगाने वाले अपने गिरेबां में झांकें

लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक एवं भाजपा जिला अध्यक्ष की ओर से बृहस्पतिवार को की गई प्रेस वार्ता में यह साफ दिखाई दिया कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के लिए सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. असंतुष्ट होकर जो कार्यकर्ता भाजपा से इस्तीफा दे रहे हैं उनको ही कटघरे में खड़ा किया जा रहा है. भाजपा से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता इस्तीफा दे रहें हैं, जिनमें प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य, जिला पदाधिकारी, पूर्व मंडल एवं जिला के वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हैं. इस्तीफा देने वालों की चट्टानी एकता को देखकर भाजपाइयों में खलबली मची हुई है. किसी कार्यकर्ता ने वापसी का मन नहीं बनाया है, बल्कि इस्तीफा देने वाले अन्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं.

पूर्व भाजपा मीडिया प्रभारी और पार्टी छोड़ चुके अनिल सिन्हा ने उक्त बातें बताते हुए बताया कि आने वाले दिनों में सैकड़ों की संख्या में भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इस्तीफा देने वाले हैं. भाजपा में जिनको मान-सम्मान नहीं मिल रहा है वैसे कार्यकर्ताओं की काफी लंबी लिस्ट है. इस्तीफा देने वाले कार्यकर्ता किसी के दबाव और बहकावे में पार्टी नहीं छोड़ रहे हैं. बेवजह इस प्रकरण में यशवंत सिन्हा का नाम भाजपा के लोगों द्वारा प्रचारित किया जा रहा है. इन लोगों ने आरोप लगाया है कि वह पुत्र मोह में इस तरह का कृत्य कर रहे हैं मगर ऐसा नहीं है. यशवंत सिन्हा पर इल्जाम लगाने वाले पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखें और चिंतन करें. रात के अंधेरे में खुद की पहचान छुपा कर यशवंत सिन्हा का चरण वंदन करते हैं और अपना सहयोग देने का भरोसा भी देते हैं. आज ये लोग यशवंत सिन्हा की औकात की बात करते हैं. पहले अपनी औकात देख लें. उनकी औकात नहीं है कि यशवंत सिन्हा के खिलाफ बोले. अपनी करनी का इल्जाम दूसरे पर थोपना इन भाजपाइयों को बखूबी आता है. आज की प्रेस वार्ता से यह स्पष्ट हो रहा है कि किस तरह इनमें घबराहट हो गई है. ये जान गए हैं कि लोकसभा के चुनाव में इनकी करारी हार होने वाली है. चमचों के बल पर चुनाव नहीं जीता जाता है. अगर समर्पित कार्यकर्ता ही नहीं होंगे तो किसके बल पर चुनाव लड़ेंगे. मेरा सुझाव है कि पहले अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्मान के साथ समेटे रखें वरना आने वाले समय में नुकसान उठाने को तैयार रहें. यशवंत सिन्हा ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र को माफिया तत्व से बचाने के लिए अपनी ताकत झोंक रखी है और भाजपा ने इसको लूटने के लिए अपना जोर लगा दिया है. इस बार भाजपा पार.

मनीष को भारी मतों से जिताने का संकल्प

रामगढ़। भाजपा कार्यालय घुटुवा में भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संजय शाह की अध्यक्षता में बूथ सत्यापन बैठक आयोजित की गई. इसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संजय शाह ने की, जबकि संचालन संजय लाला ने किया. बैठक में कुल 14 बूथ 327 से 340 तक का सत्यापन भाजपाइयों ने किया. साथ ही साथ हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी मनीष जायसवाल को भारी मतों से विजय दिलाने का संकल्प लिया. बैठक में बूथ सत्यापन प्रभारी सह विधायक प्रतिनिधि संजय शाह, विशाल बाल्मिकी, एससी मोर्चा का जिला अध्यक्ष विनोद राम, युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश ठाकुर, अनिल पाण्डेय, अजय पाण्डेय, संजय लाला, वरुण कुमार, अजीत गुप्ता, राजकुमार सिंह, छठीलाल प्रसाद, वंसराज, प्रीति श्रीवास्तव, रीति श्रीवास्तव, अमित वर्मा, भगवान सिंह, दसरथ बेदिया, विनोद सोनी, दिलीप दास, प्रताप बेदिया, शिव शंकर सिंह आदि शामिल थे.

अवैध रूप से संचालित आरा मशीन पर वन विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

मशीन सहित भारी मात्रा में पटरा जब्त

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के हजारीधमना में अवैध रूप से संचालित आरा मशीन पर वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरा मशीन सहित भारी मात्रा में चिरान पटरा जब्त किया है. इस संबंध में वनरक्षी पंकज कुमार ने बताया कि हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के वन प्रमंडल पदाधिकारी को गुप्त सूचना मिली कि चौपारण के हजारीधमना के बराकर नदी के किनारे चतरा जिले की सीमा पर अवैध रूप से आरा मशीन संचालित की जा रही है. सूचना के आधार पर तुरंत छापेमारी टीम का गठन किया गया. बरही तथा चौपारण के वनकर्मियों की टीम ने अवैध आरा मशीन पर छापा मारा. अवैध लकड़ी एवं मशीन को जब्त कर रेंज कार्यालय चौपारण लाया गया. बताते चलें कि दो जिलों के सीमांकन का लाभ उठाकर अवैध मशीन संचालित की जा रही थी. अभियुक्त के खिलाफ जांच कर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया की जा रही है. छापेमारी टीम में बरही के प्रभारी वनपाल अमर आनंद, सरस्वती वनरक्षी दीपक यादव, वीरेंद्र कुमार बरकट्ठा के प्रभारी वनपाल आनंद कुमार सिंह, वनरक्षी शिशिर मिंज, चौपारण के प्रभारी वनपाल राहुल कुमार, वनरक्षी पंकज कुमार,अजीत कुमार गंजू एवं अन्य दैनिक कर्मी शामिल थे.

इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई ने बड़कागांव प्रखंड में किया जनसंपर्क

अब युवाओं को मिलेगा बेहतर जीवन : पटेल

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल ने गुरुवार को बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र में चुनावी जनसंपर्क किया. इस दौरान उन्होंने जनसभा और डोर टू डोर कैंपेन कर ग्रामीणों से हाथ छाप पर बटन दबाकर कांग्रेस को वोट करने की अपील की. उन्होंने ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी की नीतियों से जनता अब तंग आ चुकी है. नौजवान, किसान, जवान, महिला सभी लोग परेशान हैं. देश में बदलाव की लहर है और हज़ारीबाग़ का राजनीतिक माहौल इसका उदाहरण है. उन्होंने बड़कागांव की सबसे बड़ी समस्या विस्थापन पर बात करते हुए कहा कि जैसे ही केंद्र में कांग्रेस की सरकार आएगी, सर्वप्रथम विस्थापन की नीतियों में सुधार लाया जाएगा. अब बड़कागांव के युवाओं को जेल और लाठी नहीं बल्कि पक्की नौकरी और बेहतर जीवन मिलेगा.

विधायक अंबा प्रसाद भी पटेल के साथ मौजूद रहीं : जनसंपर्क के दौरान बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद भी पटेल के साथ मौजूद रहीं. उन्होंने जेपी पटेल के बड़कागांव पहुंचने पर समर्थकों के साथ उनका ज़ोरदार स्वागत किया और क्षेत्र के लोगों से उन्हें वोट देकर भारी मतों से जिताने की अपील की. जनसंपर्क अभियान में झामुमो केंद्रीय सचिव सह मुख्य संयोजक हजारीबाग संजीव बेदिया, संजय सिंह, विशेश्वर चौबे, झमन, राजेश गुप्ता, पदम साव, संजय भुईयां, हेमंत भुइयां, सरोज मेहता, प्रभू भुईयां, नंदकिशोर भुईयां, इंदरदेव राम, मोती भुइयां, सोमर भुईयां, संजय सिंह, हाजी तबस्सुम, सुरेश महतो, दीपक करमाली, जमाल सगीर, पंकज गुप्ता, झमन महतो, चन्दर साव, संजय भुईंया, नंदकिशोर भुईंया, जगतनंदन प्रसाद गुप्ता, पदुम साव, शमशेर आलम ,राजेश गुप्ता, राजेश रजक, कुलेश्वर राम, रविंद्र गुप्ता, प्रभु राम, दिपु साव, बाबुलाल साव आदि उपस्थित रहे.

वज्रपात की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत, पसरा मातम

- घर वालों ने पोस्टमार्टम कराए बिना ही किया अंतिम संस्कार

संवाददाता। हजारीबाग

सतगावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत मरचोई पंचायत के ग्राम गोनारडीह में मंगलवार को बारिश के दौरान वज्रपात से एक व्यक्ति की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है. मृतक की पहचान 46 वर्षीय संजय राजवंशी, पिता जागो राजवंशी के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार मृतक व्यक्ति घर में बैठा हुआ था, तभी तेज आंधी व पानी के साथ ओलावृष्टि होने लगी तथा जोरदार आवाज के साथ वज्रपात हुई.

इसी दौरान संजय घर के निकट एक पेड़ के पास गया तभी अचानक बहुत जोर के साथ वज्रपात हुई और संजय राजवंशी उसकी चपेट में आ गया. इसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई. आसपास के लोग दौड़ कर आए. आनन फानन में 108 एंबुलेंस को बुलाकर संजय को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उसे कोडरमा रेफर कर दिया, जहां ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई. इस घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया है. मृतक अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला व्यक्ति था. वह अपने पीछे पांच पुत्री और एक पुत्र छोड़ गया है. दो पुत्री और पुत्र का विवाह नहीं हुआ है. इधर, संजय राजवंशी का बगैर पोस्टमार्टम कराये ही दाह-संस्कार कर दिया गया. जानकारी के मुताबिक उसके पिता ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया था. जनप्रतिनिधियों द्वारा समझाने बुझाने के बाद भी वह नहीं माने. वहीं संजय राजवंशी के परिजनों का रो-रो बुरा हाल है.

80 साल के नेता ने कहा-मतदाता बनने के बाद हर बार मतदान किया

वोटिंग के लिए उत्साह से लबरेज खीरू

संवाददाता। हजारीबाग

मैं 20 वर्ष पहले ही रिटायर हो गया हूं. मेरी याद से मतदाता बनने के बाद मैंने हर बार मतदान में भाग लिया है. अब 80 वर्ष का हो गया हूं फिर भी इस बार के मतदान में मैं अवश्य अपने मताधिकार का प्रयोग करूंगा. मतदान करना मेरे लिए हर्ष का विषय है. उक्त बातें गुरुवार को मतदान के लिए उत्साह से लबरेज 80 वर्षीय खीरू महतो ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार से कही. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुरुवार को हजारीबाग जिले के इचाक स्थित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर लोकसभा निर्वाचन के लिए तैयारियों की वस्तुस्थिति से अवगत हो रहे थे. मतदान केंद्रों के भौतिक निरीक्षण एवं वोटर इन्फॉर्मेशन स्लिप के वितरण की अद्यतन स्थिति के बारे में बीएलओ से पूछताछ के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित मतदान केंद्र के बीएलओ द्वारा समर्पित सूची का ग्रामीणों एवं उस क्षेत्र के लोगों से सत्यापन कराया. इस क्रम में एएसडी सूची के लोगों के नाम पुकारे गए एवं उनके बारे में आसपास के लोगों से जानकारी ली गयी. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीण एवं शहरी मतदाताओं से मतदान में भाग लेने की अपील की. साथ ही वैसे लोग जो क्षेत्र में रहने के बाद भी मतदान करना नहीं चाहते, उन्हें इसके महत्व को समझाने और मतदान के प्रति प्रेरित करने को कहा. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने हजारीबाग जिले के भ्रमण के दौरान राजकीय मध्य विद्यालय ईचाक, राजकीयकृत मध्य विद्यालय देवकुली, आंगनबाड़ी केंद्र पेलावल उत्तरी एवं आंगनबाड़ी केंद्र ईदगाह चौक पेलावल दक्षिणी में स्थित मतदान केंद्र का निरीक्षण किया. इस अवसर पर हजारीबाग जिला निर्वाचन पदाधिकारी नैन्सी सहाय, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित हजारीबाग जिले में निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

इंडिया गठबंधन की प्रचार गाड़ी को शैलेंद्र यादव ने किया रवाना

संवाददाता। हजारीबाग

जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल के प्रचार गाड़ी को झंडा दिखाकर हज़ारीबाग़ लोकसभा क्षेत्र में रवाना किया. इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, बिनोद सिंह, अकील अहमद, साजिद हुसैन उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, अजय गुप्ता, सुनिल अग्रवाल, अनिल भुइयां, नौशाद आलम, नरसिंह प्रजापति, अजित सिंह, सत्यनारायण प्रसाद, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, प्रकाश यादव, साजिद अली खान, रघु जायसवाल, कृष्णा किशोर प्रसाद, परवेज अहमद, गुड्डू सिंह, बाबर अंसारी, मो. रब्बानी, सदरूल होद्दा, पंचम पासवान, शब्बीर अली, चंद्रशेखर आजाद, शुभम शर्मा, असगर अली, अमृतेष रंजन, असगर अली, भैया असीम कुमार, अख्तर हुसैन, राशिद खान, दिलीप कुमार रवि, सैयद अशरफ अली, खलील अंसारी, मो. शरफुउद्दीन, शमशाद आलम, रंजीत यादव मुगेश्वर प्रसाद चौधरी, गोवर्धन गंझू के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे.

पहल बंगाली एसोसिएशन के तत्वावधान में सांस्कृतिक संध्या आयोजित

टैगौर रचित 'हे नूतन' की प्रस्तुती ने मोहा मन

संवाददाता। हजारीबाग

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के जन्म जयंती के अवसर पर बुधवार शाम को बंगाली एसोसिएशन झारखंड की हजारीबाग इकाई के तत्वावधान में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यूनियन क्लब एवं लाइब्रेरी परिसर में स्थित केशव हाल में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन गुरुदेव के चित्र पर पुष्पार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया. सर्वप्रथम एक समूह गान प्रस्तुत किया गया. इसमें रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित अपने ही जन्म दिवस से संबंधित गीत 'हे नूतन' को पूरी भावनाओं के साथ गया गया. डोला गुहा, बोनिता दे, सोनाली भट्टाचार्जी, तापसी दास, मधुछंदा मुखर्जी एवं प्रीतम चक्रवर्ती ने इस गीत को प्रस्तुत किया. इसके बाद मैत्रेई घोष एवं सतरूपा ने गुरुदेव द्वारा रचित अलग-अलग कविता का पाठ किया. मधुछंदा एवं प्रीतम ने अलग-अलग एकल गीत को प्रस्तुत किया. राधा समानता के गिटार वादन द्वारा रविंद्र संगीत "आमी चीनी गो चीनी" प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया. डॉ. सजल मुखर्जी ने अपने संबोधन में रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन यात्रा एवं विचार यात्रा पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर सुष्मिता चट्टराज एवं शतरूपा ने भिन्न-भिन्न गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया. रीता भद्र, संध्या धणपति एवं रूपा पाल ने एक समूह गान के रूप में "मेला भानगाढ़ खेला" प्रस्तुत किया. संघ के अध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने सबका स्वागत किया तथा विकास चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी जेपी पटेल के पक्ष में कार्यक्रम आयोजित

नुक्कड़ सभा कर पटेल के लिए मांगा वोट

संवाददाता। विष्णुगढ़

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे मांडू विधायक जय प्रकाश भाई पटेल के पक्ष में गठबंधन दलों के कार्यकर्ताओं ने प्रखंड के भेलवारा में नुक्कड़ सभा के जरिये गुरुवार को मतदाताओं से समर्थन मांगा. चुनाव प्रभारी गुरु प्रसाद साव, हिरामन महतो तथा महताब हुसैन के ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया. सभा में इंडिया एलाइंस के घोषणा पत्र की जानकारी दी और राजग के दस वर्षों के शासन को नकारा बताया. कार्यक्रम में भेलवारा पंचायत की मुखिया प्रतिनिधि गंगाधर महतो, उप मुखिया प्रतिनिधि विनोद साव, महेंद्र कुमार, अशोक मरांडी, दिनेश मंडल, साहेब राम, रामकीशीरी महतो, गंगो महतो, सुरेश प्रसाद, चेतलाल महतो, झमन महतो मिथलेश महतो, दिलेश्वर महतो, नारायण महतो, प्रकाश महतो, लालजी महतो, प्रमोद महतो, सुखदेव मंडल, संतोष मंडल, निशांत मंडल, दिलीप हंसदा, इंदर गांझू, बंधन महतो, भुनेश्वर महतो, जयनंदन महतो, जीबाधन महतो, चेतलाल महतो , सिकेंद्र महतो, पिंटू महतो, राम विलास महतो, अशोक महतो, मनोज मुर्मू व राजेश हांसदा की भागीदारी रही.

आपका सांसद कैसा हो

बुद्धिजीवियों ने रखी अपनी बात , कहा

जो जन सुलभ और जन समस्याओं के प्रति जागरूक हो

1. जिसे क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी हो
2. संसद में क्षेत्र के मुद्दों को प्रमुखता से रख सके
3. विकास कार्यों के प्रति जागरूक और जानकार हो

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है. देश सात चरणों में मतदान होने हैं. झारखंड में चार चरणों में वोट डाले जाएंगे. वोट प्रतिशत बढ़े और निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारी की जा रही है. प्रत्याशियों के नामांकन का दौर भी जारी है. इस बीच लोगों में यह चर्चा खास है कि वे किसको अपना प्रतिनिधि चुने. यानी उनका सांसद कैसा हो. इस मुद्दे पर लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं. ज्यादातर का कहना है कि उनका सांसद जन सुलभ, विकास कार्यों में रुचि रखने वाला और जन समस्याओं के प्रति गंभीर होना चाहिए. जिस क्षेत्र का वह प्रतिनिधित्व कर रहा है, वहां की समस्याओं के प्रति तो उसे सजग होना ही चाहिए. साथ ही इन समस्याओं को संसद में प्रमुखता से रखने और उसके लिए आवाज उठाने की क्षमता भी उसमें हो. राज्य के विभिन्न जिलों से बुद्धिजीवियों से इस संबंध में शुभम संदेश की टीम ने उनकी राय जानी है. पेश है रिपोर्ट.

चहुंमुखी विकास करने वाला हो हमारा सांसद : डॉ. कमर

घाटशिला के लोकसभा चुनाव में आपका सांसद कैसा हो इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिक्षक डॉ. कमर अली ने कहा हमारा सांसद क्षेत्र में चहुमुखी विकास करने वाला होना चाहिए. केंद्र की विभिन्न योजनाओं को धरातल पर लाने का प्रयास करने वाला होना चाहिए. साथ ही जनप्रतिनिधि को अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति सजग रहने की जरुत है. विक ास कार्यों में रुचि रखने वाला हो.

योजनाओं को धरातल पर उतार सके : वीरेंद्र

घाटशिला के व्यवसाई वीरेंद्र प्रसाद ने इस संबंध में अपनी राय जाहिर करते हुए कहा कि हमारा सांसद ऐसा हो कि केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतरे. यहां सबसे बड़ी समस्या तकनीकी शिक्षा की कमी है. इसके अलावा रोजगार के साधन युवाओं को उपलब्ध हो ऐसी योजना बननी चाहिए. सांसद को जन सुलभ भी होना चाहिए. साथ ही क्षेत्र की समस्याओं को दमदार तरीके से संसद में उठा सके हमें वैसा सांसद चाहिए.

माइंस, कंपनियों को खुलवाए : डॉ. भगान

घाटशिला के डॉ. भगान हेंब्रम ने कहा कि हमारा सांसद ऐसा हो कि क्षेत्र में बंद पड़ी माइंस एवं कंपनियों को खुलवाने का प्रयास करे. कंपनियों के बंद होने के कारण यहां काफी संख्या में लोग बेरोजगार हो गए हैं. साथ ही फोरलेन पर एक अंडर पास बनाने को लेकर वर्षों से मांग की जा रही है उसे पूरा करने वाला सांसद चाहिए. बड़ी बात यह है कि हमारा सांसद वैसा हो जो क्षेत्र की समस्या को समझे और उसे पूरा कर सके.

शिक्षित और ईमानदार होना चाहिए : अजीत

घाटशिला के अधिवक्ता अजीत कुमार ने कहा कि हमारा सांसद शिक्षित और ईमानदार होना चाहिए. ताकि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान कर सके. घाटशिला की सबसे बड़ी समस्या वर्षों से बंद पड़ी भारत सरकार के उपक्रम आईसीसी कंपनी की है. कंपनी के बंद होने से हजारों लोग बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं. केंद्र सरकार की कई योजना धरातल पर लाने वाला सांसद चाहिए.

तेज गति से विकास को धरातल पर उतार सके : संजीत अग्रवाल

गोड्डा के चार्टड अकाउंटेंट संजीत अग्रवाल कहते हैं कि गोड्डा अति पिछड़ा क्षेत्र रहा है. हाल के दिनों में यह विकास की राह पकड़ी है. यह गति रुकनी नहीं चाहिए. हमें ऐसा सांसद चाहिए जो विकास को तेज रफ्तार से धरातल पर उतार सके. सार्वजनिक विकास होना चाहिए न कि व्यक्ति विशेष और परिवार का ही विकास हो. ऐसा जनप्रतिनिधि की जरूरत है हमारे क्षेत्र की समस्याओं को समझ सके.गोड्डा लोकसभा की पहचान दिलाने वाले प्रतिनिधि की जरूरत है.

जो क्षेत्र का पूर्ण विकास कर सके : डॉ. प्रशांत

गोड्डा के युवा चिकित्सक डॉ. प्रशांत मिश्रा कहते है कि अगर हमारा नेता अच्छा होगा तभी तरक्की होगी. सिर्फ जगह भरने से काम नहीं चलेगा. पूर्व में भी सांसद चुन कर जाते थे मगर जनता को अपने प्रतिनिधि का कभी दर्शन ही नहीं होता था. विकास तो दूर की बात है. एक विजन के तहत गोड्डा लोकसभा क्षेत्र का संपूर्ण विकास करे ऐसा योग्य नेता को चुना जाना चाहिए.अच्छे आदमी के हाथों में सत्ता रहने से ही देश का समुचित विकास संभव है

नेतृत्व ईमानदार हाथों में होना चाहिए : धर्मेंद्र

गोड्डा के युवा अधिवक्ता धर्मेंद्र नारायण कहते हैं कि अगर देश का नेतृत्व मजबूत और ईमानदार हाथों में होना चाहिए. तभी देश का समुचित विकास संभव है. आज देश विदेश में कई मुद्दों को लेकर उथल पुथल मची हुई है. ऐसे में जरूरत है अच्छे नेता की जो हमारा कल्याण कर सके. चुनाव में अगड़ा-पिछड़ा, ऊंच-नीच की राजनीति छोड़ सिर्फ और सिर्फ विकास पर फोकस करना चाहिए. स्थानीय प्रतिनिधि भी आम जनता के सुख दुख में भागीदार हो ऐसे व्यक्ति को चुनना चाहिए.

जनता के सुख-दुख में भागीदारी निभाने वाला हो सांसद : रंजीत गिरि

बोकारो सिविल कोर्ट के वरीय अधिवक्ता रंजीत गिरि ने कहा कि हामर सांसद ऐसा हो, जो दिन रात जनता के हर सुख दुख में एक आवाज में हाजिर हो. साथ ही जनमुद्दों की उनके अंदर गहरी सोंच हो एवं क्षेत्र की हर छोटी बड़ी समस्या को सदन में उठाकर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास कर सकें. सांसद ऐसा हो जिनकी छवि दागदार न होकर बिल्कुल साफ सुथरी हो, ताकि जनता को उस पर विश्वास हो. उन्होंने बताया कि सांसद ऐसा हो जो चुनाव जीतने से पूर्व वही वादे जनता से करे, जो पूरा कर सके. लोकलुभावन वादों से दूर रहनेवाला हमारा सांसद होना चाहिए.

क्षेत्रीय के अलावा राष्ट्रीय मुद्दे की हो गहरी समझ : ज्ञानेश जायसवाल

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के खैराचातर निवासी बुद्धिजीवी ज्ञानेश जायसवाल ने बताया कि हमारा सांसद ऐसा हो जो क्षेत्रीय के साथ साथ राष्ट्रीय मुद्दे की जिनकी गहरी समझ हो. पांच साल तक जनता की सेवा करे और अपने लोकसभा क्षेत्र के हर गली कूचे में विकास कार्य कर जनता का विश्वास जीत सके. उन्होंने बताया कि लोकसभा क्षेत्र में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा समेत अन्य जनहित के मुद्दे पर गंभीर होकर विकास का कार्य करे वहीं हमारा सांसद हो. साथ ही जो क्षेत्र की ज्यादा से ज्यादा संख्या में समस्याओं को सदन में उठाये और समय समय पर क्षेत्र में भी लोगों के बीच आये, वैसा हमारा सांसद हो.

जो अपने क्षेत्र के विकास के प्रति तत्पर हो : अमित कुमार

गिरिडीह के गांडेय प्रखंड के बुद्धिजीवी अमित कुमार ने कहा कि कोडरमा लोकसभा का सांसद ऐसा होना चाहिए, जो जनहित में काम करें . जनता के सुख-दुख में शामिल रहे . राष्ट्र के निर्माण में सांसद की अहम भूमिका होती है . क्षेत्र के विकास के प्रति वह सदैव तत्पर हो . कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में बिजली,पानी,स्वास्थ्य, सडक और रोजगार की बड़ी समस्या है . नव निर्वाचित सांसद को इन समस्या के समाधान में विशेष ध्यान रखें . वह क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी के साथ साथ जन भावनाओं को समझे.

जो आम जनता की समस्या को समझे : डॉ. अशोक कुमार वर्मा

जमुआ, गिरिडीह के चिकित्सक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि हमारा सांसद ऐसा होना चाहिए, जो आम जनता की समस्या को समझे और उसके निदान का प्रयास करें . इस संसदीय क्षेत्र में बड़े अस्पताल की कमी है . जिस कारण मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बड़े शहरों में जाना पड़ता है . कोडरमा संसदीय क्षेत्र में सांसद स्वास्थ्य की ऐसी व्यवस्था करें कि लोगों को बाहर जाने की जरूरत ही नहीं पड़े . जन वितरण प्रणाली की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी सांसद को प्रयास करना चाहिए . गांव की कच्ची सड़क के पक्कीकरण की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाना चाहिए.

समझदार और मजबूत नेतृत्व की क्षमता वाला हो : घनश्याम गोस्वामी

तिसरी,गिरिडीह के शिक्षक घनश्याम गोस्वामी ने कहा कि हमारा सांसद शिक्षित और नेतृत्व करने की क्षमता वाला होना चाहिए . ताकि क्षेत्र का समुचित विकास हो सके . नव निर्वाचित सांसद क्षेत्र में और संसद भवन में भी मौजूद रहे . इससे विकास की गति तेज होने के साथ-साथ जनता की समस्या का भी समाधान होगा . आम जनता के सुख दुख में भी सांसद शामिल रहे. बड़ी बात यह है वह लोगों की भावना को समझे और अपने क्षेत्र में विकास के कार्यों को प्राथमिकता के साथ करे.

ऐसा व्यक्ति जो वर्गों के विकास के लिए तत्पर हो : महेंद्र त्रिवेदी

बेंगाबाद के बुद्धिजीवी महेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि हमारा सांसद जनता के बीच रहने वाला होना चाहिए . सभी वर्ग के विकास के लिए तत्पर होना चाहिए . कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में कई प्रकार की समस्याएं हैं . नव निर्वाचित सांसद को इसके समाधान के लिए हर सम्भव प्रयास करना चाहिए, इसके साथ ही उसे क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी हो तथा जनता के बीच रहने वाला व्यक्ति हो. अगर किसी को मिलना हो तो उनसे आसानी से मिल सके और अपनी समस्या बता सके.

सांसद जो सर्वसुलभ हो: प्रशांत राहुल

लातेहार के झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता प्रशांत राहुल ने कहा है कि सांसद को सर्वसुलभ होना चाहिए. जिसके पास क्षेत्र का विकास करने का विजन या मैप हो, उस प्रत्याशी को अपना बहुमूल्य मतदान देना चाहिए. चतरा लोकसभा क्षेत्र में बेरोजगार और पलायन चरम पर है. खनिज संपदा से परिपूर्ण होने के बाद भी यहां कोई कल कारखाना नहीं है. मजदूर दूसरे राज्यों में काम करने जा रहे हैं. यह क्षेत्र का सबसे बड़ा मुद्दा है. इन मुद्दों की बात करने वाले को ही क्षेत्र का सांसद चुनना चाहिए.

स्थानीय सांसद होना चाहिए: अमित गुप्ता

लातेहार के व्यवहार न्यायालय, लातेहार में कार्यरत अधिवक्ता अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि सांसद को स्थानीय होना चाहिए. स्थानीय सांसद होने से क्षेत्र से उनका भावनात्मक लगाव होगा और वे क्षेत्र के विकास के लिए खासे गंभीर रहेंगे. इसके अलावा सांसद ऐसा होना चाहिए जो कि क्षेत्र की आवाज को दिल्ली तक पहुंचा सके. क्षेत्र में कई राष्ट्रीय स्तरीय परियोजनायें लंबित हैं. उनमें मंडल डैम और चिरिमिरी रेल लाइन प्रमुख है. चिरिमिरी रेल लाइन का निर्माण कार्य पूरा होने से रांची से मुंबई की दूरी काफी कम हो जायेगी.

विकास की सोच वाला हो सांसद : डॉ. हरि प्रसाद

लातेहार के गांधी इंटर कॉलेज के सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. हरि प्रसाद ने कहा कि सांसद को क्षेत्र के विकास की सोंच रखने वाला होना चाहिए. चतरा संसदीय क्षेत्र में विकास की असीम संभावनायें हैं. यहां अकूत खनिज संपदा व वन संपदा है. इसका इस्तेमाल क्षेत्र के विकास के लिए किया जा सकता है. यह भी एक विडंबना है कि अकूत खनिज संपदा रहते हुए भी क्षेत्र में एक भी कल कारखाना नहीं है.

जो अपने किए वादे को पूरा करे : डॉ. मंटू महतो

चांडिल चौका के चिकित्सक डॉक्टर मंटू महतो ने कहा कि सांसद ऐसा हो जो जनता से किए वादों को पूरा करें और दूसरी बार अपनी उपलब्धियां बताकर जनता से वोट मांगे. ऐसा नहीं कि दूसरे की उपलब्धि को बताकर लोगों के बीच जाएं. सांसद पढ़ा-लिखा और जमीन से जुड़ा व्यक्ति होना चाहिए. चुनाव जीतने के बाद सांसद सीधे जनता से मिले न की क्षेत्र आने पर अपने कार्यकर्ता और चापलूसों से घिरे रहे. लोगों को भी चुनाव में सोच समझ कर मतदान करने की जरूरत है. लोग वैसे उम्मीदवार को अपना वोट दें, जो क्षेत्र से जुड़े रहते हैं और लोगों के सुख-दुख में सहभागिता निभाते हैं. हवा हवाई नेताओं से जनता को दूर रहने की जरूरत है.

स्थानीय मुद्दों को लेकर सजग रहे : महेंद्र कुमार

चांडिल अनुमंडल न्यायालय के अधिवक्ता महेंद्र कुमार महतो ने कहा कि चुनाव के दौरान उम्मीदवार मतदाताओं को सुनहरे सपने दिखाकर वोट मांगते हैं. वहीं चुनाव जीतने के बाद जनता से किए वादों को भूल जाते हैं. हमारा सांसद ऐसा हो जो स्थानीय समस्याओं के निराकरण को लेकर सजग रहे और समस्याओं का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर करें. चांडिल को अनुमंडल बने दो दशक बीत गए, लेकिन न चांडिल अनुमंडल में जेल बना है न यहां कोषागार है. चांडिल अनुमंडल की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा भी नहीं मिल पाती है. अनुमंडलीय अस्पताल भी करीब दो दशक से अधूरा पड़ा है.

स्थानीय मुद्दों को लेकर सजग रहे : डॉ गुरुचरण गोराई

चांडिल के चिकित्सक डॉ गुरुचरण गोराई ने कहा कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार लोगों को दिवास्वप्न दिखाकर अपने पक्ष में कर लेते हैं. चुनाव जीतने के बाद जब सांसद बनने वाला उम्मीदवार जनता से किए वादे तो क्या जनता को ही भूल जाते हैं. तब लोग अपने को ठगा हुआ महसूस करते हैं. ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. यहां पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली समेत कई मूलभूत सुविधाओं का अभाव है. ऐसे में हम अपने सांसद को बेहतर कैसे बता सकते हैं. किसी क्षेत्र की जनता जब समस्याओं से दूर खुशहाल जिंदगी जीते हैं, तब उन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की तारीफ हर मंच पर होती है.

मिलनसार व्यावहार वाला होना चाहिए सांसदः अमित कुमार

चक्रधरपुर के अधिवक्ता अमित कुमार का कहना है कि सांसद जनता की आवाज को संसद में रखते हैं. इसलिए सांसद का व्यवहार मिलनसार होना चाहिए,ताकि जनता अपनी बातों को सांसद के पास रख सकें.चुनाव जीतने के बाद सांसद जनता से सीधे तौर पर संवाद करें, ताकि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान हो सकें.वहीं एक सांसद को शिक्षित भी होना जरुरी है,ताकि विकास कार्यों को धरातल पर उतारा जा सकें.

ईमानदार व वायदे को पूरा करने वाला हो सांसदः के नागराजू

चक्रधरपुर के मधुसूदन पब्लिक स्कूल के प्राचार्य के नागराजू ने कहा कि सांसद ईमानदार व अपने वायदे को पूरा करने वाला होना चाहिए. साथ ही उसे क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी होनी चाहिए. चुनाव से पूर्व जो वायदे नेता करते हैं तो उसे पूरा करने का कर्तव्य भी उनका है,जीतने के बाद कई नेता अपने वायदे भूल जाते हैं. ऐसा नहीं होना चाहिए, ताकि दोबारा चुनाव में वे जनता के बीच जा सकें.

सच्चा राष्ट्रभक्त होना चाहिए सांसदः डॉ. श्रीनिवास कुमार

चक्रधरपुर के जवाहर लाल नेहरु कॉलेज के प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास कुमार ने कहा कि एक सांसद को राष्ट्रभक्त होना चाहिए, ताकि वह देशहित के लिए सोच सकें. एक सांसद को जाति,धर्म,भेदभाव से ऊपर उठकर एक बेहतर नागरिक होना चाहिए, ताकि वह जनता की आवाज बनकर संसद में रख सकें. सांसद पूरी तरह से ईमानदार व निष्ठावान होना चाहिए. क्षेत्र की समस्याओं को चिह्नित कर दूर करने वाला सांसद होना चाहिए.

सांसद को मृदभाषी व कर्मठ होना चाहिएःडॉ. मनोज कुमार कोड़ाह

रांची रिम्स के डॉक्टर मनोज कुमार कोड़ाह ने कहा कि सांसद को मृदभाषी व कर्मठ होना चाहिए. जनता के द्वारा चुने गये सांसद के पास लोग अपने क्षेत्र की समस्याएं रख सकें. वहीं सांसद भी विकास कार्य पर ध्यान देकर समस्याओं को दूर करने वाला होना चाहिए, तभी हमारा क्षेत्र आगे बढ़ेगा.शिक्षा, स्वास्थ्य व विकास कार्यों पर प्रमुखता से कार्य कर सकें ऐसा सांसद होना चाहिए.

हमारा सांसद शिक्षित और साफ छवि का होना चाहिए : मो. जावेद

धनबाद के अधिवक्ता मोहम्मद जावेद ने कहा कि धनबाद का सांसद शिक्षित और साफ छवि का हो . जिसे सांसद कहने में शर्मिंदगी महसूस ना हो.अपने कार्यकाल में क्षेत्र का विकास करें .जन समस्याओं के मुद्दे पर विशेष ध्यान दें. जिस घोषणा पत्र को जनप्रतिनिधि जनता के समक्ष रखते है, घोषणा पत्र को चुनावी शिगुफा न बनाये बल्कि उसे पूरा करने का काम करे. तभी सही अर्थों में वह क्षेत्र का जनप्रतिनिधि कहलाएगा.

ट्रामा सेंटर व मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल बनवाए : डॉ नरेश

धनबाद के शिशुरोग विशेषज्ञ डॉक्टर नरेश प्रसाद ने कहा कि हमारा सांसद ऐसा हो जो धनबाद की जन समस्याओं को पुरजोर तरीके सदन में रख सके. चुप रहने से क्षेत्र का विकास सम्भव नहीं है. धनबाद में ट्रामा सेंटर ,मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल और एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं बनवाए. क्योंकि यह भी धनबाद के विकास का एक हिस्सा हैं. शिक्षित हो और धनबाद के लिए बोलने वाला हो.

धनबाद से माफियागिरी को जड़ से खत्म करने वाला हो : इरफान खान

धनबाद के हेलो किड्स स्मार्ट स्कूल फुसबंगला शालीमार के प्राचार्य इरफान खान ने कहा कि हमारा सांसद ऐसा हो जो शिक्षा पर जोर दे और माफिया गिरी को जड़ से खत्म करें. ताकि धनबाद की जनता शांति से अपना जीवन यापन कर सके. धनबाद में एयरपोर्ट ,स्वास्थ,पानी,बिजली और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए फ्लाइओवर की व्यवस्था करे . बेरोजगार युवाओ के लिए रोजगार को लेकर नई फैक्टरियां लगवाए.

सांसद ऐसा हो जो यहां भयमुक्त वातावरण बना सके : सुधांशु

धनबाद बीएलएन पब्लिक स्कूल पतराकुल्ही के प्राचार्य सुधांशु शेखर ने कहा कि सांसद ऐसा हो जो धनबाद में भयमुक्त वातावरण बना सके. साथ ही जनता को सांसद से मिलने में कोई भय न हो, जनता निर्भीक होकर अपनी बात सांसद के समक्ष रख सके. शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ विकास पर भी विशेष ध्यान दे. क्षेत्र में शिक्षा के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने का काम करे, जिसकी यहां बहुत जरुरत है.

इंसाफ की संभावनाएं क्षीण

रोहित वेमुला अपने जीते-जी जातिगत प्रताड़ना का शिकार हुए, जिससे उन्हें मुक्ति नहीं मिली तो उन्होंने आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठाकर खुद को जीवन से मुक्त कर लिया. अब मौत के बाद भी उन्हें इंसाफ मिलने की संभावनाएं क्षीण होती नजर आ रही हैं. 17 जनवरी 2016 को हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र रोहित वेमुला ने आत्महत्या की थी और मौत से पहले एक ऐसा खत छोड़ा था, जिसमें लिखी बातों से कोई भी संवेदनशील इंसान सिहर जाए. रोहित विज्ञान लेखक बनने की ख्वाहिश रखते थे, चांद-सितारों पर लिखना चाहते थे, लेकिन उनके मुताबिक वे केवल अपनी मौत की चिट्ठी ही लिख पाए. रोहित वेमुला की मौत बराबरी की बातें करने वाले समाज के मुंह पर एक तमाचा थी, क्योंकि एक संभावनाशील युवा प्रशासनिक और शैक्षणिक व्यवस्था को खोखला करने वाले जातिगत भेदभाव की दीमक का शिकार हो गया था. यह दीमक अब भी उसका पीछा नहीं छोड़ रही है.

> अब क्लोजर रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि रोहित वेमुला का अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र 'धोखाधड़ी' से हासिल किया गया था. जिस तरह से यहां धोखाधड़ी शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उससे जाहिर होता है कि उनके साथ हुई नाइंसाफी को सही ठहराने की कोशिश यहां हो रही है.

क्योंकि इस मामले में तेलंगाना पुलिस की जो क्लोजर रिपोर्ट सामने आई है, उसके मुताबिक़, रोहित वेमुला की आत्महत्या के लिए कोई भी दोषी नहीं है, साथ ही इसमें कहा गया है कि रोहित वेमुला 'दलित' नहीं थे, बल्कि अन्य पिछड़ा वर्ग से थे. रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि रोहित वेमुला को आत्महत्या के लिए किसी ने नहीं उकसाया. यह क्लोजर रिपोर्ट रोहित वेमुला को दोबारा मारने जैसी है, क्योंकि इसमें रोहित को ही कटघरे में खड़ा करने की नीयत दिखाई दे रही है. रोहित वेमुला को दलित न मानने का तर्क हास्यास्पद लगता है, क्योंकि हैदराबाद विवि में उनका दाखिला अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र के आधार पर ही हुआ था और उन्हें पीएचडी की सुविधाएं उसी मुताबिक मिल रही थीं. मतलब विश्वविद्यालय प्रशासन, उनके शिक्षक और साथी सभी जानते थे कि रोहित वेमुला दलित थे. उनके साथ इस आधार पर भेदभाव के भी आरोप हैं, जो उनकी मौत का एक अहम कारण था. अब क्लोजर रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि रोहित वेमुला का अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र 'धोखाधड़ी' से हासिल किया गया था. जिस तरह से यहां धोखाधड़ी शब्द का इस्तेमाल हुआ है, उससे जाहिर होता है कि उनके साथ हुई नाइंसाफी को सही ठहराने की कोशिश यहां हो रही है. रोहित की मां अनुसूचित जाति से हैं तो साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक रोहित को भी अजा माना जाएगा, क्योंकि सर्वोच्च अदालत ने कहा था कि अगर पिता या मां में से कोई एक दलित है तो उनका बेटा भी दलित माना जाएगा. रोहित ने अपनी मौत से पहले जो खत लिखा, उसमें उन्होंने यूनिवर्सिटी में भेदभाव के बारे में साफ तौर पर लिखा था और बताया था कि उन्हें भावनात्मक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है.

सुभाषित

काको कृष्णः पिको कृष्णः को भेदो पिककाकयोः।
वसन्तकाले संप्राप्ते काको काकः पिको पिकः॥

कोयल भी काले रंग की होती है और कौआ भी काले रंग का ही होता है फिर दोनों में क्या भेद (अन्तर) है? वसन्त ऋतु के आगमन होते ही पता चल जाता है कि कोयल कोयल होती है और कौवा कौवा होता है. अर्थात् स्वर की मधुरता ही कौए और कोयल में भेद बता देती है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में आम चुनाव

चुनाव में तकनीक के प्रयोग से फायदे के साथ-साथ नुकसान एवं लोकतंत्र के लिए चुनौती भी है. प्रमुख नेताओं की आवाज की क्लोनिंग एवं उसके अवतार का विकास आसानी से एआई तकनीक द्वारा हो जाता है. इसके त्वरित विस्तार के कारण वास्तविक एवं नकली संदेशों में विभेद करना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा, जो कि मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा करेगा और लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं रहेगा.

• देश-काल

डॉ. कौशलेन्द्र बटोही

अभी हो रहे आम चुनाव में एक खबर अक्सर ध्यान खींचती है, जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तकनीक पर आधारित टूल के माध्यम से आठ विभिन्न भाषाओ में वास्तविक काल में प्रचारित एवं प्रसारित हो रहे हैं. ये भाषाएं हैं कन्नड, तमिल, तेलगु, मलयालम, बंगाली, ओडिशा, पंजाबी एवं मराठी. चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं तक अपनी बातों को पहुंचाने का यह एक सर्वोत्तम माध्यम बना हुआ है. ऐसा नहीं है कि प्रचार में केवल भारतीय जनता पार्टी ही इस तरह की उन्नत तकनीक का प्रयोग कर रही है, बल्कि विभिन्न राजनैतिक दल अपने क्षमता के अनुसार इस आमचुनाव में तकनीक के प्रयोग से मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं. डीएमके एवं एआईडीएमके भी तामिलनाडु में एआई एवं डिपफेक के माध्यम से प्रचार कर रहे हैं. ये दोनों तकनीक के मदद से एक वीडियो संदेश में करुणानिधि की आवाज एवं तस्वीर का प्रयोग कर वर्तमान स्टालिन सरकार की उपलब्धियों का बखान कर रहे हैं एवं यह संदेश बहुत प्रभावशाली है. इसी तरह एआईडीएमके भी जयललिता की आवाज एवं तस्वीर के साथ वीडियो संदेश के माध्यम से मतदाताओं से मत की अपील कर रहे हैं. ये सब तकनीक की उन्नत किस्म के प्रयोग का उदाहरण है, जो पहली नजर में वास्तविकता का एहसास करता है और मतदाताओं पर गहरा प्रभाव डालता है. ऐसा नहीं है कि तकनीक का प्रयोग पहली बार भारत के चुनावो में हो रहा है.

हर दौर में उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का प्रयोग अपनी क्षमता के अनुसार राजनीतिक दलों द्वारा किया जाता है. 1990 के दौर के चुनावों में फोन का प्रयोग धड़ल्ले से हुआ और कॉल के माध्यम से प्रत्याशी मतदाताओं तक पहुंचने लगे. 2007 के उत्तरप्रदेश के विधान सभा चुनाव में बहुतायत मात्रा में पहली बार मोबाइल फोन का प्रयोग एवं सामूहिक संदेशों के द्वारा मतदाताओं तक पहुंचना प्रारंभ हुआ. इसी तरह 2014 के आमचुनाव में होलोग्राम का प्रयोग हुआ एवं 3-डी इमेज के माध्यम से उस समय के प्रधानमंत्री के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी के भाषणों का प्रसार हुआ एवं चाय पर चर्चा नामक अभियान का आयोजन हुआ. इसी तरह 2019 के आम चुनाव में वाट्सअप का प्रयोग बडे पैमाने पर शुरू हुआ. संदेशों का प्रसार आसानी से इसके ग्रुपों के द्वारा होने लगा. प्रत्याशीगण ज्यादा व्यक्तिगत रूप से मतदाताओं तक पहुंचने लगे. वैसे ही वर्तमान चुनाव में एआई का प्रयोग बहुतायत स्तर पर हो रहा है. एआई आधारित तकनीक के प्रयोग से प्रचार आसान हुआ है, लोगो तक अपने मुद्दे जल्दी से जल्दी पहुंचाने में मदद मिल रही है, भाषाई बाधा या चुनौतियों को आसानी से निपटा जा रहा है, साथ ही साथ हर मतदाता से उसके नाम के साथ वीडियो संदेश या ऑडियो संदेश आसानी से पहुंचाये जा सकते हैं, जो प्रत्याशी के साथ मतदाता का व्यक्तिगत लगाव का एहसास कराने में सक्षम होंगे. ऐसे ही एआई आधारित चैटवोट लगातार ऑटो मैटिक कॉल का प्रत्याशी के आवाज मे ऑटोमेटिक कॉल कर सकता है और यह इतना उत्तम स्तर का होता है कि आभाषी होने का एहसास भी नहीं कराता है.

इसी प्रकार सोशल मीडिया का धड़ल्ले से प्रयोग भी अपने विचारों को आम आदमी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है, परन्तु तकनीक आधारित प्रचार की अपनी चुनौतियां भी हैं. अपने देश में कोई प्रभावशाली एवं सक्षम नियामक प्राधिकरण नहीं होने के कारण दुरुपयोग की संभावना भी बहुत ज्यादा है. एआई आधारित तकनीक एवं डीपफेक आसानी से उपलब्ध एवं जनसुलभ तकनीक हैं और इस कारण दुरुपयोग की संभावना भी बहुत है. जिस तेजी से संदेशों का प्रभाव होता है, इसके माध्यम से उसी रफ्तार से गलत संदेश, डीपफेक आधारित गलत तस्वीरें ऑडियो संदेश के साथ कुछ सेकेंड में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं और जब-तक उसे रेगुलेट करेंगे, तबतक वह संदेश, उम्मीदवार के लिए नुकसान पहुंचा चुका रहेगा. डीपफेक एवं एआई तकनीक का उपयोग करके किसी भी समय किसी का नकली ऑडियो एवं वीडियो बना कर वायरल किया जा सकता है और वह प्रत्याशी, उस पार्टी या व्यक्ति के लिए नुकसानदेह साबित होगा. चुनाव में तकनीक के प्रयोग से फायदे के साथ-साथ नुकसान एवं लोकतंत्र के लिए चुनौती भी है. प्रमुख नेताओं की आवाज की क्लोनिंग एवं उसके अवतार का विकास आसानी से एआई तकनीक द्वारा हो जाता है. इसके त्वरित विस्तार के कारण वास्तविक एवं नकली संदेशों में विभेद करना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा, जो कि मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा करेगा और लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं रहेगा. अभी हाल में ही ऐसा ही वीडियो अमीर खान का वायरल हुआ था, जो डिपफेक द्वारा निर्मित हुआ था एवं एक राजनैतिक दल के बारे में वह चर्चा कर रहे थे. इस एकीकृत तकनीक की पहुंच के कारण वास्तिक मुद्दों एवं नकली संदेशों के माध्यम से प्रसारित मुद्दों में विभेद करना मुश्किल होगा. दूसरा एक महत्वपूर्ण एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के नकारात्मक पहलू है, वह यह कि तकनीक के कारण उम्मीदवारों का, राजनैतिक पार्टियों का आम आदमी से व्यक्तिगत संपर्क का अभाव हो जाता है. हर उम्मीदवार सोशल मीडिया, एआई तकनीक, फोन कॉल, चैटवोट के माध्यम से संपर्क करने लगेगा तो लोकतंत्र की जीवंतता कम हो जाएगी. मानवीय पहलू गौण हो जाएगा. लोगों से लोगों का जुड़ाव कम हो जाएगा और यही जुडाव लोकतंत्र की सफलता का मूल है. वर्तमान चुनाव के प्रथम दो फेजों में कम मत प्रतिशत का एक यह भी कारण हो सकता है, क्योंकि अधिकांश चुनाव प्रचार तकनीक आधारित हो रहा है और उम्मीदवार घर-घर नहीं जाकर तकनीक के सहारे या बडे नेताओं की बडी-बडी सभाओं पर निर्भर हो रहे हैं, इसलिए मतदाताओ में भी चुनाव के प्रति रुझान कम हो रहा है. जरूरत इस बात की है कि नियंत्रित रूप से चुनावो में तकनीक का प्रयोग करते हुए चुनाव प्रचार की पारंपरिक अवधारणा को जिंदा रखते हुए इस लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

पर्यावरण और अहिंसा

पर्यावरण आज विश्व की गम्भीर समस्या हो गई है. प्रकृति को बचाना अब हमारी ज्वलंत प्राथमिकता है, लेकिन प्राकृतिक सन्तुलन को विकृत करने में स्वयं मानव का ही हाथ है. पर्यावरण और प्रदूषण मानव की पैदा की हुई समस्या है. प्रारम्भ में पृथ्वी घने वनों से भरी थी. लेकिन जनसंख्या वृद्धि और मनुष्य के सुविधाभोगी मानस ने, बसाहट,खेती-बाडी आदि के लिए वनों की कटाई शुरू की. औद्योगिकीकरण के दौर में मानव नें पर्यावरण को पूरी तरह अनदेखा कर दिया. जीवों के आश्रय स्थल उजाड़ दिए गये. न केवल वन सम्पदा और जैव सम्पदा का विनाश किया, बल्कि मानव ने जल और वायु को भी प्रदूषित कर दिया. कभी ईंधन के नाम पर तो कभी इमारतों के नाम पर. कभी खेती के नाम पर तो कभी जनसुविधा के नाम पर, मानव प्राकृतिक संसाधनों का विनाशक दोहन करता रहा. वन सम्पदा में पशु-पक्षी आदि, प्राकृतिक सन्तुलन के अभिन्न अंग होते है. प्रकृति की एक समग्र जैव व्यवस्था होती है. उसमें मानव का स्वार्थपूर्ण दखल पूरी व्यवस्था को विचलित कर देता है. मनुष्य को कोई अधिकार नहीं प्रकृति की उस व्यवस्था को अपने स्वाद, सुविधा और सुन्दरता के लिए खण्डित कर दे. अप्राकृतिक रूप से जब इस कड़ी को खण्डित करने का दुष्कर्म होता है, प्रकृति में विनाशक विकृति उत्पन्न होती है जो अन्ततः स्वयं मानव अस्तित्व के लिए ही चुनौती बन खड़ी हो जाती है. जीव-जन्तु हमारी ही भांति इस प्रकृति के आयोजन-नियोजन का अटूट हिस्सा होते हैं. वे पूरे सिस्टम को आधार प्रदान करते हैं. प्रकृति पर केवल मानव का मालिकाना हक़ नहीं है. मानव पर, प्रकृति के नियंत्रित उपयोगार्थ विधानों का आरोपण किया गया है, जिसे हम धर्मोपदेश के नाम से जानते है. वे शर्तें और विधान, यह सुनिश्चित करते हैं कि सुख सभी को समान रूप से उपलब्ध रहे. इसीलिए विश्व के सभी धर्मों के प्रणेता व महापुरुष, हिंसा, क्रूरता, जीवों को अकारण कष्ट व पीड़ा देने को गुनाह कहते हैं. वे प्रकृति के संसाधनों के मर्यादित उपभोग की सलाह देते हैं. अपरिग्रह का उपदेश देते हैं. मन वचन काया से संयमित, अनुशासित रहने की प्रेरणा देते हैं. जब वे कण-कण में भगवान होने की बात करते हैं तो अहिंसा का ही आशय होता है . सभी को सुख प्रदान करने के उद्देश्य से ही वे यह सूत्र देते है कि 'आत्मा सो परमात्मा' या हर जीव में परमात्मा का अंश होता है. यह भी कहा जाता है कि सभी को ईश्वर ने पैदा किया, अतः सभी जीव ईश्वर की सन्तान हैं. इसीलिए जीव-जन्तु, पशु-पक्षियों के साथ दया, करुणा का व्यवहार करने की शिक्षा दी जाती है. सारी बुराइयां किसी न किसी के लिए पीड़ादायक हिंसा बनती है. अतः सभी सद्गुणों को अहिंसा में समाहित किया जा सकता है. यही धर्म है.

कृषि बजट से 'अरबपति राज' से मुक्ति संभव

• कृषि क्षेत्रे

देविंदर शर्मा

भले ही वह विशुद्ध राजनीतिक कारणों से हो, भारत में धन के पुनः बंटवारे पर बहस बेहद महत्वपूर्ण है और वक्त की जरूरत भी. मुट्ठीभर अमीरों के हाथों में धन के केंद्रित होने की अप्रिय स्थिति की वजह से 'अरबपति राज का उदय' हुआ, जैसा कि पेरिस स्थित वर्ल्ड इनइक्विलिटी लैब ने इसे नाम दिया है. यह कथित 'अरबपति राज' निश्चित रूप से उद्यमशीलता के प्रति एनिमल स्पिरिट यानी जिंदादिली या भावनात्मक जोश के उजागर होने के कारण नहीं है, लेकिन यह इस बात का दुखद परिदृश्य है कि कैसे कुछ लोगों के हक में आर्थिक नीतियों और संसाधनों को अनावश्यक रूप से सौंप दिया गया. जॉन मेनार्ड केंज ने अपनी पुस्तक 'द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी' (1936) में 'एनिमल स्पिरिट्स' की व्याख्या उस असाधारण मानवीय व्यवहार के रूप में की है, जो अनिश्चयपूर्ण दशाओं में निवेशकों को वित्तीय निर्णय लेने को प्रेरित करता है. पर संभवतया केंज को यह अहसास नहीं हो कि बहुसंख्यक आबादी को ऐसे ही अवसर से वंचित रखना असल में लाखों फूलों के खिलने के लिए जरूरी उत्साह और 'एनिमल स्पिरिट' को नष्ट करना है. किसी भी मामले में, जहां केंज गलती पर हैं, वह यह है कि मुट्ठी भर अरबपतियों का होना महत्वपूर्ण नहीं है, जिनकी संपत्ति एक अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई उस मददगार प्रणाली के बल पर बढ़ती रहती है, जिसमें टैक्स छूट, बैंक ऋण बट्टे खाते में डालना और आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज शामिल हैं. बल्कि उसी के समान संसाधनों को एक समतावादी समाज के निर्माण के लिए भी खर्च करना होगा, जहां खुशी और संतुष्टि का राज हो. आख़िरकार, संसाधन सीमित हैं और यह देखना अहम है कि इन्हें कैसे वितरित किया जाता है. शायद यही वजह है कि नॉर्डिक क्षेत्र के 4 देशों स्वीडन, डेनमार्क, नॉर्वे और फिनलैंड बेहद अच्छा कर रहे हैं और खुशहाली की सूची में लगातार अव्वल रहते हैं. एक दिन टीवी पर पैनल चर्चा के दौरान मुझसे पूछा गया कि यदि धन का पुनः वितरण करना पड़ा तो सरकार क्या कर सकती है. मेरा जवाब था कि लगता नहीं है कि अमीरों का धन छीनकर गरीबों में बांटने का कोई विचार हो. चाहिये क्या कि नीतियों और दृष्टिकोणों में पुनः बदलाव कर यह यकीनी बनाना होगा कि उनका लाभ देश के किसी भी हिस्से में मौजूद अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे. मेरा पहला सुझाव होगा यह यकीनी बनाना कि सालाना बजट का 50 फीसदी कृषि को दिया जाना चाहिये, जो साल 2024 के लिए 47.66 लाख करोड़ है. जो मोटे तौर पर देश की आधी आबादी बनती है. खेती में आबादी का इतना बड़ा हिस्सा लगे होने के बावजूद वर्तमान में इस क्षेत्र को बजट आवंटन में 3 फीसदी से भी कम प्राप्त होता है. कृषि क्षेत्र में आप किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर सकते हैं यदि उचित निवेश नहीं करते. ऐसे देश में जहां सिर्फ 21 अरबपतियों के पास 700 मिलियन से अधिक की धन-संपत्ति है, और जहां 64.3 प्रतिशत आबादी से 64.3 प्रतिशत जीएसटी आता है और शीर्ष 10 फीसदी से केवल 3-4 प्रतिशत ही आता है. जहां पहले से ही काफी निवेश किया जा चुका हो, वहां संसाधनों को लगाने में कोई आर्थिक समझदारी नहीं. मुझसे सवाल किया गया कि खेती से आमदनी पर कोई टैक्स नहीं है और वह इस सेक्टर के लिए बड़ी वित्तीय मदद है. वास्तव में, पैनल चर्चा में शामिल एक वेंचर कैपिटलिस्ट ने यहां तक पूछा कि अमीर किसानों पर कर क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए, जबकि उन्हें यह अहसास नहीं था कि भारत में केवल 1 प्रतिशत कृषक समुदाय के पास ही 10 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन है, और कृषक परिवारों के लिए स्थितिजन्य आकलन सर्वेक्षण, 2019 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार शेष 99 प्रतिशत कृषक समुदाय की औसत आय लगभग 10,000 रुपये प्रति माह है. विडंबना है कि कॉर्पोरेट अर्थशास्त्रियों को कृषि क्षेत्र में व्याप्त संकट के बारे में बहुत कम जानकारी है, और वे अभी भी पुराने जमाने की आर्थिक सोच पर चलते हैं, जो किसानों को शहरों में प्रवासी दिहाड़ी मजदूरों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने पर आधारित थी. एक अन्य पैनल चर्चा में, मैंने बताया कि कैसे कॉर्पोरेट कंपनियां पिछले दस वर्षों में 16 लाख करोड़ रुपये के बैंक राइट-ऑफ लेकर गयी हैं और इसके साथ सितंबर 2019 से हर साल 1.45 लाख करोड़ रुपये की टैक्स कटौती दी गई है.

> वास्तव में, पैनल चर्चा में शामिल एक वेंचर कैपिटलिस्ट ने यहां तक पूछा कि अमीर किसानों पर कर क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए, जबकि उन्हें यह अहसास नहीं था कि भारत में केवल 1 % कृषक समुदाय के पास ही 10 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन है, और कृषक परिवारों के लिए स्थितिजन्य आकलन सर्वेक्षण, 2019 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार शेष 99 % कृषक समुदाय की औसत आय लगभग 10,000 रु. प्रति माह है.

राजनीति में अनैतिकता के सवाल का मतलब

• सियासत

अखिलेश अखिल

राजनीति में बहुत से लोग नैतिकता ढूंढ रहे हैं. आम लोगों में कितनी नैतिकता बैठी है यह तो जांच का विषय हो सकता है, लेकिन एक बात तो तय है कि नैतिकता को मापने का कोई न तो तराजू है और न ही कोई पैरामीटर. सबके अपने हिसाब से नैतिकता का पैमाना है. बड़े लोगों की अपनी नैतिकता अलग होती है, लेकिन आम लोगों की नैतिकता कुछ और ही. जिस तरह से धर्म की व्याख्या अलग-अलग तरीके से की जाती है ठीक उसी तरह से नैतिकता की भी परिभाषा दी जा सकती है. अगर मूर्खों की भाषा में बात की जाए तो नैतिकता का सीधा मतलब तो यही होता है कि जो काम समाज और देश के लिए अहितकर हो, परिवार और जाति और धर्म के खिलाफ हो और जीवन मूल्य के प्रति भी सराहनीय नहीं हो उसे आप अनैतिक कह सकते हैं लेकिन यही बात राजनीति में सही नहीं हो सकती.

राजनीति तो अपने हिसाब से चलती है. मौजूदा दौर की राजनीति अनैतिक खेल का ही नाम है और इसका एक ही उद्देश्य होता है सफलता. चुनाव के दौरान जीत और जीत के बाद फिर सत्ता पर कब्जा. लोकतंत्र के नाम पर ही यह सब होता है और हर बात में संविधान का हवाला भी दिया जाता है कि जब किसी भी व्यक्ति को बोलने की आजादी दी गई है तो फिर उसे बोलने से कौन रोक सकता है. जब बोलने से कोई किसी को नहीं रोक सकता तो फिर किसी के बोल पर बवाल क्यों मचता है? मानहानि की बातें कब और क्यों होने लगती हैं? और फिर यही कानून उस हर बोलने वाले पर भी लागू क्यों नहीं होता? ऐसे बहुत से सवाल उठते हैं. उठते भी रहेंगे, लेकिन मौजूदा समय में इसका निराकरण तो दिखता नहीं. आज इस बात की चर्चा इसलिए की जा रही है कि तमाम विरोध और इल्जाम के बाद भी देश के चुनाव में बड़ी संख्या में अपराधी किस्म के लोग चुनाव लड़ने मैदान में उतर चुके हैं. कई -कई मामले इन नेताओं पर दर्ज हैं और बड़ी बात तो यह है कि इनमें से बड़ी संख्या में लोग चुनाव भी जीतेंगे और संसद तक भी पहुंचेंगे. सरकार में भी शामिल होंगे या फिर विपक्ष में बैठकर देश की नीतियों पर चर्चा करेंगे. जिस अपराध में वे आरोपी हैं उसी अपराध की वे संसद के भीतर और बाहर व्याख्या भी करते आएंगे. लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है कि इस खेल में कोई एक दल तो शामिल है नहीं. क्या बीजेपी, क्या कांग्रेस और क्या सपा और राजद ,बसपा से लेकर दक्षिण के सभी दलों के नेता अपराध से जुड़े लोगों को मैदान में उतार रहे हैं और उतार दिए हैं. ऐसे में अब जनता को ही यह सोचने की जरूरत है कि इस अनैतिक राजनीति का सच क्या है ? शनिवार को पीएम मोदी बिहार पहुंचे. खूब हुंकार भरे और लोगों को खूब ज्ञान भी देते रहे. पीएम मोदी ने वहां जाकर 22 साल पुराने गोधरा कांड की चर्चा करने लगे. अभी तक देश के भीतर गोधरा कांड के लिए तत्कालीन गुजरात सरकार को ही दोषी ठहराया जाता रहा है, लेकिन आज पीएम मोदी ने एक नई बात का खुलासा किया. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जब रेल मंत्री थे गोधरा कांड हुआ था. कांड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया. इसके बाद जब 2004 में कांग्रेस की सरकार बनी तो लालू यादव रेल मंत्री बने. उन्होंने सोनिया गांधी के इशारे पर गोधरा कांड को लेकर एक यूसी बनर्जी जांच कमेटी बनाई. साल भर बाद कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दी जिसमें कहा गया कि साबरमती एक्सप्रेस में जिन 60 लोगों की मौत हुई, वे सब साधु तो थे, लेकिन वे ट्रेन के भीतर धूम्रपान कर रहे थे और फिर ट्रेन में आग लग गई. हालांकि आग कैसे लगी इसका कोई कारण नहीं बताया गया. मोदी ने यह भी कहा कि शहजादे के पिता यानी तेजस्वी के पिता ने मुसलमानों को बचाने के लिए ही यह सब रिपोर्ट तैयार कराया था ताकि जिन लोगों ने ट्रेन में आग लगाई उन्हें बचाया जा सके. उन्होंने लालू यादव पर कई तरह की बातें भी कहीं. उन्होंने यहां तक कहा कि लालू यादव सामाजिक न्याय का मुखौटा ओढ़कर जेल की हवा खा रहे हैं और जमानत पर घूम रहे हैं. इसमें पीएम की नैतिकता कहां खो गई है इसे कौन जाने! कह सकते हैं कि झूठ की राजनीति आज सबसे ज्यादा कुलांचें मार रही है. मकसद सिर्फ एक ही है. मकसद यही है कि किसी भी तरह से चुनाव को कैसे जीता जाए और चुनाव जीतने के लिए ध्रुवीकरण को कैसे मजबूत किया जाए. कोई मुसलमानों को पक्ष में लाने को आतुर है तो कोई सभी हिन्दुओं को पाले में खड़ा करने को आतुर. इस पूरे खेल में समाज, देश और परिवार ही खंडित क्यों न हो जाए. अनैतिक राजनीति के सहारे चुनाव जीतकर अगर कोई सत्ता के पास पहुंचता भी है तो उस नेता से कोई ऐसी अपेक्षा कर सकता है कि वह जनता और देश के साथ न्याय करेगा?

> मोदी ने यह भी कहा कि शहजादे के पिता यानी तेजस्वी के पिता ने मुसलमानों को बचाने के लिए ही यह सब रिपोर्ट तैयार कराया था ताकि जिन लोगों ने ट्रेन में आग लगाई उन्हें बचाया जा सके. उन्होंने लालू यादव पर कई तरह की बातें भी कहीं. उन्होंने यहां तक कहा कि लालू यादव सामाजिक न्याय का मुखौटा ओढ़कर जेल की हवा खा रहे हैं और जमानत पर घूम रहे हैं.

मीडिया में अन्यत्र

रीति-रिवाजों की अनदेखी से उपजी फिक्र

देश की शीर्ष अदालत को यदि विवाह जैसे बेहद व्यक्तिगत मामले में परामर्श देना पड़ा है, तो इसका अभिप्राय यही है कि इसके मूल स्वरूप से तेजी से खिलवाड़ हुआ है. कोर्ट को सख्त लहजे में यहां तक कहना पड़ा कि विवाह यदि सप्तपदी यानी फेरे जैसे उचित संस्कार और जरूरी समारोह के बिना होता है तो वह अमान्य ही होगा. निश्चित रूप से अदालत ने यह बताने का प्रयास किया कि इन जरूरी परंपराओं के निर्वहन से ही विवाह की पवित्रता और कानूनी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है. दरअसल, हाल के वर्षों में विवाह समारोहों के आयोजन में पैसे के फूहड़ प्रदर्शन व तमाम तरह के आडंबरों को तो प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन परंपरागत हिंदू विवाह के तौर-तरीकों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है. आज से कुछ दशक पूर्व हिंदी फिल्मों में हास्य पैदा करने के लिये विवाह से जुड़ी परंपराओं का जिस तरह का मजाक बनाया जाता था, आज कमोबेश वैसी स्थिति समाज में भी बनती जा रही है. वर-वधू द्वारा अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय को शुरू करने के वक्त विवाह के आयोजन में जो शालीनता, गरिमा व पवित्रता होनी चाहिए, उसे खारिज करने की लगातार कोशिशें की जाती रही हैं. यही वजह है कि अदालत को याद दिलाना पड़ा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अंतर्गत विवाह की कानूनी जरूरतों तथा पवित्रता को गंभीरता से लेने की जरूरत है. जिसके लिये पवित्र अग्नि के चारों ओर लगाये जाने वाले सात फेरे जैसे संस्कारों व सामाजिक समारोह से ही विवाह को मान्यता मिल सकती है. निश्चित रूप से आज विवाह संस्कार की गरिमा को प्रतिष्ठा दिये जाने की जरूरत है. यानी विवाह सिर्फ प्रदर्शन नहीं है. विवाह मजबूरी का समझौता भी नहीं हो सकता. निश्चित रूप से विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये पंजीकरण आदि के उपाय इस रिश्ते को अपेक्षित गरिमा देने में विफल ही रहे हैं. यही वजह है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीश को कहना पड़ा कि सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह की गरिमा को नहीं समझा जा सकता. यह भी कि हिंदू विवाह सिर्फ नाचने-गाने तथा पार्टीबाजी की ही चीज नहीं है, यह एक गरिमामय संस्कार है. उसके लिये सामाजिक भागीदारी वाला जरूरी विवाह समारोह भी होना चाहिए. यानी महज पंजीकरण से विवाह की वैधता पर मोहर नहीं लग जाती. निस्संदेह, निष्कर्ष यही है कि पैसा पानी की तरह बहाकर तमाम तरह के आडंबरों को आयोजित करने के बजाय विवाह के मर्म को समझना होगा. ( )

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भी/ही

पहला वाक्य- यहां आप भी बहुत बड़े विद्वान हैं. दूसरा वाक्य-यहां आप ही बहुत बड़े विद्वान हैं. तीसरा वाक्य- तुम ही मेरी पत्नी हो. चौथा वाक्य-तुम भी मेरी पत्नी हो. इन चारों वाक्यों में 'भी' और 'ही' शब्दों का चमत्कार दिखता है. 'आप भी बहुत बहुत बड़े विद्वान हैं' का मतलब हुआ यहां बहुत सारे विद्वान हैं, उनमें से आप भी हैं. दूसरे वाक्य में 'ही' के प्रयोग ने पहले वाक्य के अर्थ को उलट दिया. मतलब आपके सिवा कोई और बड़ा विद्वान नहीं है. तीसरे वाक्य का मतलब है, मेरी पत्नी तुम ही हो और दूसरा कोई नहीं. वहीं चौथे वाक्य का मतलब है तुम भी मेरी पत्नी हो यानी और भी कई पत्नियां हैं. 'ही' का मतलब होता है सिर्फ और केवल. इसका प्रयोग किसी व्यक्ति, व्यक्तियों के समूह या वस्तु या वस्तुओं को विशेष रूप से इंगित करने के लिए किया जाता है, जबकि 'भी' का प्रयोग व्यक्ति, व्यक्तियों या वस्तु या वस्तुओं को इंगित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसमें 'ही' की विशेषता नहीं रहती. 'भी' शब्द में किसी व्यक्ति या वस्तु का जिक्र अन्य व्यक्ति या वस्तुओं के साथ जोड़ कर करते हैं या तब करते हैं, जब उसमें कोई और भी शामिल हो. 'ही' तथा 'भी' ये दोनों अव्यय हैं. काल, वचन, लिंग आदि के बदलने पर इनका स्वरूप परिवर्तन नहीं होता. हिंदी भाषा में 'ही' और 'भी' शब्द निश्चयात्मकता का बोध कराते हैं. जैसे बाजार में मोहन जाएगा तथा बाज़ार में मोहन ही जाएगा. यहां पहले वाक्य में सामान्यतः विधान कर दिया कि बाजार में मोहन जाएगा, लेकिन परिस्थिति विशेष में किसी दूसरे का जाना भी हो सकता है, लेकिन इसमें 'ही' का प्रयोग होने से किसी और के बाजार जाने की सम्भावनाएं समाप्त हो गयी हैं. यही स्थिति 'भी' के लिए है. जैसे मोहन के साथ राकेश भी जाएगा. यहां भी का प्रयोग होने से राकेश का जाना निश्चित हो गया.

नाम वाम में क्या रक्खा है!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

पहचान के लिए नामकरण ज़रूरी है. जबतक किसी वस्तु या व्यक्ति को कोई नाम नहीं दे दिया जाता उसकी विशिष्ट पहचान नहीं हो पाती. बच्चे के पैदा होते ही उसका कोई न कोई नाम रख दिया जाता है. उसका नामकरण बड़े समारोह पूर्वक किया जाता है. अपनी पसंद का नाम छांटिए और रख दीजिए. पर एक बार जो भी नाम पड़ गया, उसका बदलना बड़ा कठिन होता है. नाम, वस्तु या व्यक्ति से, कुछ इस प्रकार जुड़ जाता है की दोनों को अलग नहीं किया जा सकता. लोटा नाम न हो तो लोटा आप किसी कहेंगे? देश में नाम बदलने की मुहिम शुरू हो गई. बल्कि कहना चाहिए, नाम बदलने की राजनीति ही आरम्भ हो गई. जिसका भी नाम पसंद नहीं आया, उसे बदल डाला गया. एक का बदला, दूसरे का बदला, तीसरे, चौथे का बदला. सिलसिला चल निकला. नाम बदलने का यह सिलसिला फिलहाल तो नगरों और स्थानों तक ही सीमित है, पर बात निकली है तो न जाने कहां तक पहुंच जाए और व्यक्तियों के भी नापसंद नाम तक बदल दिए जाएं! जिला फैजाबाद को अयोध्या बनाया गया है. क्या पता फैज़ अहमद फैज़ को अयोध्या अहमद अयोध्या कहने पर बाध्य कर दिया जाए. मैं गलत होऊं तो मेरा नाम बदल दें. कहने को तो खैर मैंने कह दिया, पर कौन चाहेगा इस तरह अपना नाम बदलवाना ? नाम के आगे उपनाम तो लोग बेशक रख लेते हैं. काशी को बनारस कहें या वाराणसी, शहर तो वही रहेगा. बंबई मुम्बई हो गया और मद्रास, चेन्नई बन गया लेकिन शहर जैसे थे वैसे ही रहे. शेक्सपीयर ने शायद ठीक ही कहा था, गुलाब तो गुलाब ही रहेगा, आप उसे किसी भी नाम से क्यों न पुकारें!

इलाहाबाद पहले शायद प्रयाग हुआ करता था, अब प्रयागराज हो गया है. लेकिन इलाहाबाद का जो विशिष्ट इलाहाबादी मिज़ाज है, वह प्रयागी मिज़ाज तो कभी बन नहीं सकता. मैं इलाहाबाद, सौरी, प्रयागराज से बोल रहा हूँ. क्षमा कीजिए, कहना तो प्रयागराज ही चाहता था. गलती से इलाहाबाद निकल गया. क्या करूं, ज़बान इतनी चिकनी है कि बार बार फिसल कर अपने पुराने मुकाम पर आ जाती है. राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट. लोगों ने राम नाम को खूब लूटा है. किसी के नाम के आगे राम हैं तो किसी के नाम के पीछे राम विराजमान हैं. कोई राम प्रकाश है तो कोई तेनाली राम हैं. तो कोई खुद ही रामजी बने बैठे हैं. किसी के लिए राम-राम अभिवादन बन गया तो कोई धत-काम के लिए मुंह बिरा कर राम राम कहने लगा. कोई असंभव काम न हो पाए तो राम भजो. वैसे भी राम नाम के जाप की हिन्दू धर्म में बड़ी महत्ता मानी गई है. बाकी समय पर हम राम की सत्यता पर भले ही शक करें,मरने पर तो राम नाम सत्य हो ही जाता है.

॥ अक्षय तृतीया विशेष ॥

कन्या राशि वाले खरीदें शेयर, वृष राशि वाले करें चना दान

आचार्य प्रणव मिश्रा

अक्षय तृतीया के शुभ दिन में आप अपनी राशि के अनुसार समान खरीद सकते हैं और इसके अनुरुप ही दान कर सकते हैं. इससे जहां सामान सुख-सौभाग्य में वृद्धि करेगा, वहीं दान से पुण्य की प्राप्ति होगी.

मेष राशि - सोना, पीतल, तांबा खरीदें. इस राशि के लोग बांस का पंखा दान कर सकते हैं.

वृष - चांदी का सामान या कोई सफेद वस्तु खरीदें. वृष राशि वालों को शरबत या चना का दान करना चाहिए.

मिथुन राशि - इस राशि के लोग सोना या पीतल की मूर्ति खरीदें. किसी बैंक का शेयर लें. हरा फल सब्जी दान करें.

कर्क राशि - चांदी के बर्तन सिक्का आभूषण खरीदें. दूध का दान कर सकते हैं.

सिंह राशि - सोना तांबा का सामाना खरीद सकते हैं, वहीं इलेक्ट्रिक संबंधित शेयर ले सकते हैं. मौसम के अनुसार फल खरीदें और दान करें.

कन्या राशि - बैंक का शेयर, चांदी व पीतल के सामान खरीदें. वस्त्र और सब्जी दान कर सकते हैं.

तुला राशि -चांदी सिक्का व इलेक्ट्रॉनिक समान खरीदें. चांदी का सिक्का दान कर सकते हैं.

वृश्चिक राशि - सोना व पीतल के सामान खरीदें. चना का दान करें.

धनु राशि- चांदी के बर्तन, सिक्का और पीली वस्तु खरीदें. मिट्टी का सामान दान दें.

मकर राशि - सोना के आभूषण, लोहे का सामान खरीदें. म्युचुअल फंड में पैसे लगाएं. लोहे का सामान दान दें.

कुम्भ राशि - सोना-चांदी के सिक्के खरीदें. वाहन व जमीन की भी खरीदारी कर सकते हैं. सत्तू व मौसमी फल का दान कर सकते हैं.

मीन राशि- सोना, पीली वस्तु, धार्मिक पुस्तक, घर आदि की खरीदारी शुभ होगी. आम का शरबत दान कर सकते हैं.

शुभ मुहूर्त
सुबह 10: 40 के बाद दिन भर

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद

आचार्य अजय मिश्रा

अक्षय तृतीया बेहद शुभ तिथि है. यह धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक उत्थान का दिवस है. आइए, इसके शुभ मुहूर्त, विधि-विधान की करें चर्चा-

इनकी करें पूजा

अक्षय तृतीया के दिन प्रातः स्नान कर लक्ष्मी, गणेश और कुबेर देवता की पूजा करनी चाहिए. सर्वप्रथम गणेश जी की पूजा करें. उनको अक्षत, फूल, दूर्वा, सिंदूर, चंदन, पान, सुपारी, नारियल, धूप, दीप, फूल, मोदक आदि अर्पित करें. उसके बाद माता लक्ष्मी की पूजा करें. उनको कुमकुम, अक्षत कमल का फूल, गुलाब का फूल, कमलगट्टा, माला, हल्दी, धूप, दीप, नैवैद्य चढ़ाएं. इस दिन भगवान नारायण की भी पीला फूल, चन्दन, तुलसी, धूप-दीप से पूजा करना चाहिए. इस दिन ब्राहमण को अन्न, वस्त्र, फल, दान करना चाहिए. आज के दिन ब्राहमण को भोजन कराना विशेष लाभकारी माना गया है. अक्षय तृतीया के दिन श्रीमद्भागवत गीता के 18 वें अध्याय का पाठ करना चाहिए.

इनकी करें खरीदारी

सोना-चांदी, वाहन,पीतल का से बने बर्तन, भूमि-भवन, वाहन, आभूषण, वस्त्र इत्यादि की खरीदारी शुभ प्रद मानी जाती है.

क्या नहीं खरीदें

अक्षय तृतीया के दिन प्लास्टिक की चीजें खरीदना अच्छा नहीं होता है. इसके अलावा इस दिन स्टील या एल्युमिनियम के बर्तन और सामान भी नहीं खरीदना चाहिए. कहा जाता है कि अक्षय तृतीया के दिन प्लास्टिक, एल्युमिनियम और स्टील की चीजें खरीदने से घर में दरिद्रता आती है.

इसका करें दान

इस दिन नमक का दान करने से पितरों को खुशी मिलती है. इससे वह हमारे जीवन के सभी परेशानियों को दूर करते हैं. इसलिए अक्षय तृतीया पर नमक खरीदा जाता है. मान्यता है कि नमक का दान करने से पितृगण प्रसन्न हो जाते हैं और कुल वंश में धन- संपति प्रदान करते हैं.

यह है महत्व

- आज से ही श्री बद्रीकेदारनाथ की तीर्थ यात्रा प्रारम्भ की जाती है.
- अक्षय तृतीया दिन भगवान विष्णु द्वारा शासित होता है जिन्हें हिंदू त्रिमूर्ति में संरक्षक भगवान माना जाता है.
- हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, त्रेता युग का दूसरा युग अक्षय तृतीया के दिन शुरू हुआ था.
- परशुराम जयंती को अक्षय तृतीया के रूप में भी मनाया जाता है, जिन्हें भगवान विष्णु के अवतारों में से एक के रूप में जाना जाता है.
- इस इस दिन मां गंगा स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुई थीं. राजा भागीरथ ने गंगा को धरती पर अवतरित कराने के लिए हजारों वर्ष तक तप किया था और तब वे धरती पर आईं थी.
- इस दिन पवित्र गंगा में डूबकी लगाने से मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं.
- इस दिन मां अन्नपूर्णा का जन्मदिन भी मनाया जाता है. इस दिन गरीबों को खाना खिलाया जाता है और भंडारे किए जाते हैं. मां अन्नपूर्णा के पूजन से रसोई तथा भोजन में स्वाद बढ़ जाता है.
- अक्षय तृतीया के अवसर पर ही महर्षि वेदव्यास जी ने महाभारत लिखना शुरू किया था. महाभारत को पांचवें वेद के रूप में माना जाता है.
- बंगाल में इस दिन भगवान गणेशजी और माता लक्ष्मीजी का पूजन कर सभी व्यापारी अपना नया खाता बही का शुरूआत करते हैं. व्यापारी वर्ग इस दिन को 'हलखता' कहते हैं.
- भगवान शंकर जी ने इसी दिन भगवान कुबेर माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना करने की सलाह दी थी जिसके बाद से अक्षय तृतीया के दिन माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है. यह परंपरा आज तक चली आ रही है.
- अक्षय तृतीया के दिन ही पांडव पुत्र युधिष्ठर को अक्षय पात्र की प्राप्ति भी हुई थी. इसकी विशेषता यह थी कि इसमें कभी भी भोजन समाप्त नहीं होता था.

वैशाख मास शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया या आखा तीज के नाम से जाना जाता है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं, उनका अक्षय फल प्राप्त होता है. इस दिन किया गया जप, तप, हवन, स्वाध्याय भी अक्षय हो जाता है.

अक्षय तृतीया दिखाती है साधना से समृद्धि की राह

"अस्यां तिथौ क्षयमुर्पति हुतं न दत्तं।
तेनाक्षयेति कथिता मुनिभिस्तृतीया।।"

मोहन मंगलम

अक्षय तृतीया की तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्त मानी जाती है. ऐसी मान्यता है कि इस दिन बिना कोई पंचांग देखे विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक व शुभ कार्य तथा वस्त्र-आभूषणों, घर, भूखण्ड, वाहन आदि की खरीददारी की जा सकती है. इस दिन को नवीन वस्त्र-आभूषण धारण करने और नई संस्था, समाज आदि की स्थापना या उद्घाटन आदि के लिए भी श्रेष्ठ माना जाता है. इस दिन पितरों को किया गया तर्पण तथा पिंडदान अथवा किसी अन्य प्रकार का दान अक्षय फल प्रदान करता है. इस दिन किया गया सत्कर्म अक्षय रहता है.

अक्षय तृतीया को गंगा स्नान करने से तथा भगवत पूजन से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं. माना जाता है कि इस दिन व्यक्ति स्वयं या स्वजनों द्वारा किए गए जाने-अनजाने अपराधों के लिए शुद्ध अंतःकरण से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सद्‌गुण प्रदान करते हैं. इसे देखते हुए अक्षय तृतीया के दिन अपने दुर्गुणों को भगवान के चरणों में सदा के लिए अर्पित कर उनसे सद्‌गुणों का वरदान मांगने की परम्परा भी है. ऐसी भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर अपने अच्छे आचरण और सद्‌गुणों के लिए मिला श्रेष्ठजनों का आशीर्वाद भी अक्षय रहता है.

अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर गंगा या अन्य किसी पावन नदी में स्नान करके और शान्तचित्त होकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने का प्रावधान है. इस दिन नैवेद्य में जौ व गेहूँ का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल प्रभु को अर्पित की जाती है. तत्पश्चात फल, फूल, पात्र तथा वस्त्र आदि का दान किया जाता है. मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए. सौभाग्यवती स्त्रियां और कुंआरी कन्याएं इस दिन गौरी-पूजा करके मिठाई, फल और भीगे हुए चने बांटती हैं, गौरी-पार्वती की पूजा करके धातु या मिट्टी के कलश में जल, फल, फूल, तिल, अन्न आदि का दान करती हैं.

सौभाग्य का प्रतीक

'अक्षय तृतीया' के दिन खरीदा व धारण किया गया सोना अखण्ड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. इस दिन शुरू किए गए किसी भी नए काम में सदा सफलता मिलती है और वह फलता-फूलता है. सामाजिक दृष्टि से यह दिन लोगों के बीच सद्भावना, समरसता और आत्मसमर्पण की भावना को बढ़ाता है. अक्षय तृतीया को विवाह, गृह प्रवेश, नौकरी की शुरुआत, नए उद्यम की शुरुआत आदि के लिए भी शुभ माना जाता है. यह दिन लोगों को नई शुरुआत के लिए प्रेरित करता है और उन्हें अपने जीवन में सफलता की ओर अग्रसर करने का संदेश देता है.

पौराणिक महत्व

भविष्य पुराण के अनुसार, सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ इसी तिथि से हुआ. इसी दिन महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था. भगवान विष्णु के हयग्रीव का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था. ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव भी इसी दिन हुआ था. इस दिन श्री बद्रीनाथ जी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती है और श्री लक्ष्मी नारायण के दर्शन किए जाते हैं. प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुनः खुलते हैं. वृन्दावन स्थित श्री बांके बिहारी जी मन्दिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूरे वर्ष वस्त्रों से ढंके रहते हैं.

नारायण का परशुराम अवतार

स्कंद पुराण और भविष्य पुराण में उल्लेख है कि वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया को मां रेणुका के गर्भ से भगवान विष्णु ने परशुराम रूप में अवतार लिया था. परशुराम जयन्ती होने के कारण इस दिन भगवान परशुराम के आविर्भाव की कथा भी सुनी जाती है. इस दिन परशुराम जी की पूजा करके उन्हें अर्घ्य देने का बड़ा माहात्म्य माना गया है. इस दिन अनेक स्थानों पर भगवान परशुराम की झांकियां निकाली जाती हैं.

प्रचलित कथा

अक्षय तृतीया की अनेक व्रत कथाएं प्रचलित हैं. ऐसी ही एक कथा के अनुसार प्राचीन काल में धर्मदास नामक एक वैश्य था. उसकी आमदनी कम थी, किंतु सदाचार, देवताओं और ब्राह्मणों के प्रति उसकी अपार श्रद्धा थी. एक दिन उसने रोहिणी नक्षत्र में वैशाख शुक्ल तृतीया का माहात्म्य सुना कि इस तिथि को जो कुछ भी दान किया जाता है, उसका फल अक्षय होता है. यह जानकर उसने गंगा-स्नान किया और पितरों एवं देवताओं का तर्पण किया. फिर घर आकर देवी-देवताओं का विधिपूर्वक पूजन किया. ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा के रूप में जौ, गेहूं, सत्तू, दूध, दही, गुड़, घड़ा, पंखा, सोना शक्ति अनुसार शुद्ध मन से प्रदान किए. कहते हैं कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए दान व पूजन के कारण वह अगले जन्म में कुशावतीपुरी नामक नगर का राजा बना और धन संपन्न हुआ. उसने बड़े-बड़े यज्ञ किए, गोदान, स्वर्ण दान दिए। अनेक दीन-दुखियों को धन देकर संतुष्ट किया, फिर भी उसका धन कभी समाप्त नहीं हुआ, क्योंकि उसके पास अक्षय भंडार था. अक्षय तृतीया को श्रद्धापूर्वक दान का ही यह सब फल था. इसीलिए इस व्रत का बड़ा माहात्म्य है.

सांस्कृतिक महत्व

अक्षय तृतीया का महत्व विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है. उत्तर भारत में इस दिन लोग गंगा नदी में स्नान करते हैं. दक्षिण भारत में लोग विभिन्न देवालयों और तीर्थ स्थलों में जाते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं. अनेक स्थानों पर छोटे बच्चे भी पूरी रीति-परम्पराओं के साथ अपने गुड्डा-गुड़िया का विवाह रचाते हैं. इस प्रकार गांवों में बालक-बालिकाओं सामाजिक कार्य व्यवहारों को स्वयं सीखते व आत्मसात करते हैं. कई स्थानों पर तो परिवार के साथ-साथ पूरा का पूरा गांव भी बालक-बालिकाओं के द्वारा रचे गए वैवाहिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो जाता है. इस तरह अक्षय तृतीया सामाजिक व सांस्कृतिक शिक्षा का अनूठा त्यौहार है.

धार्मिक महत्व

अक्षय तृतीया वसन्त ऋतु के अन्त और ग्रीष्म ऋतु के प्रारम्भ का दिन भी है. वैशाख मास में भगवान भास्कर की तेज धूप तथा लहलहाती गर्मी से प्रत्येक जीवधारी क्षुधा पिपासा से व्याकुल हो उठता है. इसलिए इस दिन जल से भरे घड़े, कुल्हड़, सकोरे, पंखे, खड़ाऊं, छाता, चावल, नमक, घी, खरबूजा, ककड़ी, शक्कर, साग, इमली, सत्तू आदि गर्मी में लाभकारी वस्तुओं का दान अक्षय पुण्यकारी माना गया है. ऐसा लोक विश्वास है कि इस दिन जिन-जिन वस्तुओं का दान किया जाएगा, वे वस्तुएं स्वर्ग व अगले जन्म में प्राप्त होंगी. सुख-शांति की कामना से व सौभाग्य तथा समृद्धि हेतु इस दिन शिव-पार्वती और नर नारायण की पूजा का विधान है. इस दिन श्रद्धा, विश्वास के साथ व्रत रखकर जो प्राणी गंगा-यमुनादि तीर्थों में स्नान कर अपनी शक्ति के अनुसार देव स्थल व घर में यज्ञ, होम, देव-पितृ तर्पण, जप, दानादि शुभ कर्म करते हैं, उन्हें अक्षय फल की प्राप्ति होती है.

इस दिन लोग आध्यात्मिक उत्थान के माध्यम से अपने जीवन को धन, समृद्धि और शांति से भर देते हैं. अक्षय तृतीया हमें यह शिक्षा देती है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता का हमारे जीवन में महत्व है और इसके माध्यम से ही हम अपने जीवन को संतुलित और समृद्ध बना सकते हैं. धार्मिक और आध्यात्मिक सिद्धांतों को अपना कर अपने आसपास की समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं.

यह दिन अपनी योग्यता को निखारने और अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए उत्तम है. अपने कर्मों को सही दिशा में प्रोत्साहित करने के लिए इसे श्रेष्ठ माना जाता है. दीन-दुखियों की सेवा करना, वस्त्रादि का दान करना ओर शुभ कर्म की ओर अग्रसर रहते हुए मन-वचन व कर्म से मानव धर्म का पालन करना ही अक्षय तृतीया पर्व की सार्थकता है. दान करने से जाने-अनजाने हुए पापों का बोझ हल्का होता है और पुण्य की पूंजी बढ़ती है.

दूर होंगी बाधाएं आजमाइए ये टोटके

अक्षय तृतीया कई तरह के टोटकों के लिए बेहद कारगर दिन माना जाता है. अगर पैसे की तंगी है, पैसा टिकता नहीं, वैवाहिक जीवन में परेशानी है या फिर विवाह में बाधा आ रही है तो इन टोटकों को आजमाएं.

- अक्षय तृतीया के दिन चांदी, तांबा, या पीतल के पात्र में चावल भर के इसे घर लेकर आएं और तिजोरी या धन के स्थान पर रखें. इससे मां लक्ष्मी की कृपा बढ़ेगी.
- आज के दिन एक थाली में केसर से स्वास्तिक बनाएं. उस पर महालक्ष्मी यंत्र स्थापित करें. घी का दीपक जलाएं और मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें. पूजा के बाद इस महालक्ष्मी यंत्र को तिजोरी में रख दें. सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी.
- मां लक्ष्मी के सामने तीन इलाइची रखें और शुक्र देव का ध्यान करते हुए उनकी उपासना करें. उनके मंत्रों का जाप करें. फिर इन इलाइची को कपूर के साथ एक कटोरी में रख कर जलाएं. जली इलाइची को तुलसी के पौधे में डाल दें. यह टोटका आपकी समृद्धि को बढ़ाएगा.
- इस दिन मां लक्ष्मी को मखाने की खीर का भोग लगाने से आपके घर की संपत्ति में वृद्धि होती है.
- शादी में रुकावटें आ रही हैं तो अक्षय तृतीया वाले दिन हाथों में नारियल लेकर अपना नाम गोत्र बोलकर पीपल की सात परिक्रमा करें. फिर नारियल पीपल को अर्पित कर दें. इससे विवाह संबंधी बाधाएं दूर होंगी.
- अक्षय तृतीया के दिन शिवालय में मिट्टी की मटकी का दान करें और शिवलिंग का रुद्राभिषेक करने से वैवाहिक जीवन मधुर होता है.
- अक्षय तृतीया पर केले के पेड़ को सीचें और **ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः** मंत्र का 108 बार जाप करें. विवाह बाधा दूर होगी.
- अगर प्रेम विवाह में बाधा आ रही है तो इस दिन विष्णु जी को पीले कपड़े में 5 हल्दी की गांठ बांधकर विष्णु जी को अर्पित करें. फिर केसर और चंदन के लेप से अपने माथे पर तिलक लगाएं. हल्दी माला से इस मंत्र का जप करें-

ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीवासुदेवाय नमः

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी के लिए काफी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता होगी

हॉकी प्रो लीग के यूरोप चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

एजेंसी। नयी दिल्ली

हरमनप्रीत सिंह 22 मई से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोप चरण में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे.भारत यूरोप चरण में कुल आठ मैच खेलेगा. टीम दो चरण के टूर्नामेंट में अर्जेन्टीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन से दो-दो मैच खेलेगी. पहला चरण 22 से 30 मई तक बेल्जियम के एंटवर्प में होगा जबकि दूसरा चरण लंदन में एक से 12 जून तक खेला जाएगा.

यह 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी के लिए काफी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता होगी और मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन को टीम को खेलों के महाकुंभ के लिए तैयार करने का मौका देगी. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर पांच टेस्ट की श्रृंखला में 0-5 की हार के बाद भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. भारत प्रो लीग तालिका में अभी आठ मैच में 15 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है. नीदरलैंड 12 मैच में 26 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया के आठ मैच में 20 अंक हैं. फुल्टोन ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, हम शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेल को लेकर समझ विकसित की है. उन्होंने कहा, पेरिस ओलंपिक से पहले हमें शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा, जिससे हमें अपने खेल को मजबूत और बेहतर करने में मदद मिलेगी. कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, एफआईएच प्रो लीग में हमें शीर्ष स्तरीय टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा. खिलाड़ियों को अनुभव देने के लिए हमने टीम का चयन किया है और इससे मुझे पेरिस ओलंपिक से पहले खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी प्रारूप में देखने को मिलेगा. मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उप कप्तान बनाया गया है.

टीम इस प्रकार है

गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, विष्णुकांत सिंह

मिडफील्डर : विवेक सागर प्रसाद, निलाकांता शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल, मोहम्मद रहील मौसीन

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंदल और बॉबी सिंह धामी.

आईपीएल : गुजरात को मिलेगा होम ग्राउंड का फायदा

प्लेआफ का दावा पुख्ता करने उतरेगी चेन्नई सुपर किंग्स

एजेंसी। अहमदाबाद

चोटों और अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर रहने के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल के 12वें दौर के मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेआफ का अपना दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी. चेन्नई के 11 मैचों में 12 अंक है और गुजरात पर जीत उसके लिये बहुत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि प्लेआफ में उसकी जगह अभी भी पक्की नहीं है और एक हार उस पर भारी पड़ सकती है. दीपक चाहर और मथीषा पथिराना चोटों के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं जबकि मुस्ताफिजूर रहमान बांग्लादेश के लिये खेलने चले गए हैं. अब चेन्नई के तीनों स्पिनरों रविंद्र जडेजा, मिशेल सेंटनेर और मोईन अली पर आक्रमण का दारोमदार होगा. चेन्नई ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ जिस तरह 167 रन बनाने के बाद मैच जीता, उससे प्रशंसकों की उम्मीदें बंधी होगी. गुजरात को हराकर चेन्नई अंकतालिका में सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी. अभी तक जिन तीन टीमों के 12 अंक हैं , उनमें चेन्नई (प्लस 0 . 700) का रनरेट सबसे अच्छा है. गुजरात के 14 अंक हैं और वह दौड़ से पूरी तरह बाहर नहीं है लेकिन शुभमन गिल की टीम के लिये आगे का सफर काफी कठिन है. पिछले पांच मैचों में सिर्फ एक जीत दर्ज कर सकी टीम का मनोबल गिरा है. मोहम्मद शमी की गैर मौजूदगी में गेंदबाजी में धार नजर नहीं आ रही. वहीं गिल खुद पिछले पांच में से तीन मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके और उनका सर्वोच्च स्कोर 35 रहा है. साई सुदर्शन, शाहरुख खान और डेविड मिलर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं. गेंदबाजों में मोहित शर्मा और जोश लिटिल महंगे साबित हुए हैं. नयी गेंद के गेंदबाजों से मदद नहीं मिलने से अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान और नूर अहमद भी उतने प्रभावी नहीं रहे. दूसरी ओर चेन्नई के रूतुराज गायकवाड़ ने मोर्चे से कप्तानी की है. उन्होंने 11 मैचों में 541 रन बनाये और आरेंज कैप की दौड़ में विराट कोहली से एक ही रन पीछे हैं. पंजाब के खिलाफ इंपैक्ट खिलाड़ी रहे सिमरजीत सिंह ने 140 की रफ्तार से गेंदबाजी करके तीन ओवर में 16 रन देकर दो विकेट लिये.

मैच का समय : शाम 7.30 बजे से

टीमें

चेन्नई सुपर किंग्स : *रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धौनी (विकेटकीपर), अरावेली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, निशांत सिंधु , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पाथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश तीक्ष्णा और समीर रिजवी.*

गुजरात टाइटंस : *शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार.*

भारतीय क्रिकेट के लिए उम्दा प्रतिभा हैं अभिषेक : ट्रेविस हेड

हैदराबाद। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ आईपीएल के इतिहास में लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाने वाले आस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने अभिषेक शर्मा को भारतीय क्रिकेट के लिए बेहतरीन प्रतिभा बताया है. हेड (30 गेंद में नाबाद 89) और शर्मा (28 गेंद में नाबाद 75) ने 166 रन का लक्ष्य 9.4 ओवर में हासिल कर लिया. यह पुरुषों के टी10 क्रिकेट में दस ओवरों में रिकॉर्ड स्कोर है. हेड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, अभि के साथ साझेदारी बेहतरीन थी. वह भारतीय क्रिकेट के लिए रोमांचक प्रतिभा है. हमारा तालमेल जबर्दस्त था और उसके साथ खेलने में बहुत मजा आया. वह इतना ऊर्जावान है और अपने खेल को लेकर काफी सोचता है. अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप से पहले हेड ने आईपीएल में 11 पारियों में 201 . 89 की स्ट्राइक रेट से 533 रन बना लिये हैं. हेड ने कहा, आप हमेशा लगातार अच्छा खेलना चाहते हैं. अच्छा खेलकर सुखद अनुभूति होती है. यह वेस्टइंडीज में भी अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं है लेकिन इससे मेरा आत्मविश्वास बढा है. वेस्टइंडीज में स्पिनरों को खेलना होगा और विकेट कठिन हो सकते हैं. मुझे खुशी है कि मैं स्पिन को बखूबी खेल सका.

ब्रीफ खबरें

बायर्न को हराकर लीग फाइनल में

मैड्रिड। रीयाल मैड्रिड ने सेमीफाइनल के दूसरे चरण में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बुधवार को यहां बायर्न म्यूनिख को 2-1 से हराकर तीन सत्र में दूसरी बार चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई. मैड्रिड ने कुल स्कोर के आधार पर 4-3 से जीत दर्ज की. अल्फांसो डेविस ने 68वें मिनट में बायर्न को बढ़त दिलाई. बायर्न की जीत लगभग तय लग रही थी लेकिन जोसेलु ने 88वें मिनट में रीयाल मैड्रिड को बराबरी दिला दी. जोसेलु ने इंजरी टाइम के पहले मिनट में एक और गोल दागकर रीयाल मैड्रिड की जीत सुनिश्चित की और उसे फाइनल में जगह दिलाई.फाइनल में रीयाल मैड्रिड की भिड़ंत एक जून को लंदन में बोरूसिया डोर्टमंड से होगी.

कमिंस के समर्थन से काफी फायदा मिला : अभिषेक

हैदराबाद। शानदार फॉर्म में चल रहे सनराइजर्स के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि कप्तान पैट कमिंस और टीम प्रबंधन के सहयोग ने आईपीएल में उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाई है. बायें हाथ के बल्लेबाज ने 12 मैचों में 205 के स्ट्राइक रेट से 401 रन बना लिये हैं. उन्होंने लखनऊ पर 10 विकेट से मिली जीत के बाद जियो सिनेमा मैच सेंटर लाइव में कहा, सहयोगी स्टाफ और पैट जिस तरह से सोचते हैं, मैने कभी किसी को ऐसे सोचते नहीं देखा. वे खुल कर खेलने के लिए कहते हैं.इससे काफी फर्क पड़ा. इस सत्र में सर्वाधिक 35 छक्के लगा चुके अभिषेक ने कहा, मैं जब इस तरह से खेलता हूं तो मेरे शॉट बेहतर आते हैं और गेंदबाज दबाव में आ जाते हैं. मैं हमेशा सोचता था कि अगर आईपीएल में खेलूंगा तो ऐसे ही खेलूंगा. अपने सलामी जोड़ीदार ट्रेविस हेड की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई स्पिन को ट्रेविस से बेहतर खेल सकता है. उन्होंने कृष्णप्पा गौतम को शॉट लगाया, आम तौर पर कोई बल्लेबाज ऐसा नहीं कर पाता.

डायमंड लीग से ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगे नीरज चोपड़ा

एजेंसी। दोहा

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा शुक्रवार को दोहा डायमंडल लीग के एक दिवसीय पहले चरण के जरिए पेरिस ओलंपिक की अपनी तैयारियां शुरू करेंगे. मौजूदा विश्व और एशियाई खेल चैम्पियन भारत के भाला फेंक स्टार चोपड़ा का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक तथा विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश से होगा.

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के किशोर जेना डायमंड लीग में पदार्पण करेंगे. उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87.54 मीटर है जबकि चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है. यूरोपीय चैम्पियन जर्मनी के जूलियन वेबर भी दस खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो लीग में उतरेंगे. इसके बाद लीग का दूसरा चरण 19 मई को मोरक्को में होगा. चोपड़ा यहां गत चैम्पियन भी हैं जिन्होंने 2023 में वालेश और पीटर्स को हराया था. चोपड़ा ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, सफलता टीमवर्क पर निर्भर करती है. मेरे कोच और फिजियो का अपार योगदान है कोच मेरी तकनीक की समीक्षा करते हैं और बताते हैं कि मेरे अनुकूल क्या होगा. हमारे पास स्ट्रेंथ ट्रेनिंग विशेषज्ञ भी है. पीटर्स ने 2022 में यहां 93.07 का थ्रो फेंका था. वहीं तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता वालेश 2023 डायमंड लीग चैम्पियन हैं और यहीं पर 2022 में उन्होंने 90.88 मीटर का थ्रो फेंका था. चोपड़ा ने डायमंड लीग के तीन अलग अलग चरण जीते हैं और 2022 में चैम्पियंस ट्रॉफी हासिल की थी.

अंतरराष्ट्रीय शंतरज मास्टर वर्गीज कोशी का निधन

एजेंसी। चेन्नई

अंतरराष्ट्रीय मास्टर और प्रतिष्ठित ट्रेनर तथा मार्गदर्शक (मेंटर) वर्गीज कोशी का निधन हो गया है.वह 66 बरस के थे. कोशी के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे हैं. कोशी को अपने फेफड़े के कैंसर के बारे में लगभग दस महीने से पता था और उन्होंने अपने हास्य के साथ इस खतरनाक बीमारी का सामना किया.

उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में कहा था, अपना समय आ गया. कोशी शतरंज की दुनिया के उन कुछ खिलाड़ियों में से थे जिन्होंने इस खेल को खुद सींचा. इस खेल के प्रति उनके अति-आधुनिक दृष्टिकोण ने उन्हें अपने अधिकांश साथियों की तुलना में बेहतर स्थिति में रखा. वह युग जब कंप्यूटर बहुत कम भूमिका निभाते थे तब कोशी विश्लेषण करने के अपने कौशल के दम पर आगे बढ़े और नब्बे के दशक की शुरुआत में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत के नंबर दो खिलाड़ी बने. कोशी ने कई मौकों पर देश का प्रतिनिधित्व किया लेकिन खेल में उनका सबसे बड़ा योगदान एक ट्रेनर के रूप में आया. उन्होंने 1990 के दशक के मध्य में पी हरिकृष्णा को ट्रेनिंग दी और उनके साथ कई वर्षों तक काम किया. वह हरिकृष्णा की पहली बड़ी प्रतियोगिता के लिए उनके साथ नीदरलैंड के विज्क आन जी भी गए. हरिकृष्णा बाद में देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बने. उन्होंने भारत के कई अन्य खिलाड़ियों को भी ट्रेनिंग दी जिसमें पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन अभिजीत गुप्ता भी शामिल हैं. हरिकृष्णा ने एक्स पर लिखा, मुझे अपने पूर्व कोच अंतरराष्ट्रीय मास्टर वर्गीज कोशी सर के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ है.

छोले भटूरे, मुस्कुराते चेहरे लारा के भारत प्रेम की वजहें

एजेंसी। नयी दिल्ली

चारों तरफ मुस्कुराते चेहरे, घर की तरह मिलने वाला प्यार और चटपटे छोले भटूरे. वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर ब्रायन लारा को भारत की ओर खींचते हैं और लारा के भारत प्रेम का बॉलीवुड से कोई सरोकार नहीं है.

आईपीएल में स्टार स्पोटर्स के लिए कमेंट्री कर रहे लारा ने संपादकों से बातचीत के दौरान क्रिकेट के दीवाने भारत के लिए अपने प्रेम का खुलासा किया. उन्होंने कहा, मैं बॉलीवुड का प्रशंसक नहीं हूं. मेरे देश में काफी भारतीय हैं लिहाजा बॉलीवुड को लेकर काफी दिलचस्पी है. मैं अंग्रेजी फिल्मों का भी मुरीद नहीं हूं. मैने हैरी पॉटर वगैरह नहीं देखी है. उन्होंने कहा , लेकिन मुझे भारत में मिलने वाला निस्वार्थ स्नेह पसंद है. उन्होंने कहा, जब भी आप भारत आते हैं तो जिस तरह से आप पर स्नेह बरसाया जाता है. आप किसी भी कोने में जाएं , आपको देखकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान आ जाती है.. यह बहुत अच्छा लगता है और बहुत सकारात्मक भी है. लारा ने कहा, भारत में आने से मुझ पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है. मियामी बीच पर टहलते हुए हर कोई आपको धक्का देकर आगे बढना चाहेगा लेकिन भारत में हर कोई आपकी ओर खिंचा चला आएगा.

अमेरिकी क्रिकेट अध्यक्ष पिसिके बोले | हमारे देश में भी होगा इस खेल का विस्तार

क्रिकेट को लेकर दुनिया में जागरूकता फैलाएगा टी20 विश्व कप

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमेरिका क्रिकेट के अध्यक्ष वेणु पिसिके का मानना है कि टी20 विश्व कप अमेरिका में क्रिकेट को लेकर जरूरी जागरूकता फैलाएगा, लेकिन अंततः 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने का लालच स्थानीय अमेरिकियों को मुख्य रूप से प्रवासियों द्वारा खेले जाने वाले इस खेल के प्रति आकर्षित करेगा. अमेरिका इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की सह मेजबानी वेस्टइंडीज के साथ कर रहा है और अमेरिकी टीम एक जून को टूर्नामेंट के पहले मैच में अपने पड़ोसी देश कनाडा के खिलाफ खेलते हुए विश्व कप में पदार्पण करेगी. टीम मुख्य रूप से दक्षिण एशियाई मूल के अर्ध पेशेवर क्रिकेटरों से बनी है जिसमें न्यूजीलैंड के पूर्व स्टार क्रिकेटर कोरी एंडरसन भी अमेरिका का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर आएंगे. भारत के प्रथम श्रेणी के पूर्व क्रिकेटर मिलिंद कुमार और भारत के पूर्व अंडर-19 खिलाड़ी हरमीत सिंह भी टीम का हिस्सा हैं. पिसिके ने सहमति जताई कि अमेरिका में अधिकांश लोगों तक क्रिकेट को पहुंचाना बड़ी चुनौती है.

उन्होंने कहा, अब तक क्रिकेट मुख्य रूप से प्रवासियों का खेल है लेकिन विश्व कप के दौरान मार्केटिंग और प्रचार गतिविधियों के साथ कुछ गति आई है और विश्व कप निश्चित रूप से अमेरिका में खेल के विस्तार की संभावनाओं को बढ़ावा देगा.

अमेरिका में भी लोग बनेंगे दीवाने

पिसिके ने कहा, निश्चित रूप से विश्व कप बहुत सारी जागरूकता ला रहा है और फिर क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल होने का अवसर मिल रहा है, जो निश्चित रूप से लोगों को आकर्षित करेगा क्योंकि अमेरिका एक बड़ा खेलप्रेमी देश है .विश्व कप अमेरिका में तीन स्थानों पर खेला जाएगा लेकिन जिस स्टेडियम पर सभी की नजरें हैं वह न्यूयॉर्क है जहां नौ जून को भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना होगा. भारत आइजनहावर पार्क में 34,000 दर्शकों की क्षमता वाले अस्थायी स्टेडियम में आयरलैंड और अमेरिका से भी खेलेगा. ड्रॉप इन पिचों (दूसरे स्थान पर तैयार करके लाई जाने वाली पिचें) को ऑस्ट्रेलिया से मंगाया गया है.

भारतीय बोर्ड से लेगें मदद

पिसिके ने कहा, पिचें हाल ही में स्टेडियम में लाई गईं. इसलिए हम बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाने के मामले में अच्छी पिचों की उम्मीद कर रहे हैं. अमेरिका विश्व कप के बाद अपने खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और अनुभव के लिए बीसीसीआई से मदद मांगेगा. उन्होंने कहा, हां निश्चित रूप से (हम बीसीसीआई से बात कर रहे हैं). अतीत में हमने 2022 में क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर में भाग लेने से पहले अपनी पुरुष टीम को कर्नाटक भेजा था. और श्रीलंका में होने वाले विश्व कप से पहले अपने अंडर-19 लड़कों को भेजने के लिए तमिलनाडु क्रिकेट संघ और आंध्र क्रिकेट संघ जैसे संघों के साथ गठबंधन था.

ब्रीफ खबरें

महताब खान गिरफ्तार कारतूस बरामद

नवादा । नवादा जिले के मेसकौर थाने के सातन बीघा गांव में पुलिस ने छापेमारी कर हत्या के प्रयास, रंगदारी सहित विभिन्न कांडों में फरार को कुख्यात अपराधी महताब खान को एक बंदूक, एक देसी कट्टा तथा 20 कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया है. नवादा के एसपी कार्तिकेय शर्मा ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि बुधवार देर रात उन्हें मेसकौर के थाना प्रभारी ने खबर दी कि कुख्यात अपराधी महताब खान के घर में भारी मात्रा में शास्त्र रखे हुए है.

नकली शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

अररिया । जिले की कुआड़ी ओपी थाना पुलिस ने एक शराब कारोबारी को नेपाल निर्मित शराब के साथ गिरफ्तार किया है. कुआड़ी ओपी थानाध्यक्ष ने गुरुवार को कहा कि गिरफ्तार कारोबारी को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेजा जायेगा. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुर्साकांटा के कमलदाहा के वार्ड संख्या 3 के रहने वाले मो. कायम शराब का अवैध कारोबार करता है. नेपाल से तस्करी कर शराब लाकर गांव में ऊंची कीमतों में शराब बिक्री करने का काम करता है. सूचना के सत्यापन को लेकर जब कुआड़ी ओपी थानाध्यक्ष ने पुलिस बलों के साथ छापेमारी की तो मो. कायम को 20 बोतल नेपाल निर्मित शराब के साथ रंगेहाथ पकड़ा.

अस्पताल में भर्ती एक और जवान की मौत

अररिया । अररिया में तीसरे चरण के दौरान हुए लोकसभा चुनाव में चार होमगार्ड जवान की मौत हो गई. जोकीहाट के सतधारा प्राथमिक विद्यालय में चुनाव के दौरान ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड के जवान की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद मंगलवार को आनन-फानन में उसे अररिया सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई. मृतक होमगार्ड जवान मनोज झा सीतामढ़ी में पदस्थापित थे. किशनगंज में दूसरे चरण के चुनाव कराने के बाद तीसरे चरण में चुनाव के लिए अररिया आए थे. उनका विभागीय बैच संख्या 14690 है.

लोकसभा चुनाव : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा

देश में लव जिहाद खूब हुआ अब वोट जिहाद चल रहा है

- बोले-बीरेंद्र शर्मा की हत्या हो गई, लेकिन यह हत्या नहीं चुनौती थी

संवाददाता । बेगूसराय

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश की दिशा देखें. देश में जो हो रहा है, वह देखें. पूरे देश में पीएम मोदी को हराने के लिए वोट जिहाद हो रहा है. लव जिहाद हुआ, लैंड जिहाद हुआ और अब वोट जिहाद हो रहा है. इस वोट जिहाद को टक्कर देना तो पीएम मोदी के साथ एक-एक सनातनी को खड़ा होना पड़ेगा. तभी इसे टक्कर दे पाएंगे. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमसे तो आप लड़ लेंगे. आपका अधिकार है. हम आपके पास रहेंगे. हम आपकी बात को मानेंगे और सुनेंगे. लेकिन, यह समय तानाशाह का समय है. समय जरूर बदल गया. तारीख जरूर बदल गई है. लेकिन, माहौल बिगड़ते जा रहा है. आपको पता है इसी बेगूसराय में एक अतिपिछड़े समाज का मुखिया था. उसकी हत्या हो गई. आप जानते हैं उसकी हत्या क्यों हो गई? 60 प्रतिशत वहां हिन्दू थे. 40 प्रतिशत अन्य धर्म के थे. बीरेंद्र शर्मा की हत्या हो गई. यह हत्या नहीं चुनौती थी.

वोट देकर पीएम मोदी को मजबूत बनाएं

गिरिराज सिंह ने कहा कि आप वोट नहीं देंगे आप राष्ट्र निर्माण में पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करेंगे. बेगूसराय के खातोपुर में अगर हमारा शिव मंदिर टूटता है तो कोई जाए या न जाए अगर गिरिराज को कुर्बानी देनी होगी तो मैं वहां दूंगा. अगर खातोपुर में किसी मस्जिद का एक ईंट भी उखड़ गया होता तो बेगूसराय में आग लग गई होती. लेकिन, आपकी उपस्थिति रही. बेगूसराय के लोग अगर अपना समर्थन देते तो तस्वीर कुछ और होती. मैं विनती करता हूं कि जब सनातन बचेगा तभी आपकी जाति बचेगी.

तेजस्वी बोले-देश की जनता ने 100 में जीरो नंबर मोदी को दिया

- देश की जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है कि मोदी जैसा झूठा प्रधानमंत्री नहीं मिलेगा

संवाददाता । पटना

लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज है. इसी कड़ी में तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी से कहा है कि मोदी ने 10 साल में कोई काम नहीं किया है उन्हें देश की जनता ने 100 में जीरो नंबर दिया है. उन्होंने जनता को ठगा है और जनता अब समझ चुकी है कि भारत में ही नहीं पूरे विश्व में पीएम मोदी जैसा झूठा प्रधानमंत्री नहीं मिलेगा. दरअसल, तेजस्वी ने पीएम के सवाल की अडानी अंबानी के बारे में विपक्ष क्यों नहीं बोल रहे हैं कोई डील हुई है क्या को लेकर कहा कि, पीएम हैं जांच करा लें. कार्रवाई उनको ही करनी है. उन्होंने कहा कि, नौकरी, रोजगार और मुद्दे की बात पीएम मोदी नहीं करते हैं. 10 साल तक उन्होंने कोई काम नहीं किया. देश की जनता ने आपको 100 में से जीरो नंबर दिया है. पीएम मोदी ने जनता को ठगा है. तेजस्वी ने पीएम से पूछा कि, पूरे देश की जनता को नौकरी हो, किसानों का आय हो, आप बोल रहे थे कि सबका पक्का मकान बना देंगे, सबको विशेष राज्य का दर्जा देंगे, आपने कहा कि, हर साल दो करोड़ नौकरी देंगे, 15-15 लाख रुपए देंगे, इलेक्टोरल बॉन्ड मिला तो कैसे मिला, इस पर क्यों नहीं बोल रहे प्रधानमंत्री? उन्होंने कहा कि, देश की जनता समझ चुकी है कि पूरे देश में नहीं पूरे विश्व में पीएम मोदी जैसा झूठा प्रधानमंत्री नहीं मिलेगा. ये यहीं टिक नहीं रहे ना चुनाव में इसलिए इधर उधर घूम रहे हैं.

पटना। राजद सांसद मनोज झा ने गुरुवार को पटना में पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान जदयू के पूर्व सांसद रंजन यादव के राजद में शामिल होने पर उनका स्वागत करते.

नगरपालिका का फर्जी कर्मी बन अवैध वसूली करने वाला गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के छतौनी थाना क्षेत्र से नगर पालिका का फर्जी स्टाफ बनकर अवैध वसूली करनेवाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अभियुक्त कोटवा थाना क्षेत्र निवासी रमेश सिंह बताया गया है. एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने इसकी जानकारी देते हुए गुरुवार को बताया कि छतौनी चौक पर नगर पालिका का स्टॉफ बताकर पैसे की वसूली की जा रही है. सूचना के आलोक में छतौनी थाना को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया, जिसके बाद छतौनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुये फर्जी नगर पालिका स्टॉफ रमेश सिंह को अवैध रुप से वसूली करते पकड़ा गया.

जोगबनी बॉर्डर से लॉरेंस बिश्नोई गैंग का कुख्यात शूटर गिरफ्तार

संवाददाता । अररिया

भारत-नेपाल सीमा के जोगबनी बॉर्डर से लॉरेंस बिश्नोई गैंग का कुख्यात शूटर प्रकाश पकड़ा गया है. उसे अररिया के जोगबनी से गिरफ्तार किया गया है. राजस्थान के बीकानेर में एक होटल से जुड़े फिरौती मामले में वो मोस्ट वांटेड है और रिमांड होम से भागकर वह विराटनगर (नेपाल) में छिपकर रह रहा था.

बताया जा रहा है कि जोगबनी रेलवे स्टेशन के पास एटीएम फ्रॉड मामले में उसे गिरफ्तार किया गया है. जोगबनी पुलिस जिसे एक मामूली एटीएम फ्रॉड का आरोपी समझ कर गिरफ्तार किया है. वह दरअसल राजस्थान के विश्नोई ग्रुप का शूटर है. विश्नोई गैंग राजस्थान का एक बड़ा आपराधिक समूह है. इनके विरुद्ध राजस्थान में कई मामले दर्ज हैं. गिरफ्तार आरोपी के संबंध में आईबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लॉरेंस विश्नोई ग्रुप का आरोपी कृष्ण कुमार उर्फ जय प्रकाश पिता शांता राम बिकानेर, राजस्थान के जवाहर सर्किल थाना का निवासी है. इसे वर्ष 2023 में बीकानेर के जी ग्रुप के होटल में एक करोड़ की फिरौती मामले में गिरफ्तार किया गया था. जी ग्रुप के होटल में 16 राउंड फायरिंग मामले का आरोपी भी है.

गया में अपराधियों ने बुजुर्ग को गोलियों से भून डाला, मौत

संवाददाता । गया

बिहार में अपराधी बैखौफ नये-नये वारदातों को अंजाम दे रहे हैं. आये दिन हत्या, लूट, छिनतई और गोलीबारी की खबरें सुनने को मिलती है. ताजा मामला गया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के न्यू अबगिला पहाड़तल्ली का है. जहां बैखौफ अपराधियों ने एक बुजुर्ग को गोलियों से भून डाला. जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. इस गोलीबारी में एक युवक को भी गोली लगी है. घायल युवक को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. मृतक की पहचान मोहम्मद सलाउद्दीन के रूप में हुई है. घायल युवक की पहचान मोहम्मद महबूब के रूप में की गयी है.

अपराधियों ने काफी देर तक इलाके में मचाया तांडव : बताया जाता है कि न्यू अबगिला पहाड़तल्ली पर हथियारों से लैस होकर काफी संख्या में अपराधी आये और ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे. इस गोलीबारी में एक बुजुर्ग और युवक को गोली लग गयी. अपराधियों ने काफी देर तक इलाके में तांडव मचाया. इस दौरान उनलोगों ने कई वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

दाखिल किया नामांकन

पटना में गुरुवार को लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले पाटलिपुत्र निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार राम कृपाल यादव अपने परिवार के साथ.

काराकाट लोस सीट से पवन सिंह ने भरा पर्चा

संवाददाता । सासाराम

भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह ने गुरुवार को काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए निर्दलीय नामांकन दाखिल किया. उनके नामांकन से एनडीए के उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा की टेंशन बढ़ गई है. क्योंकि बीच में सांसद मनोज तिवारी का बयान आया था कि वह पवन सिंह से बात करेंगे. हालांकि बातचीत हुई या नहीं लेकिन नामांकन दाखिल कर पवन सिंह ने अपने तेवर दिखा दिए हैं. नामांकन दाखिल करने के लिए पवन सिंह सासाराम समाहरणालय पहुंचे. इस दौरान उन्हें देखने के लिए हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ जुटी थी. करीब 12 बजे के आसपास

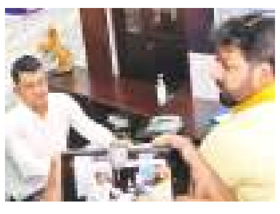

पवन सिंह नामांकन दाखिल करने के लिए पहुंचे थे. काराकाट लोकसभा सीट से नामांकन करने से पहले ने भगवान के दर्शन किए. बड़ों का आशीर्वाद लिया. बता दें कि पवन सिंह ने पहले ही कहा है कि वह अपनी मां के आशीर्वाद से यहां से चुनाव लड़ रहे हैं.

पवन सिंह की एंट्री से मुकाबला हुआ त्रिकोणीय : दरअसल, काराकाट लोकसभा सीट से एनडीए के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा हैं तो वहीं महागठबंधन से राजा राम मैदान में हैं. इस सीट पर चुनावी मुकाबला जबरदस्त होने वाला है. लगातार इस क्षेत्र में पवन सिंह रोड शो कर रहे हैं और लोगों के बीच जा रहे हैं. पवन सिंह की एंट्री से यहां मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है. बता दें कि पवन को बीजेपी ने आसनसोल से टिकट दिया था. टीएमसी नेताओं के घेरे जाने के बाद पवन सिंह ने 24 घंटे में ही यह घोषणा कर दी थी कि वह किसी कारण से आसनसोल से चुनाव नहीं लड़ेंगे. हालांकि बाद में उन्होंने एक्स पर बताया कि वह हर हाल में चुनाव लड़ेंगे. इसके बाद काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लिया.

कारोबार

एशियन पेंट्स का शुद्ध लाभ 1.34 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । एशियन पेंट्स लिमिटेड लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 1.34 प्रतिशत बढ़कर 1,275.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की तिमाही में मुनाफा 1,258.41 करोड़ था. एशियन पेंट्स ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी एकीकृत परिचालन आय 8,730.76 करोड़ रही, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 8,787.34 करोड़ थी. इस दौरान कुल व्यय बढ़कर 7,319.1 करोड़ रुपये हो गया.

इक्विटी म्यूचुअल फंड में 16% की गिरावट

नयी दिल्ली । इक्विटी म्यूचुअल फंड में अप्रैल में पूंजी प्रवाह मासिक आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 18,917 करोड़ रुपये रहा. मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों के शेयरों से जुड़े कोष में निवेश प्रवाह कम होने से इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश घटा है. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, यह लगातार 38वां महीना है जब इक्विटी कोष में शुद्ध प्रवाह हुआ है. मासिक आधार पर होने वाली निवेश योजना के तहत योगदान 20,000 करोड़ रुपये को पार कर गया.

एसबीआई का शुद्ध लाभ 18.18% बढ़ा

मुंबई । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बीते वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 18.18 प्रतिशत बढ़कर 21,384.15 करोड़ रुपये हो गया. वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में यह 18,093.84 करोड़ रुपये रहा था. बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एकल आधार पर तिमाही के दौरान उसका मुनाफा सालाना आधार पर 16,694.51 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,698.35 करोड़ रुपये हो गया. वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में बैंक की कुल आय सालाना आधार पर 1.06 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.28 लाख करोड़ रुपये हो गई.

भारत 100 अरब डॉलर का आंकड़ा छूने वाला दुनिया का पहला देश बना

भारत को रेमिटेंस के रूप में मिले 111 अरब डॉलर

भाषा । नयी दिल्ली

दुनिया में एक तरफ आर्थिक मंदी जैसे हालात बने हुए हैं. इससे किसी की विदेशी मुद्रा भंडार घट रही है तो कोई अपनी अर्थव्यवस्था को गति देने में लगा है. इस बीच भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से ग्रोथ करने वाली इकोनॉमी बनी हुई है. इसमें बड़ी भूमिका विदेशों से भारत भेजे जानेवाले पैसा है. इस मामले में भारत ने चीन और फ्रांस जैसे देशों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में डंका बजाया है. यूनाइटेड नेशंस के मुताबिक भारतीयों ने अपने देश सबसे ज्यादा पैसा विदेश से स्वदेश भेजा है. यूनाइटेड नेशंस के तहत काम करने वाले 'इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने 'वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट-2024' पेश की है. इसमें 2022 के तमाम देशों के रेमिटेंस (विदेशों में काम करने वाले लोगों का स्वदेश पैसा वापस भेजना) का आंकड़ा दिया गया है.

विदेशों में कमाई कर रहे भारतीयों ने रुपये भेजने के मामले में नया रिकॉर्ड कायम किया है : आईओएम ने कहा कि भारत को साल 2022 में रेमिटेंस के रूप में 111 अरब डॉलर मिले. यह दुनिया में सबसे अधिक है. इसी के साथ भारत 100 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला दुनिया का पहले देश बन गया है. भारत के 1.8 करोड़ लोग विदेशों में काम करते हैं. इनमें से यूएई, अमेरिका और सऊदी अरब में भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है. इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने मंगलवार को जारी अपनी वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट, 2024 में कहा कि 2022 में रेमिटेंस प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस शामिल हैं.

मेक्सिको रेमिटेंस मामले में दूसरे नंबर पर रहा

बनाया रिकॉर्ड

- भारत के 1.8 करोड़ लोग विदेशों में काम करते हैं
- सऊदी अरब में भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में भारत सबसे ऊपर ऊपर रहा. उसे 111 अरब डॉलर से अधिक धनराशि मिली, जिसके साथ ही वह 100 अरब डॉलर तक पहुंचने और बल्कि इस आंकड़े को पार करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है. मेक्सिको 2022 में रेमिटेंस के मामले में दूसरे नंबर पर रहा. यह स्थान उसने 2021 में चीन को पीछे छोड़कर हासिल किया था. इससे पहले तक चीन भारत के बाद ऐतिहासिक रूप से प्रेषित धन प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा है.

रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, भारत 2010 (53.48 अरब डॉलर), 2015 (68.91 अरब डॉलर) और 2020 (83.15 अरब डॉलर) में भी रेमिटेंस के मामले में टॉप पर रहा. उसे 2022 में 111.22 अरब डॉलर का प्रेषित धन मिला. दक्षिण एशिया में तीन देश भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश रेमिटेंस पाने वाले टॉप 10 देशों में रहे. पाकिस्तान और बांग्लादेश 2022 में क्रमशः करीब 30 अरब डॉलर और 21.5 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला. पाकिस्तान छठे और बांग्लादेश आठवें नंबर पर रहा.

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे अधिक प्रवासी भी भारतीय मूल हैं. कुल संख्या देश की कुल आबादी का करीब 1.3 प्रतिशत या 1.8 करोड़ है. उसकी ज्यादातर प्रवासी आबादी संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देशों में रह रही है. रेमिटेंस बढ़ने के मामले में जानकारों का कहना है कि पहले भारत से अकुशल श्रमिक कम आमदनी वाले खाड़ी देशों में ज्यादा तादाद में जाते थे. लेकिन अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या बढ़ गई है. ये लोग अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे ज्यादा इनकम वाले देशों में जा रहे हैं. जहां वे अपनी योग्यता का इस्तेमाल कर पैसे बना रहे हैं. इसका फायदा देश को मिल रहा है.

बायजू ने अपने पाठ्यक्रमों की फीस में 30-40% तक कटौती की

नयी दिल्ली । शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न ने पाठ्यक्रम सदस्यता शुल्क में 30-40 प्रतिशत की कटौती करने के साथ बिक्री प्रोत्साहन को 50-100 प्रतिशत बढ़ा दिया है. बायजू के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बायजू रवींद्रन ने 1,500 बिक्री सहयोगियों और प्रबंधकों के साथ एक बैठक में कारोबार विस्तार और लचीलेपन के लिए अपनी बिक्री रणनीति में बदलाव की घोषणा की है. घटनाक्रम से परिचित सूत्रों ने कहा, बायजू लर्निंग ऐप की वार्षिक सदस्यता अब 12,000 रुपये (करों सहित) की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है, जबकि बायजू क्लासेस और बायजू ट्यूशन सेंटर (बीटीसी) की पूरी कीमत समूचे साल के लिए क्रमशः 24,000 रुपये और 36,000 रुपये है. उन्होंने कहा कि इस तरह पाठ्यक्रम शुल्कों में लगभग 30-40 प्रतिशत की कटौती की गई है. कंपनी के मूल्यांकन में भारी गिरावट आने से पैदा हुए वित्तीय संकट से उबरने की कोशिश में लगे रवींद्रन ने पाठ्यक्रमों की बिक्री करने वाली टीम का प्रोत्साहन बढ़ाने के साथ उनका सारा बकाया चुकाने का भी वादा किया है. बायजू ने कहा, औसत बिक्री वेतन 40,000 रुपये प्रति माह है.

सीईओ कृतिवासन को 2023-24 में 25 करोड़ रुपये वेतन मिला

एजेंसी । मुंबई

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने वित्त वर्ष 2023-24 में 25 करोड़ रुपये से अधिक का वेतन लिया. कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. राजेश गोपीनाथन के अचानक टीसीएस से अलग होने के बाद कृतिवासन ने पिछले साल जून में देश की सबसे बड़े आईटी सेवा कंपनी के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला था. उनकी नियुक्ति पांच साल की अवधि के लिए है. टीसीएस की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, कृतिवासन ने पिछले वित्त वर्ष में 3.08 करोड़ रुपये के लाभ, भत्ते के साथ 1.27 करोड़ रुपये का वेतन लिया और उन्हें 21 करोड़ रुपये का कमीशन भी मिला. इसमें कहा गया है कि कृतिवासन की आय में टीसीएस के सबसे बड़े बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा के वैश्विक प्रमुख के रूप में उनका पारिश्रमिक भी शामिल है. दिलचस्प बात यह है कि कंपनी के सीओओ एन जी सुब्रमण्यम ने बीते वित्त वर्ष में 26.18 करोड़ रुपये कमाये.

नयी दिल्ली में मिस यूनिवर्स 2023 की विजेता व निकारागुआन मॉडल शेन्निस पलासियोस बुधवार को एक कार्यक्रम में प्रेसवार्ता के दौरान जवाब देती हुई.

शेयर बाजार

स्थानीय शेयर बाजारों में गुरुवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली

सेंसेक्स 1,062 अंक व निफ्टी 22,000 अंक फिसला

- सेंसेक्स के शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो मार्च तिमाही के वित्तीय परिणाम के बाद पांच प्रतिशत से अधिक नीचे आया
- चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे

एजेंसी । मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में गुरुवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स ने 1,062 अंक का गोता लगाया जबकि निफ्टी लुढ़क कर 22,000 अंक के स्तर नीचे आ गया. विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी पूंजी निकासी और एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और यह 1,062.22 अंक यानी 1.45 अंक लुढ़क कर 72,404.17 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 1,132.21 अंक तक लुढ़क गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 345 अंक यानी 1.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,957.50 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 370.1 अंक तक लुढ़क गया था. सेंसेक्स के शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो मार्च तिमाही के वित्तीय परिणाम के बाद पांच प्रतिशत से अधिक नीचे आया. इसके अलावा एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावरग्रिड में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही.

दूसरी तरफ टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस और एचसीएल टेक लाभ में रहे. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 6,669.10 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे. एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे. यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा. अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में भी बुधवार को मिला-जुला रुख रहा था. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.48 प्रतिशत चढ़कर 83.89 डॉलर प्रति बैरल रहा. सेंसेक्स बुधवार को 45.46 अंक नुकसान में रहा था जबकि निफ्टी 22,302.50 अंक पर स्थिर रहा था.

पेज वन का शेष

संविधान बदलने की जरूरत...

यह एक लंबी बहस का विषय है. लेकिन लब्बोलुआब यह है कि इन दिनों संविधान बदलने को लेकर आरोप प्रत्यारोप का जो दौर चल रहा है, वह बेमानी है. जब नेहरू ने बिना संविधान बदले कैबिनेट फॉर्म वाली सरकार को दरकिनार कर खुद मुख्तार बन गये थे, इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका से लेकर संवैधानिक संस्थाओं को उनकी औकात बता दी थी और मोदी संसद से लेकर सरकार तक के पर्याय बन गये हैं, तब संविधान बदलने की जहमत उठाने की क्या जरूरत है?

वैसे मेरा मानना है कि हमारा संविधान कोई गीता, कुरान, बाइबल तो है नहीं, जिसमें ना संशोधन किया जा सकता है, न उसे बदला जा सकता है. संविधान में संशोधन होते रहे हैं, आगे भी होंगे, होने भी चाहिए, क्योंकि इस जीवंत दस्तावेज की जीवंतता, उपयोगिता और समय सापेक्षता बनी रहे. अफसोसनाक यह है कि सरकारें संशोधन अपने हिसाब से करती हैं, हमारे हिसाब से नहीं. सरकारें संविधान बदले बगैर अपने एजेंडे लागू करती रही हैं तो फिर चार सौ सीटें मिलने पर मोदी संविधान बदल देंगे, यह सिर्फ और सिर्फ चुनावी आरोप है. संविधान केवल लोकसभा नहीं बदल सकती.

संकट में हरियाणा की भाजपा सरकार : कांग्रेस ने राज्यपाल से कल मिलने का समय मांगा, जजपा ने भी लिखा पत्र

'अल्पमत' वाली सरकार नैतिक आधार पर इस्तीफा दे : हुड्डा

एजेंसी। चंडीगढ़

कांग्रेस ने हरियाणा में तीन निर्दलीय विधायकों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद पैदा हुई स्थिति के मद्देनजर बृहस्पतिवार को राज्यपाल से मिलने का समय मांगा. नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 'अल्पमत' वाली सरकार को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए. शुक्रवार को प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के लिए समय मांगते हुए कांग्रेस की ओर से राज्यपाल कार्यालय को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि वह राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति के संबंध में एक ज्ञापन प्रस्तुत करना चाहती है. पत्र में कहा गया है कि कांग्रेस विधायक दल के उप नेता आफताब अहमद और मुख्य सचेतक बी बी बत्रा एवं पार्टी के अन्य नेताओं के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल 10 मई को राज्यपाल से मिलना चाहता है. तीन निर्दलीय विधायकों ने मंगलवार को राज्य में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था, जिसके बाद विपक्षी दलों ने दावा किया कि इससे राज्य विधानसभा में सरकार अल्पमत में आ गई है. इससे पहले, जननायक जनता पार्टी (जजपा) के नेता दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को पत्र लिखकर कहा कि मुख्यमंत्री सैनी के नेतृत्व वाली सरकार के पास अब बहुमत नहीं है जिसके मद्देनजर तत्काल शक्ति परीक्षण कराया जाना चाहिए.

बेहतर होता जजपा 10 विधायकों की परेड कराते

जजपा द्वारा राज्यपाल को पत्र लिखने पर टिप्पणी करने के लिए पूछे जाने पर नेता प्रतिपक्ष हुड्डा ने कहा, 'हमने भी राज्यपाल से समय मांगा है.' एक अन्य सवाल पर हुड्डा ने कहा, 'हमारे पास 30 विधायक हैंजजपा के संबंध में, यह बेहतर होता कि वे राज्यपाल के सामने 10 विधायकों की परेड कराते.' नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'हमारे विधायकों को लेकर कोई विवाद नहीं है. उनके (जजपा के) कुछ विधायक किसी और का समर्थन कर रहे हैं...उन्हें अपने 10 विधायकों के साथ राज्यपाल के पास जाने दीजिए.' उन्होंने कहा, 'नैतिक आधार पर उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए. राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए... हम राज्य में दोबारा चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं.' भाजपा और जजपा का गठबंधन मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह सैनी के मुख्यमंत्री बनने के बाद टूट गया था.

सरकार गिराने में मदद करने को तैयार : दुष्यंत

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को पत्र लिखकर कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के पास अब बहुमत नहीं है जिसके मद्देनजर तत्काल शक्ति परीक्षण कराया जाना चाहिए. पूर्व उपमुख्यमंत्री और जजपा नेता दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को राज्यपाल को लिखे पत्र में कहा, 'यह स्पष्ट है कि हरियाणा में भाजपा सरकार के पास अब बहुमत नहीं है.' जजपा ने तीन निर्दलीय विधायकों के हरियाणा सरकार से समर्थन वापस लेने के एक दिन बाद बुधवार को कहा था कि अगर कांग्रेस राज्य में भाजपा सरकार को गिराने का प्रयास करती है तो वह उसकी मदद करने के लिए तैयार है. वहीं मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि उनकी सरकार किसी संकट में नहीं है.

श्रीलंका में सितंबर या अक्टूबर में राष्ट्रपति चुनाव कराये जायेंगे

एजेंसी। कोलंबो

- राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे उतर सकते हैं चुनाव मैदान में
- न्याय मंत्री के विजयदास राजपक्षे से हो सकता है मुकाबला

श्रीलंका में इस साल 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच राष्ट्रपति पद के लिये चुनाव कराये जायेंगे. देश के शीर्ष निर्वाचन निकाय ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की. खबरों के अनुसार, श्रीलंका के निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष आर एम ए एल रत्नायके द्वारा हस्ताक्षरित एक सूचना में बताया गया कि आयोग संविधान के प्रावधानों के संदर्भ में निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराने के लिए नामांकन मांगेगा. इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच किसी दिन आयोजित किया जाएगा. राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के शीर्ष सहयोगी ने पिछले महीने कहा था कि वह राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतर सकते हैं. देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद विक्रमसिंघे ने मई 2022 में महिंदा राजपक्षे की जगह प्रधानमंत्री का पद संभाला था. दो महीने बाद, उन्होंने 2024 के अंत तक अपने शेष कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के रूप में गोटबाया राजपक्षे की जगह ली. यूएनपी के वरिष्ठ नेता आशु मारसिंघे ने पिछले महीने कहा था कि 75 वर्षीय विक्रमसिंघे राष्ट्रीय उम्मीदवार के रूप में कई पार्टियों का प्रतिनिधित्व करेंगे.

ब्रीफ खबरें

एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में धारदार हथियार से एक ही परिवार के तीन लोगों की कथित तौर पर हत्या कर दी गई. पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि जिले के उरगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुकरीचोली गांव में बीती रात जयराम रजक (28), उसकी पत्नी सुजाता रजक (25) और पुत्री जयसीका (दो वर्ष) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. पुलिस ने घर से तीनों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुजाता और जयसीका का शव पलंग पर और जयराम का शव नीचे फर्श पर था. तीनों के शरीर पर धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान हैं.

चीन में भीषण दुर्घटना नौ लोगों की हुई मौत

बीजिंग। उत्तर-पश्चिमी चीन के निंग्शिया इलाके में बृहस्पतिवार को राजमार्ग पर एक ट्रक यात्री वैन से टकरा गया, जिससे नौ लोगों की मौत हो गई और दो व्यक्ति घायल हो गए. सरकारी समाचार पत्र 'निंग्शिया डेली' में प्रकाशित खबर के मुताबिक, यह घटना किंग्तोंग्शिया शहर के बाहर सुबह सात बज कर करीब 40 मिनट पर हुई. घायलों को अस्पताल ले जाया गया, उनकी हालत स्थिर बताई जाती है. एक अधिकारी ने चीनी मीडिया को बताया कि इस घटना में वैन चालक की मौत हो गई है, जबकि ट्रक चालक घायल हो गया है और उसका इलाज कराया जा रहा है. फुटेज में वैन का सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है.

छत्तीसगढ़ में कुल 72.8 प्रतिशत मतदान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीट पर कुल 72.8 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. राज्य में तीन चरणों 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और सात मई को मतदान हुआ था. अधिकारियों ने बताया कि इन 11 सीट पर 2019 के लोकसभा चुनाव में औसत 71.49 प्रतिशत दर्ज हुआ था. राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया, 'राज्य की सभी 11 लोकसभा सीट पर कुल 72.8 प्रतिशत मतदान हुआ है, जो 2019 में हुए लोकसभा चुनाव से 1.31 फीसदी अधिक है. 2019 के लोकसभा चुनाव में 71.49 प्रतिशत मतदान हुआ था.'

प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस पार्टी ने किया चौतरफा हमला

कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चौतरफा हमला बोला. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर आम भारतीयों से धन की निकासी उद्योगपतियों के लिए करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सही मायनों में मंगलसूत्र छीनने के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है. वहीं कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी विमर्श में 'त्वचा के रंग' का मुद्दा लाकर 'घोर नस्लीय' रुख अपनाया है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सत्तारूढ़ भाजपा पर कांग्रेस के घोषणापत्र के बारे में दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पद की गरिमा की अनदेखी कर मनमानी बातें कह रहे हैं ताकि जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटक जाए.

मोदी मंगलसूत्र छीनने के लिए जिम्मेदार : जयराम

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने गुरुवार को मोदी सरकार पर आम भारतीयों से धन की निकासी उद्योगपतियों के लिए करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सही मायनों में मंगलसूत्र छीनने के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है. एक दिन पहले ही पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि राहुल गांधी ने अडाणी और अंबानी को गाली देना बंद कर दिया है और क्या उनकी पार्टी को बदले में इनसे पैसा मिला है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने चुनाव में कांग्रेस की जीत का भरोसा जताते हुए एक बयान में कहा, 4 जून को जैसे ही कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता संभालेगी, हम आर्थिक विकास में तेजी लाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि आम भारतीय परिवार सबसे बड़े लाभार्थी हों. हम भारतीय परिवारों से मित्र पूंजीपतियों की तरफ होने वाली धन की निकासी को समाप्त करेंगे. उन्होंने एक्स पर एक बयान में कहा कि 150 साल पहले दादाभाई नौरोजी ने धन की निकासी का सिद्धांत दिया था और उन्होंने बताया था कि कैसे भारत के लोगों का धन लूटकर ब्रिटेन भेजा जा रहा था. हमने 2014 से इसी तरह भारत के परिवार से मोदी के परिवार में धन की निकासी देखी है.

चुनावी बहस में 'त्वचा के रंग' को लाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'घोर नस्लीय' रुख अपनाया : चिदंबरम

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी विमर्श में 'त्वचा के रंग' का मुद्दा लाकर 'घोर नस्लीय' रुख अपनाया है. उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष द्वारा यशवंत सिन्हा की उम्मीदवारी का समर्थन उनकी त्वचा के रंग के आधार पर नहीं किया गया था. राष्ट्रपति पद के चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया था, वहीं कांग्रेस समेत 17 विपक्षी दलों ने यशवंत सिन्हा का समर्थन किया था. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'एक उम्मीदवार का समर्थन त्वचा के रंग के आधार पर नहीं था. दूसरे उम्मीदवार का विरोध त्वचा के रंग के आधार पर नहीं था. समर्थन या विरोध राजनीतिक फैसला था और हर निर्वाचक मतदाता अपनी पार्टी के फैसले का स्वागत करता है या करती है.'

प्रधानमंत्री अपने पद की गरिमा भूल गए: प्रियंका

रायबरेली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कांग्रेस के घोषणापत्र के बारे में दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पद की गरिमा की अनदेखी कर मनमानी बातें कह रहे हैं ताकि जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटक जाए. प्रियंका ने रायबरेली सदर विधानसभा क्षेत्र के कलसहा में पार्टी प्रत्याशी अपने भाई राहुल गांधी के समर्थन में आयोजित 'न्याय संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री पर जनता से कट जाने का आरोप लगाते हुए कहा, 'बुनियादी सवाल इसलिए नहीं उठाये जा रहे हैं क्योंकि पिछले 10 साल से मोदी जी की सरकार ने ऐसा कोई काम ही नहीं किया जिसके जरिए उन सवालों का जवाब दे पाएं.' वहीं कांग्रेस के सत्ता में आने पर अयोध्या के राम मंदिर में 'बाबरी ताला' लगा दिये जाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आरोप को 'सरासर झूठ' करार देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी कई बार कह चुकी है कि वह अदालत के फैसले का सम्मान करती है.

मोदी से लड़ने के लिए लगी कतार फिर भी केवल एक को मिला फार्म

एजेंसी। वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने चुनाव लड़नेके लिए वाराणसी में होड़ मची हुई है. नामांकन के तीसरे दिन पर्चा खरीदने और ट्रेजरी में जमा करने के लिए सुबह से लाइन लगी रही. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी में होड़ मची हुई है.

नामांकन के लिए यहां तक कि देश के दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु और तेलंगाना से भी कई लोग वाराणसी पहुंचे हैं. इस दौरान केवल बसपा के प्रत्याशी को ही फार्म मिल सका. तीन बजे का समय खत्म होने लगा, तो पर्चा खरीदने आए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया. वाराणसी कलक्ट्रेट के बाहर ही धरना प्रदर्शन शुरू कर डीएम पर कई आरोप लगाए. यहां तक कहा कि पीएम मोदी के खिलाफ लड़ने से लोगों को रोका जा रहा है. वाराणसी में सात मई से नामांकन शुरू हुआ है. 14 मई तक नामांकन होगा. तीन दिनों में अभी तक चार लोगों ने नामांकन किया है. तीन दिनों में यहां से चुनाव लड़ने के लिए 89 लोगों ने ट्रेजरी फार्म हासिल कर लिया है. पहले ही दिन 52 लोगों ने ट्रेजरी फार्म लिया था. बुधवार को 22 और गुरुवार को 12 ने ट्रेजरी फार्म प्राप्त कर लिया है. अगर सभी ने नामांकन दाखिल कर दिया, तो इस चुनाव में एक रिकॉर्ड हो जाएगा. गुरुवार की सुबह से ही ट्रेजरी फार्म प्राप्त करने और नामांकन के लिए पर्चा खरीदने वालों की कतार वाराणसी कलक्ट्रेट आफिस के सामने लग गई. ट्रेजरी जमा करने के बाद भी जब कई घंटे तक लोगों को नामांकन फार्म नहीं मिला, तो उनका गुस्सा फूट पड़ा. कलक्ट्रेट के गेट पर ही नारेबाजी शुरू हो गई. तानाशाही नहीं चलेगी, प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगे. पुलिस ने पहले लोगों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन मामला ज्यादा नहीं बढ़ जाए, इसलिए बाद में मूकदर्शक बन गई.

भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा अमेरिका : रूस

मॉस्को। रूस ने अमेरिका पर भारत के घरेलू मामलों और मौजूदा चुनावों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अमेरिका ने उसके देश में एक खालिस्तानी आतंकवादी की हत्या की साजिश में भारतीय नागरिकों की संलिप्तता होने का कोई ठोस सबूत अभी तक मुहैया नहीं कराया है. अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर काम करने का पिछले साल नवंबर में आरोप लगाया था. आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांछित पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है.

विदेश मंत्री ने अपने समकक्ष के साथ की बातचीत

भारत-मालदीव संबंध आपसी हितों पर आधारित : जयशंकर

एजेंसी। नयी दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के अपने समकक्ष मूसा ज़मीर के साथ बातचीत में कहा कि दोनों देशों के रिश्तों का विकास 'आपसी हित' और पारस्परिक संवेदनशीलता' पर आधारित है. छह महीने पहले मालदीव में चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद पहली उच्च स्तरीय यात्रा के तहत ज़मीर दिल्ली आए हैं.

ज़मीर के साथ अपनी बातचीत शुरू करते हुए जयशंकर ने कहा, "करीबी और निकटतम पड़ोसी होने के नाते हमारे संबंधों का विकास स्पष्ट रूप से आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित है." उन्होंने कहा, "जहां तक भारत का सवाल है तो ये हमारी पड़ोस प्रथम नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) दृष्टिकोण में व्यक्त किया गया है. मुझे आशा है कि आज की हमारी बैठक में हम विभिन्न क्षेत्रों में हमारे दृष्टिकोणों को मजबूत कर पाएंगे." मुइज्जू द्वीपीय राष्ट्र से भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी पर जोर दे रहे हैं जिससे दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था. भारत पहले ही अपने अधिकतर सैन्यकर्मियों को वापस बुला चुका है.

भारत का अपमान कर रहे कांग्रेसी

एजेंसी। चित्रकूट

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की हाल की एक टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक सलाहकार ने भारत को रंग के आधार पर बांटने की बात की है. नड्डा ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'राहुल गांधी के एक सिपहसालार और सलाहकार ने भारत को त्वचा के आधार पर विभाजित करने की बात की है. ऐसे लोग भारत की संस्कृति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं.' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बुधवार को त्वचा के रंग संबंधी सैम पित्रोदा की टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस पर हमला किया था और कहा था कि देशवासी त्वचा के रंग के आधार पर अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे. ओवरसीज कांग्रेस' के अध्यक्ष रहे पित्रोदा ने टिप्पणी थी कि देश के पूर्वी हिस्सों के लोग चीनियों जैसे दिखते हैं, जबकि दक्षिण के लोग अफ्रीकियों जैसे दिखते हैं. उनकी इस टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया है.

घमंडिया गठबंधन अहंकारी लोगों का जमावड़ा : नड्डा

नड्डा ने राहुल पर हमला बोलते हुए कहा, 'राहुल गांधी इन दिनों संविधान की कॉपी लेकर घूम रहे हैं. सच्चाई यह है कि कांग्रेस हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े और अतिपिछड़े भाइयों का हक छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है.' 'इंडिया' को 'घमंडिया गठबंधन' करार देते हुए नड्डा ने कहा, 'यह केवल दो चीजों का गठबंधन है. मोदी जी कहते हैं कि भ्रष्टाचारियों को हटाओ जबकि घमंडिया गठबंधन के सदस्य कहते हैं कि भ्रष्टाचारियों को बचाओ. यह अहंकारी गठबंधन भ्रष्ट लोगों का जमावड़ा है. ये सभी परिवारवादी लोग हैं.' यह भी कहा, '10 साल पहले भारत के सामान्य नागरिकों के मन में यह बात घर कर गई थी कि अब कुछ नहीं बदलेगा. राजनीति ऐसी ही है, यहां गुंडों का राज चलेगा लेकिन मोदी जी के आने के बाद भारतीय राजनीति में सब कुछ बदल गया है.

व्यवधान को कम करने के लिए कंपनी अपने 20 मार्गों पर सेवाएं संचालित करेगी

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने रद्द कीं 85 उड़ान

एजेंसी। मुंबई/ नयी दिल्ली

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण बृहस्पतिवार को 85 उड़ान रद्द कर दीं और कहा कि व्यवधान को कम करने के लिए एअर इंडिया हमारे 20 मार्गों पर सेवाएं संचालित करेगी. सूत्रों ने बताया कि एक अहम फैसले में एअर इंडिया ने चालक दल के कम से कम 25 उन सदस्यों को बर्खास्त करने संबंधी पत्र जारी किए हैं जिन्होंने एअरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में मंगलवार रात से बीमार होने की सूचना देनी प्रारंभ की. चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण मंगलवार रात से 100 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं. एअरलाइन ने प्रत्यक्ष तौर पर बर्खास्तगी पत्र के बारे में कुछ नहीं बताया लेकिन यह कहा कि वह कुछ व्यक्तियों के खिलाफ उचित कदम उठा रही है क्योंकि उनके कार्यों से हजारों यात्रियों को घोर असुविधा हुई है. एअरलाइन ने बृहस्पतिवार को एक संशोधित बयान में कहा, 'हम आज 283 उड़ानें संचालित करेंगे. हमने सभी संसाधन जुटा लिए हैं और एअर इंडिया हमारे 20 मार्गों पर परिचालन करके हमारी मदद करेगी. हमारी 85 उड़ानें रद्द हो गई हैं.' टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअरलाइन प्रतिदिन लगभग 368 उड़ानें संचालित करती है जिसे देखते हुए उड़ान रद्द होने का प्रतिशत 23 है. पहले के बयान में एअरलाइन ने कहा था कि उसने 74 उड़ान रद्द कर दी हैं और 292 सेवाओं का संचालन करेगी. एअरलाइन ने यात्रियों से कहा कि वे हवाईअड्डे पर आने से पहले यह जांच लें कि उनकी उड़ान प्रभावित तो नहीं हुई है. कहा कि यदि उड़ान रद्द हुई है या तीन घंटे से अधिक देर से संचालित होनी है तो यात्री पूरे पैसे लौटाने या बाद की किसी तारीख के लिए बुकिंग करा सकते हैं.

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के हालिया कार्य दस्तावेज में किया गया दावा, कहा-उचित सामाजिक समर्थन के बिना यह संभव नहीं होता

भारत में 1950-2015 के बीच हिंदू आबादी 7.8 प्रतिशत घटी, मुस्लिमों की 43.35 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत में 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है जबकि मुसलमानों की आबादी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे पता चलता है कि देश में विविधता को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल है. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के हालिया कार्य दस्तावेज में यह बात कही गई है. ''धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी: एक राष्ट्रव्यापी विश्लेषण (1950-2015)'' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की आबादी में जैन समुदाय के लोगों की हिस्सेदारी 1950 में 0.45 प्रतिशत थी जो 2015 में घटकर 0.36 प्रतिशत रह गई.

ईएसी-पीएम की सदस्य शमिका रवि के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में कहा गया कि 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है जो संबंधित अवधि में 84.68 प्रतिशत से घटकर 78.06 प्रतिशत रह गई. इसमें कहा गया कि 1950 में देश में मुसलमानों की आबादी 9.84 प्रतिशत थी और 2015 में बढ़कर यह 14.09 प्रतिशत हो गई जो संबंधित अवधि में 43.15 प्रतिशत बढ़ी है. रिपोर्ट के अनुसार, 1950 और 2015 के बीच ईसाइयों की आबादी 2.24 प्रतिशत से बढ़कर 2.36 प्रतिशत हो गई और संबंधित अवधि में इसमें 5.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इसमें कहा गया कि 1950 में सिखों की आबादी 1.24 प्रतिशत थी जो बढ़कर 2015 में 1.85 प्रतिशत हो गई तथा संबंधित अवधि में यह 6.58 प्रतिशत की वृद्धि है.रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पारसी आबादी में 85 प्रतिशत की भारी कमी आई है. इस समुदाय की आबादी 1950 में कुल जनसंख्या का 0.03 प्रतिशत थी लेकिन 2015 में यह केवल 0.004 प्रतिशत रह गई. इसमें कहा गया कि संबंधित आंकड़ों से संकेत मिलता है कि "समाज में विविधता को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण है." इसमें कहा गया कि अनुकूल दृष्टिकोण के माध्यम से उचित माहौल और सामाजिक समर्थन प्रदान किए बिना समाज के वंचित वर्गों के लिए बेहतर जीवन परिणामों को बढ़ावा देना संभव नहीं है.

समाज में विविधता बढ़ाने के लिए भारत में अनुकूल माहौल

रिपोर्ट में कहा गया कि बहुसंख्यक आबादी की हिस्सेदारी में कमी और इसके परिणामस्वरूप अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी में वृद्धि से पता चलता है कि सभी नीतिगत कार्यों, राजनीतिक निर्णयों और सामाजिक प्रक्रियाओं का शुद्ध परिणाम समाज में विविधता बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करना है. बहुसंख्यकों की आबादी में वैश्विक स्तर पर गिरावट के साथ ही भारत में भी बहुसंख्यकों की आबादी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है. रिपोर्ट में कहा गया, "दक्षिण एशियाई पड़ोस के व्यापक संदर्भ में यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय की आबादी बढ़ी है, और बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान तथा अफगानिस्तान जैसे देशों में अल्पसंख्यक आबादी में चिंताजनक रूप से कमी आई है." कहा गया कि यह आश्चर्य की बात नहीं है, इसीलिए, पड़ोस से अल्पसंख्यक आबादी दबाव के समय भारत आती है. रिपोर्ट में कहा गया कि सभी मुस्लिम बहुल देशों में बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय की आबादी में वृद्धि देखी गई. हालांकि, मालदीव ऐसा मुस्लिम बहुल देश है जहां बहुसंख्यक समूह (शाफी सुन्नियों) की हिस्सेदारी में 1.47 प्रतिशत की गिरावट आई है. बांग्लादेश में, बहुसंख्यक समूह की हिस्सेदारी में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो भारतीय उपमहाद्वीप में इस तरह की सबसे बड़ी वृद्धि है.

म्यांमा, भारत व नेपाल में बहुसंख्यक घटे

रिपोर्ट के अनुसार, गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक देशों में म्यांमा, भारत और नेपाल में बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय की हिस्सेदारी में गिरावट आई है. इसमें रेखांकित किया गया कि वर्ष 1950 दो प्रमुख कारणों से आधारभूत वर्ष के रूप में महत्वपूर्ण है. रिपोर्ट के अनुसार, यह साल उस समय के आसपास था जब नवनिर्मित संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार ढांचे ने अल्पसंख्यक अधिकारों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सरकारों की जिम्मेदारी को अंतरराष्ट्रीय कानून में मुख्यधारा में लाने के साथ आकार लेना शुरू किया था. यह अध्ययन रिपोर्ट दुनिया भर में अल्पसंख्यकों की स्थिति का एक विस्तृत राष्ट्रव्यापी वर्णनात्मक विश्लेषण है. विश्लेषण में शामिल 167 देशों के लिए, 1950 के आधारभूत वर्ष में बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय की हिस्सेदारी का औसत आंकड़ा 75 प्रतिशत है.

'कांग्रेस मुस्लिमों को आरक्षण देने पर तुली'

नयी दिल्ली। भाजपा ने देश में मुस्लिम आबादी में वृद्धि की गति पर बृहस्पतिवार को आश्चर्य जताया कि मुसलमानों को आरक्षण देने पर तुली कांग्रेस यदि सत्ता में आती है तो इससे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को मिले आरक्षण पर क्या असर पड़ेगा. भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'यह एक बहुत ही प्रसिद्ध तथ्य है, जो लगभग एक दशक से सार्वजनिक जानकारी में है. लेकिन सवाल यह उठता है कि अगर इस रफ्तार से देश की आबादी बढ़ती है और जिस प्रकार से कांग्रेस मुस्लिमों को आबादी के आधार पर आरक्षण देने पर तुली हुई है तो वे एससी, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के हिस्से में कटौती करेंगे.'

'बिना जनगणना कराये कैसे तैयार कर ली रिपोर्ट'

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने ईएसी-पीएम की रिपोर्ट पर संदेह जताते हुए बृहस्पतिवार को पूछा कि बिना जनगणना कराए केंद्र ने कैसे हिंदू-मुस्लिम जनसंख्या रिपोर्ट तैयार कर ली. ईएसी-पीएम की रिपोर्ट में मुस्लिम आबादी में वृद्धि, जबकि हिंदू आबादी प्रतिशत में गिरावट का दावा किया गया है. राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान देश के ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए हिंदू-मुस्लिम के बीच दरार पैदा कर रही है. उन्होंने पूछा, 'आप जनगणना कराए बिना ही आंकड़ों पर (कैसे) पहुंच गए?

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)